1986-2024
39 वां वर्ष
स्वर्ण जयंती की ओर अग्रसर

राष्ट्रीय दैनिक समाचार पत्र

स्वतंत्र चेतना

उत्तर प्रदेश, उत्तराखण्ड व नई दिल्ली से प्रकाशित

प्रयागराज
वर्ष 33,अंक 234
शनिवार 04 मई,2024
पृष्ठ 12 ₹4.00

www.swatantrachetnanews.com

गोरखपुर, लखनऊ, प्रयागराज, कानपुर, नई दिल्ली, हरिद्वार, वाराणसी, आजमगढ़ व अयोध्या से प्रकाशित

राहुल गांधी ने चुनाव से पहले ही हार मान ली: ईरानी

कांग्रेस का हाथ देश के दुश्मनों के साथ : योगी

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। पाकिस्तान में कांग्रेस समर्थित बयानबाजी पर निशाना साधते हुये मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने

- कहा यदि मोदी व भाजपा जीतते हैं तो देश में दीपावली मनाई जाती है तो वहीं कांग्रेस की जीत पर पाक में जश्न मनाया जाता है

शुक्रवार को कहा कि अब यह स्पष्ट हो गया है कि कांग्रेस का हाथ देश के दुश्मनों के साथ है।

संभल, बदायूं और आंवला लोकसभा क्षेत्रों में चुनावी जनसभाओं को संबोधित करने के लिए रवाना होने से पहले श्री योगी ने कहा यदि मोदी और भाजपा जीतते हैं तो देश में दीपावली मनाई जाती है तो वहीं कांग्रेस की जीत पर पाकिस्तान में जश्न मनाया जाता है। इस अंतर को देश की जनता को समझना चाहिए और देश विरोधी तत्वों को नकार देना चाहिए।

योगी ने कहा कि चुनाव आज चरम पर पहुंच चुका है। स्वाभाविक रूप से जो देश के दुश्मन हैं वह चुनाव के दौरान श्री नरेन्द्र मोदी के पक्ष में जो माहौल है उसको खराब करने का भरसक प्रयास करेंगे। कुछ चीजें पूरे देश की जनता को देखनी चाहिएं कि कैसे पाकिस्तान श्री राहुल गांधी को प्रोजेक्ट कर रहा है। पाकिस्तान सरकार का एक पूर्व मंत्री जो बेशर्मी के साथ पुलवामा की घटना का समर्थन करता है, वही व्यक्ति आज राहुल गांधी को सपोर्ट कर रहा है और राहुल गांधी को लेकर प्रफुल्लित हो रहा हो। यह दिखाता है कि कांग्रेस का हाथ, देश के दुश्मनों का साथ दोनों साथ हैं। ये दिखाता है कि मोदी जीतेंगे तो भारत में दीपावली होगी, लेकिन यदि कांग्रेस कहीं पर सफलता प्राप्त करे तो पाकिस्तान उससे प्रफुल्लित हो रहा है। लोगों को समझना चाहिए कि इसके पीछे भारत विरोधी ताकतों की मंशा क्या है।

उन्होंने कहा कि कांग्रेस आजादी के बाद अपने मार्ग से भटक गई है। उसने अपने स्वार्थ के लिए पहले देश का विभाजन किया और फिर अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए देश के अंदर तुष्टीकरण की नीतियों को आगे बढ़ाया। तुष्टीकरण की नीतियों का ही दुष्परिणाम था कि देश के अंदर अलगाववाद और उग्रवाद चरम पर पहुंचा। कांग्रेस की भ्रष्ट नीतियों के कारण देश के अंदर नक्सलवाद भी तेजी से फैला। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पिछले 10 वर्ष के अंदर जो कार्य किया है उसके कारण आतंकवाद, नक्सलवाद और उग्रवाद को नियंत्रित किया जा सका है। आज देश के अंदर एक सकारात्मक माहौल बना है। विकास और गरीब कल्याणकारी योजनाओं को लेकर एक बेहतर माहौल बना है, जिससे अंतिम पायदान पर बैठे व्यक्ति को भी शासन की योजनाओं का लाभ मिल रहा है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि स्वाभाविक रूप से आम जनमानस का रुझान इन सभी बातों को लेकर श्री मोदी के समर्थन में है। पूर्ण विश्वास है कि कांग्रेस की विभाजनकारी, तुष्टीकरण की नीतियों का देश की जनता कांग्रेस और इंडी गठबंधन को जोरदार जवाब देकर उनकी मंशा पर पानी फेरने का काम करेगी और मोदी के नेतृत्व में भारतीय जनता पार्टी और एनडीए गठबंधन फिर एक बार प्रचंड बहुमत से सरकार बनाएगा।

सुप्रीमकोर्ट ने केजरीवाल को अंतरिम राहत देने पर करेगा विचार

नयी दिल्ली,वार्ता। उच्चतम न्यायालय ने आम आदनी पार्टी (आप) नेता एवं मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल की दिल्ली अबकारी नीति से संबंधित कथित धनशोधन एक मामले में गिरफ्तारी और हिरासत को चुनौती देने वाली उनकी याचिका पर अंतरिम जमानत देने पर विचार करने का शुक्रवार को संकेत दिया।

न्यायमूर्ति संजीव खन्ना और न्यायमूर्ति दिपांकर दत्ता की पीठ ने सुनवाई के दौरान मौखिक तौर पर कहा कि उसने अभी कोई फैसला नहीं किया, लेकिन सुनवाई लंबी चलने की संभावना के मद्देनजर वह अंतरिम जमानत के सवाल पर विचार कर सकती है।

पीठ स्पष्ट करते हुए कहा कि वह केवल सभी संबंधित अधिवक्ताओं को सूचित कर रही है कि सुनवाई जल्द पूरी नहीं होने की संभावना के मद्देनजर याचिकाकर्ता को अंतरिम राहत देने पर विचार किया जा सकता है।

राहुल ने छोड़ी अमेठी,रायबरेली से किया नामांकन

स्वतंत्र चेतना

रायबरेली। कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी ने शुक्रवार को रायबरेली लोकसभा सीट के लिये अपना नामांकन दाखिल किया।

श्री गांधी ने कलेक्ट्रेट पहुंच कर अपना नामांकन दाखिल किया। इस अवसर

- नामांकन के बाद कहा मां ने भरोसे से सौंपी मुझे अपनी कर्मभूमि, नामांकन के दौरान सोनिया,प्रियंका व कांग्रेस अध्यक्ष खड़गे मौजूद रहे

पर उनकी मां सोनिया गांधी, कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा और कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे मौजूद रहे।

नामांकन पत्र दाखिल करने के बाद राहुल गांधी ने कहा कि उनकी मां सोनिया गांधी ने भरोसे से उन्हें अपनी कर्मभूमि सौंपी है और वह उनके विश्वास पर खरा उतरने का प्रयास करेंगे।

श्री गांधी ने कहा ,रायबरेली से नामांकन मेरे लिए भावुक पल था। मेरी मां ने मुझे बड़े भरोसे के साथ परिवार की कर्मभूमि सौंपी है और उसकी सेवा का मौका दिया है।

उन्होंने रायबरेली की तरह अमेठी के लोगों को अपने परिवार का हिस्सा बताते हुए कहा ,अमेठी और रायबरेली मेरे लिए अलग- अलग नहीं हैं, दोनों ही मेरा परिवार हैं और मुझे खुशी है कि 40 वर्षों से क्षेत्र की सेवा कर रहे किशोरी लाल जी अमेठी से पार्टी का प्रतिनिधित्व करेंगे।

श्री गांधी ने रायबरेली और अमेठी के लोगों से अन्याय के खिलाफ मतदान करने का आग्रह करते हुए कहा ,अन्याय के खिलाफ चल रही न्याय की जंग में, मैं मेरे अपनों की मोहब्बत और उनका आशीर्वाद मांगता हूं। मुझे विश्वास है कि संविधान और लोकतंत्र को बचाने की इस लड़ाई में आप सभी मेरे साथ खड़े हैं।

पीएम मोदी के नामांकन दाखिल की तरीय तय,13 को करेंगे रोड शो,14 को करेंगे नामाकांन

स्वतंत्र चेतना

वाराणसी। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी वाराणसी लोकसभा सीट से 14 मई

को नामांकन पर्चा दाखिल करेंगे। इससे पहले 13 मई को वाराणसी में रोड शो भी करेंगे। बता दें कि वाराणसी लोकसभा सीट पर एक जून को वोटिंग होगी।

पार्टी प्रधानमंत्री मोदी की जीत को ऐतिहासिक बनाने के लिए कोई कोर कसर नहीं छोड़ेगी। भाजपा के राष्ट्रीय और प्रदेशों के नेता मई के दूसरे सप्ताह से वाराणसी पहुंचना शुरू हो जाएंगे।

नहीं रहे भाकपा नेता अतुल कुमार अंजान

स्वतंत्र चेतना

लखनऊ। भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी (भाकपा) के राष्ट्रीय सचिव अतुल कुमार अंजान का लंबी बीमारी के बाद शुक्रवार सुबह यहां एक निजी अस्पताल में निधन हो गया। वह करीब 71 वर्ष के थे।

श्री अंजान कैंसर रोग से ग्रसित थे और करीब एक महीने से उनका इलाज लखनऊ के एक निजी अस्पताल में चल रहा था जहां आज सुबह उन्होने अंतिम सांस ली।

आईपीएल 2024

आज का मैच

बेंगलुरु बनाम गुजरात
स्थान बेंगलुरु
समय रात 7.30 बजे

जीएसटी कानून में हुयी गिरफ्तारियों व नोटिस का सुप्रीमकोर्ट ने मांगा डेटा

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने केंद्र सरकार से जीएसटी कानून के तहत हुई गिरफ्तारियों और कानून के तहत

- कहा लोगों का उत्पीड़न नहीं होने देंगे,उन्हें धमकी देकर किया जाता है परेशान ● कोर्ट ने कहा हम करेंगे कानून की व्याख्या

भेजे गए नोटिस का पूरा डाटा देने का निर्देश दिया है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि वह कानून की व्याख्या करेगा और जरूरी दिशा निर्देश देगा ताकि लोगों की स्वतंत्रता का हनन न हो सके। जस्टिस संजीव खन्ना और जस्टिस एमएम सुंदरेश और जस्टिस बेला एम त्रिवेदी की विशेष पीठ ने 281 याचिकाओं पर सुनवाई करते हुए ये निर्देश दिया। इन याचिकाओं में जीएसटी कानून, कस्टम कानून और पीएमएलए कानून के प्रावधानों को चुनौती दी गई है।

जीएसटी कानून की धारा 69 को लेकर अस्पष्टता है। इसी धारा में गिरफ्तारी के प्रावधान हैं। ऐसे में इसे लेकर चिंता जताई गई है। सुनवाई के दौरान पीठ ने कहा कि अगर जरूरत पड़ी तो वे कानून की व्याख्या करेंगे, लेकिन नागरिकों का शोषण नहीं होने देंगे। पीठ ने केंद्र की तरफ से पेश हुए एडिश्नल सॉलिसिटर जनरल एसवी राजू से कहा पिछले तीन वर्षों में एक करोड़ से लेकर 5 करोड़ रुपये तक के कथित डिफॉल्ट के लिए जीएसटी कानून के तहत जितने नोटिस जारी किए गए हैं और गिरफ्तारियां हुई हैं, उनका डाटा प्रस्तुत करें। इससे लोगों का उत्पीड़न हो सकता है और हम इसकी इजाजत नहीं देंगे। अगर हमें लगता है कि प्रावधानों में स्पष्टता नहीं है तो हम उसे ठीक करेंगे। सभी लोगों को सलाखों के पीछे नहीं भेज सकते हैं।

याचिकाकताओं की तरफ से वरिष्ठ वकील सिद्धार्थ लूथरा कोर्ट में पेश हुए। लूथरा ने आरोप लगाया कि जीएसटी कानून के तहत प्राधिकरण ताकत का गलत इस्तेमाल कर रहा है और इससे लोगों की आजादी प्रभावित हो रही है। लूथरा ने बताया कि कई मामलों में गिरफ्तारियां नहीं हुई हैं, लेकिन लोगों को नोटिस देकर गिरफ्तारी का डर दिखाकर परेशान किया गया है। जब एसवी राजू ने कहा कि केंद्रीय जीएसटी का डाटा तो मिल सकता है, लेकिन राज्यों का डाटा इकट्ठा करना मुश्किलो होगा, तो इस पर कोर्ट ने कहा कि ह्यजीएसटी परिषद के पास वह डाटा होगा और अगर डाटा है तो हम चाहते हैं कि सारे डाटा को हमारे सामने पेश किया जाए। अब कोर्ट 9 मई को इस मामले पर सुनवाई करेगा।

हमनाम उम्मीदवारों पर रोक लगाने से सुप्रीमकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली। देश की सर्वोच्च अदालत ने हमनाम उम्मीदवारों से जुड़ी एक याचिका को खारिज कर दिया है। याचिका में मांग की गई थी कि इस मुद्दे को हल करने के लिए एक तंत्र बनाया जाए और इसके प्रति कदम उठाने के लिए चुनाव आयोग को निर्देश दिए जाएं। बता दें, हमनाम उम्मीदवार वे होते हैं, जिनका नाम किसी दूसरे उम्मीदवार से मिलता-जुलता होता है।

सुप्रीम कोर्ट के न्यायमूर्ति बीआर गवई की अध्यक्षता वाली तीन सदस्यीय पीठ ने याचिका पर विचार करने में रुचि नहीं दिखाई तो याचिकाकर्ता के वकील वीके बीजू ने इसे वापस लेने की अनुमति मांगी। पीठ में शामिल न्यायमूर्ति संतीश चंद्र शर्मा और न्यायमूर्ति संदीप मेहता ने याचिका वापस लेने की अनुमति दे दी। अधिवक्ता बीजू ने साबू स्टीफन की ओर से सुप्रीम कोर्ट में याचिका दायर की।

पीठ ने स्टीफन की ओर से पेश वकील से कहा कि अगर कोई व्यक्ति जिसका नाम राहुल गांधी है या फिर ऐसा कोई व्यक्ति जिसका नाम लालू प्रसाद यादव है तो क्या उन्हें चुनाव लड़ने से रोका जा सकता है।

भाजपा ने वैक्सीन लगवाकर लोगों की जान को संकट में डाला : अखिलेश

मैनपुरी,वार्ता। समाजवादी पार्टी (सपा) अध्यक्ष अखिलेश यादव ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सरकार ने वैक्सीन लगवा कर लोगों

की जान को संकट में डाल दिया है।

अपनी पत्नी एवं पार्टी प्रत्याशी डिंपल यादव के पक्ष में किशनी में आयोजित जनसभा को संबोधित करते हुये उन्होने मांग की कि भाजपा के लोगों ने जैसे फ्री वैक्सीन लगवाई वैसे ही लोगों के शरीर की जांच भी बड़े से बड़े हॉस्पिटल में फ्री में करवाएं।

उन्होने कहा कि भाजपा का झूठ लोगों ने समझ लिया है अब भाजपा का पूरी तरह से सफाया होने जा रहा है। तीसरे चरण में बरेली से मैनपुरी तक हर सीट पर भाजपा हारेंगी।पहले और दूसरे चरण की चुनावी सभाओं में जनता ने भाजपा को नकार दिया था।भाजपा के लोग संविधान के पीछे पड़े थे अब लोगों की जान के पीछे। वैक्सीन से लोगों की जान जा रही है।

- भाजपा का झूठ लोगों ने समझ लिया है अब उनका पूरी तरह से सफाया होने जा रहा है

अखिलेश यादव ने कहा कि भाजपा ने किसानों के लिए हर चीज महंगी कर दी, डीजल पेट्रोल महंगा कर दिया किसान की फसल की कीमत भाजपा सरकार नहीं दे पा रही है। उन्होने कहा कि भाजपा सरकार ने उद्योगपतियों का कर्ज माफ किया है उसी तरह किसानों का कर्ज समाजवादी पार्टी सरकार बनने पर माफ करेगी और किसानों को खुशहाल करने के लिए उन्हें कानूनी अधिकार से एम एस पी दिलाने का काम करेगी।

ईरान व इजरायल की यात्रा से भारत ने हटाया प्रतिबंध

नयी दिल्ली,वार्ता। भारत ने ईरान और इजरायल के बीच संघर्ष की आशंका के मद्देनजर भारतीय नागरिकों के लिए इन दोनों देशों की यात्रा पर

- यात्रा के दौरान दी सतर्कता बरतने की सलाह

लगाए गए प्रतिबंध को हटा लिया है लेकिन लोगों को यात्रा के दौरान सतर्कता बरतने और भारतीय मिशन के संपर्क में रहने की सलाह दी है।

ईरान और इजरायल के संबंध में यात्रा परामर्श के बारे में मीडिया के प्रश्नों के उत्तर में विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा,हम क्षेत्र में स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हमने यह भी देखा है कि ईरान और इजरायल ने कई दिनों से अपना हवाई क्षेत्र खोल दिया है। हम भारतीय नागरिकों को इन देशों की यात्रा करते समय सतर्क रहने और भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह देते हैं।

उल्लेखनीय है कि 12 अप्रैल को विदेश मंत्रालय ने भारतीय नागरिकों को परामर्श जारी करके कहा था कि वे तत्कालीन स्थिति को देखते हुए ईरान और इजरायल की यात्रा नहीं करें और जो लोग वहां पहले से ही हैं, वे अत्यधिक सावधानी रखें।

विदेश मंत्रालय ने कहा था,हम क्षेत्र में स्थिति पर बारीकी से नजर रख रहे हैं। हमने यह भी देखा है कि ईरान और इजराइल ने कई दिनों से अपना हवाई क्षेत्र खोल दिया है। हम भारतीय नागरिकों को इन देशों की यात्रा करते समय सतर्क रहने और भारतीय दूतावास के संपर्क में रहने की सलाह देते हैं।

भारत ने संयुक्त राष्ट्र में पाक को लताड़ा

न्यूयॉर्क । संयुक्त राष्ट्र महासभा (यूएनजीए) में पाकिस्तान को सख्त जवाब देते हुए भारत ने कहा है कि मानवाधिकार और लोकतंत्र जैसे

- यूएनजीएन में कश्मीर व राम मंदिर का मुद्दा उठाने पर भारत ने दिया करारा जवाब

मुद्दों पर उसको बात करने का नैतिक अधिकार नहीं है। संयुक्त राष्ट्र में भारत की स्थायी प्रतिनिधि रुचिरा कंबोज ने कहा पाकिस्तान का इन सभी पहलुओं पर सबसे संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड है। संयुक्त राष्ट्र महासभा में अपने संबोधन के दौरान पाकिस्तान के मुनीर अकरम की ओर से कश्मीर, नागरिकता अधिनियम और राम मंदिर के मुद्दे पर टिप्पणी करते हुए भारत को घेरने की कोशिश की गई थी। इसका जवाब देते हुए रुचिरा कंबोज की ओर से ये कड़ी प्रतिक्रिया दी गई है।

रुचिरा कंबोज ने कल्चर ऑफ पीस

पर अपने भाषण में पाकिस्तान की ओर इशारा करते हुए कहा, ह्यहम इस चुनौतीपूर्ण समय के बीच शांति की संस्कृति विकसित करने का प्रयास कर रहे हैं, हमारा ध्यान रचनात्मक बातचीत पर है। ऐसे में हमने एक खास प्रतिनिधिमंडल की टिप्पणियों को अलग रखने का फैसला किया है, जिसमें न केवल शिष्टाचार की कमी है, बल्कि उनकी विनाशकारी और हानिकारक प्रकृति से हमारे सामूहिक प्रयासों में भी अड़चन आती है।

रुचिरा कंबोज ने आगे कहा कि सदस्य देशों के लिए शांति की वास्तविक संस्कृति को बढ़ावा देने और दुनिया को एक एकजुट परिवार के रूप में देखने के लिए सक्रिय रूप से मिलकर काम करना आवश्यक है लेकिन आतंक इसमें बड़ी अड़चन है।

आतंकवाद शांति की संस्कृति और सभी धर्मों की मूल शिक्षाओं का सीधा विरोध है, जो करुणा और सहअस्तित्व की वकालत करते हैं। यह शत्रुता पैदा करता है और सद्भाव के सार्वभौमिक मूल्यों को कमजोर करता है, जो दुनियाभर में सांस्कृतिक और धार्मिक परंपराओं को रेखांकित करते हैं। हमारा क्या उस देश से यह पूछना बहुत ज्यादा है, जो अपने आप में सभी पहलुओं पर सबसे संदिग्ध ट्रैक रिकॉर्ड रखता है?

भारत–इंडोनेशिया रक्षा उद्योग व समुद्री सुरक्षा क्षेत्र में बढ़ायेंगे सहयोग

नयी दिल्ली,वार्ता। भारत और इंडोनेशिया ने रक्षा उद्योग और समुद्री सुरक्षा के क्षेत्रों में तथा बहुपक्षीय स्तर पर सहयोग बढाने पर सहमति व्यक्त की है।

रक्षा सचिव गिरिधर अरमाने और इंडोनेशिया के रक्षा मंत्रालय में महासचिव एयर मार्शल (सेवानिवृत) डॉनी एमार्वान तौफांटो ने शुक्रवार को यहां भारत-इंडोनेशिया संयुक्त रक्षा सहयोग समिति की बैठक की सह-अध्यक्षता की।

बैठक में दोनों देशों के बीच रक्षा सहयोग के बढ़ते दायरे पर संतोष व्यक्त किया गया। उन्होंने रक्षा क्षेत्र में सहयोग और रक्षा उद्योग सहयोग पर कार्य समूहों की बैठकों में विभिन्न पहलों पर हुई प्रगति की भी समीक्षा की। दोनों पक्षों ने विशेष रूप से रक्षा उद्योग संबंधों, समुद्री सुरक्षा और बहुपक्षीय स्तर पर सहयोग का दायरा बढाने पर सहमति व्यक्त की तथा इसकी संभावनाओं का पता लगाने पर जोर दिया।

महासचिव तौफांटो ने रक्षा अनुसंधान एवं विकास संगठन के मुख्यालय के साथ-साथ पुणे में टाटा एडवांस्ड सिस्टम्स और एल एंड टी रक्षा सुविधाओं का दौरा किया। उन्होंने भारत फोर्ज, महिंद्रा डिफेंस और मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड जैसे अन्य भारतीय रक्षा उद्योग भागीदारों के साथ भी विचार-विमर्श किया और अनुसंधान तथा संयुक्त उत्पादन में सहयोग के माध्यम से रक्षा औद्योगिक क्षमताओं को बढ़ाने के तरीकों पर चर्चा की।

कोविशील्ड की रिपोर्ट से जनता को घबराने की जरुरत नहीं:डा.मोहसिन

नयी दिल्ली,वार्ता। देश के जाने-माने हृदय रोग विशेषज्ञों का मानना है कि कोविड-19 की वैक्सीन कोविशील्ड के प्रतिकूल प्रभाव के बारे में ब्रिटेन में आयी खबरों से आम जनता को घबराने की

- कम अवधि के शोध में तैयार वैक्सीनों में से एक कोविशील्ड के दुष्प्रभाव की न पुष्टि हुई है और न ही कोई अनुसंधान सामने आया है

जरुरत नहीं है बल्कि ऐसी वैक्सीन के कारण लोगों की जान बची हैं।

श्री प्रणव मुखर्जी समेत देश के तीन राष्ट्रपति के निजी चिकित्सक रह चुके डॉ. मोहसिन वली ने शुक्रवार को विशेष बातचीत में कहा कि कोरोना महामारी के आपातकाल के समय अधिक से अधिक लोगों की जान बचाने के लिए कम अवधि के शोध में तैयार वैक्सीनों में से एक कोविशील्ड के दुष्प्रभाव की पुष्टि

नहीं हुई है और न ही इसके बारे कोई अनुसंधान सामने आया है।

डॉ. वली ने कहा,मेरा मानना है कि लोगों को वैक्सीन के बारे में ब्रिटेन में जो हो रहा है, उसे अपने देश से नहीं जोड़ना चाहिए। वह न्यायालय और मुआवजे का मामला है। मैं तो कहता हूं कि इससे बहुत लोगों की जान बची है। अगर साइड इफेक्ट की बात करनी ही है, तो यह दुर्लभ मामलों में कही गयी है। वैज्ञानिक किसी भी वैक्सीन के गुण -दोष पर उसे सुरक्षित मानते हैं। अगर एक वैक्सीन से लाखों लोगों की जान बचती है और कुछेक लोगों पर यह कुछ नकारात्मक प्रभाव छोड़ती है, तो उसके गुण के आधार पर इसे सुरक्षित मानकर लाखों जिंदगियां बचाई जाती हैं।

उन्होंने कहा,किसी ने भारत में अगर कोविशील्ड अथवा कोवैक्सीन लगवायी और अभी तक उन्हें कुछ हुआ नहीं, तो वे सुरक्षित हैं ,क्योंकि इसका किसी भी तरह का साइड इफेक्ट होता तो अब तक हो जाता। हाल ही में भारतीय आयुर्विज्ञान अनुसंधान परिषद (आईसीएमआर) ने इस बात की पुष्टि की है कि हमारी दोनों वैक्सीन सुरक्षित हैं और आगे जाकर कुछ होता है, तो इस पर शोध जारी है।

उन्होंने कहा, लॉन्ग कोविड का प्रभाव जरुर देखा जा रहा है जो ब्रेन फॉग, मेमोरी लॉस आदि है। इसे वैक्सीन से नहीं जोड़ा जा सकता । थ्रोम्बोसिस थ्रॉम्बोसाइटोपेनिया संड्रोम(टीटीएस) वैक्सीन से हुआ है, अथवा कोविड से हुआ, इसका पता लगाना मुश्किल है।

आरक्षण खत्म करने की साजिश में कांग्रेस,वाम व तृणमूल: मोदी

बर्दवान,वार्ता। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को इंडिया समूह के घटक कांग्रेस, वाम दल और तृणमूल कांग्रेस पर अपने वोटबैंक की खातिर जमीन तैयार करने के वास्ते एसटी/एससी

- डरो मत,भागो मत, राहुल के अमेठी छोड़कर रायबरेली से नामांकन भारने पर पीएम ने कसा तंज

और ओबीसी के लिए आरक्षण खत्म करने का आरोप लगाया और कहा कि ये पार्टियां इसे धार्मिक आधार पर मुसलमानों को आवंटित करने के लिए साजिश कर रही हैं।

श्री मोदी बर्दवान-दुर्गापुर लोकसभा सीट से भाजपा उम्मीदवार दिलीप घोष और बर्दवान-पूर्व से प्रत्याशी गायक कवि आशिम सरकार के समर्थन में चुनावी रैली को संबोधित कर रहे थे। इस मौके पर उन्होंने कहा कि वह यह जानकर आश्चर्यचकित हैं कि पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस के एक नेता ने गुरुवार को कथित तौर पर सभी हिंदुओं को दो घंटे में भागीरथी (गंगा) में डुबाने की धमकी दी। उन्होंने आशंका व्यक्त की कि इस राज्य के हिंदुओं का क्या होगा , जिन पर हाल ही में रामनवमी उत्सव के दौरान हमला किया गया था।

उन्होंने कहा , वे (विपक्ष) विकास नहीं ला सकते। वे केवल वोटों की खातिर समाज में दरार पैदा करना जानते हैं। एक तृणमूल कांग्रेस विधायक ने सिर्फ दो घंटे में हिंदुओं को भागीरथी में डुबो

देने की धमकी दी है। क्या क्या यही भाषा और राजनीतिक संस्कृति है। बंगाल में हिंदुओं के साथ क्या हो रहा है। ऐसा लगता है कि तृणमूल कांग्रेस ने राज्य में हिंदुओं को दोयम दर्जे का नागरिक बना दिया है।

उन्होंने कहा , कांग्रेस, वाम दल और तृणमूल कांग्रेस के पास विकास के लिए कोई दृष्टिकोण नहीं है। आप अच्छी तरह से जानते हैं कि ये तीनों पार्टियां राज्य के लिए क्या कर सकते हैं। त्रिपुरा को वामपंथियों ने 35 वर्षों तक नष्ट कर दिया , लेकिन भाजपा ने पिछले कुछ वर्षों में पूरे त्रिपुरा का रंग बदल दिया है। वहां से जब वामपंथी चले गए, तो विकास का सूरज उगना शुरू हो गया।

उन्होंने कहा , हमारे देश में दशकों तक वोट जिहाद का खेल पर्दे के पीछे चुपचाप खेला जाता रहा। वे इतने हताश हो गए हैं कि पहली बार अब खुले तौर पर वोट जिहाद करने का ऐलान कर रहे हैं। वहीं कांग्रेस का राजपरिवार, तृणमूल कांग्रेस का परिवार, वाम दल का का परिवार चुप है। इंडिया समूह के सभी साथी वोट जिहाद मामले पर चुप हैं।

पीएम मोदी ने विपक्षी पार्टियों पर निशाना साधते हुए बताया कि वह जनता की सेवा करने के लिए पैदा हुए हैं। उन्होंने आगे कहा कि उनका सपना केवल जनता के सपनों को पूरा करना है। इस रैली में पीएम मोदी ने राहुल गांधी के रायबरेली से लोकसभा चुनाव लड़ने के फैसले पर भी कटाक्ष किया। उन्होंने बताया कि राहुल गांधी डर के कारण रायबरेली भाग गए। पीएम मोदी ने कांग्रेस सांसद से कहा, डरो मत, भागो मत।

जयश्री राम के जयकारे के बीच श्री मोदी ने कहा , चार जून के बाद शहजादा फिर से एक नये निर्वाचन क्षेत्र की तलाश करेंगे, जैसा कि परिवार के एक अन्य वरिष्ठ सदस्य ने किया था और उन्हें आखिरी बार राजस्थान से राज्यसभा सीट मिली थी।

नामांकन के पांचवें दिन 51 फूलपुर से 5 व 52 इलाहाबाद संसदीय से 5 प्रत्याशियों ने किया नामांकन

प्रयागराज। लोकसभा सामान्य निर्वाचन-2024 के अन्तर्गत गुरूवार को नाम निर्देशन के पांचवे दिन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर के लिए 05 लोगो ने एवं संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 52-इलाहाबाद के लिए 09 लोगो के द्वारा नाम निर्देशन पत्र लिया गया। जबकि दोनों संसदीय क्षेत्रों से

फूलपुर से पांच तथा इलाहाबाद संसदीय से 9 लोगों ने क्रय किया नामांकन पत्र

10 प्रत्याशियों ने पांचवें दिन अपने नामांकन पत्र दाखिल किये।

इस प्रकार अबतक संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर के लिए कुल 49 लोग व 52-इलाहाबाद के लिए कुल 53 लोगो ने नाम निर्देशन पत्र लिया है। नाम निर्देशन के पांचवे दिन संसदीय निर्वाचन क्षेत्र 51-फूलपुर हेतु निर्दलीय प्रत्याशी जितेन्द्र कुमार, युवा विकास पार्टी के प्रत्याशी संजीव कुमार मिश्रा, निर्दलीय प्रत्याशी अजीत सिंह, बहुजन मुक्ति पार्टी के प्रत्याशी नफीस अहमद, भागीदारी पार्टी (पी) के प्रत्याशी सुनील कुमार एवं 52-इलाहाबाद हेतु निर्दलीय प्रत्याशी कमलेश केसरवानी, निर्दलीय प्रत्याशी सरोज पटेल, पीपल्स पार्टी आफ इण्डिया (डेमोकेटिक) के प्रत्याशी हेमराज सिंह, भागीदारी पार्टी (पी) के प्रत्याशी राजेन्द्र प्रसाद प्रजापति एवं अपना दल (कमेरावादी) पार्टी के प्रत्याशी हंसराज के द्वारा नाम निर्देशन किया गया।

रेलवे महिला कल्याण समिति प्रयागराज मंडल ने 71 रेल कर्मियों को किया सम्मानित

प्रयागराज। अंतर्राष्ट्रीय श्रमिक दिवस के उपलक्ष्य में प्रयागराज मण्डल की रेलवे महिला कल्याण समिति की उपाध्यक्षा श्रीमती तरुणा प्रकाश ने मण्डल कार्यालय के ऑडिटोरियम में 20 वर्ष या अधिक वर्षो से कार्यरत ईमानदार लेवल -1 के 71 समर्पित और परिश्रमी रेलवे कर्मचारियों को उत्कृष्ट कार्य के लिए व्यक्तिगत उपहार से सम्मानित गया। इस कार्यक्रम की मुख्य अतिथि उत्तर मध्य रेलवे के महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती शिखा गोयल थी।

उत्कृष्ट कार्य करने वाले रेल कर्मियों को समिति ने दिया उपहार एवं सम्मान पत्र

उत्तर मध्य रेलवे के महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा श्रीमती शिखा गोयल ने कहा किसी भी संगठन की सफलता संगठन के समर्पित कर्मचारियों पर निर्भर करती है। इस अवसर पर प्रयागराज मण्डल की रेलवे महिला कल्याण समिति की सचिव श्रीमती चेतना इंग्ले, उत्तर मध्य रेलवे के महिला कल्याण संगठन की सचिव श्रीमती रिचा वर्मा के साथ-साथ संगठन की अन्य सदस्यायें भी उपस्थित रहीं।

बसपा ने इलाहाबाद संसदीय से रमेश सिंह पटेल को बनाया प्रत्याशी

प्रयागराज। संगम नगरी प्रयागराज में लम्बी प्रतीक्षा और राजनैतिक गलियारों में असमंजस की स्थिति के बीच बहुजन समाज पार्टी ने इलाहाबाद लोकसभा संसदीय क्षेत्र से गुरुवार की शाम अपना प्रत्याशी घोषित कर दिया है। बारा तहसील के जसरा कस्बा अन्तर्गत चितौरी गांव निवासी रमेश सिंह पटेल को बसपा ने प्रत्याशी घोषित किया है।

बसपा सुप्रीमो मायावती द्वारा रमेश सिंह पटेल के नाम का समर्थन होने के बाद उनके नाम की घोषणा होते ही बसपाइयों का जमावड़ा उनके घर पर देर रात तक होता रहा। लोग उन्हें बधायी देते रहे। हालांकि रमेश पटेल ने अपना जनसम्पर्क संसदीय क्षेत्र में कई दिन पहले से ही शुरू कर दिया था। पार्टी से आश्वासन मिलने के बाद वह इलाहाबाद लोकसभा संसदीय सीट पर पार्टी प्रत्याशी के रूप में अपने समर्थकों संग प्रचार प्रसार करने लगे थे। इंद्रपाल सिंह पटेल व अनारकली के बेटे रमेश सिंह पटेल कुर्मी बिरादरी के हैं। शैक्षिक योग्याता हाईस्कूल है। लम्बे अरसे से राजनीति में सक्रिय रमेश का यह पहला लोकसभाई चुनाव है। पार्टी की ओर से प्रत्याशी घोषित होने के बाद इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र में लड़ाई त्रिकोणीय होने के आसार है। क्योंकि यहां ठाकुर और ब्राह्मण मतदाताओं के अलावा अनुसूचित जाति, जनजाति, मुश्लिम बिरादरी के मतदाता अधिकतम हैं।

गैंगस्टर मामले सजा के खिलाफ अफजाल अंसारी की अपील की सुनवाई 13 मई को

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने गाजीपुर के सांसद अफजाल अंसारी की गैंगस्टर एक्ट के तहत विशेष अदालत गाजीपुर से मिली चार साल की कैद व एक लाख जुमार्ने के खिलाफ दाखिल अपील की सुनवाई की अगली तारीख 13 मई नियत की है। अफजाल अंसारी के अधिवक्ता की राज्य सरकार की अपील दाखिले में 28 दिन की देरी पर कोई आपत्ति न करने के कारण कोर्ट ने दाखिले में देरी माफ कर दी है। मृत विधायक कृष्णानंद राय के पुत्र की तरफ से सजा बढ़ाने की मांग में दाखिल आपराधिक पुनरीक्षण याचिका को भी अपीलों के साथ सुनवाई हेतु पेश करने का कोर्ट ने आदेश दिया है। अंसारी को मिली सजा बढ़ाने के लिए राज्य सरकार ने अपील दाखिल की है। अंसारी ने स्वयं को निर्दोष बताते हुए सजा को रद करने की मांग में अपील दाखिल की है। अपीलों की सुनवाई न्यायमूर्ति संजय कुमार सिंह कर रहे हैं।

याची की तरफ से वरिष्ठ अधिवक्ता जी एस चतुवेर्दी व उपेंद्र उपाध्याय व

सरकार की अपील दाखिले में देरी माफ शिकायतकर्ता की पुनरीक्षण अर्जी के साथ तीनों मामलों की एक साथ होगी सुनवाई

राज्य सरकार के अपर महाधिवक्ता पी सी श्रीवास्तव व जे के उपाध्याय ने पक्ष रखा।

मालूम हो कि भाजपा विधायक कृष्णानंद राय हत्या केस को लेकर गाजीपुर के मोहम्मदाबाद थाने में याची के खिलाफ गैंगस्टर एक्ट का केस दर्ज किया गया। जिसमें गाजीपुर की विशेष अदालत ने दोशी करार देते हुए अंसारी को सजा सुनाई है। जिसके खिलाफ अपील दाखिल की गई है। हाईकोर्ट ने जमानत मंजूर कर ली थी किन्तु सजा पर रोक नहीं लगाई। जिसके कारण संसद सदस्यता समाप्त कर दी गई थी। बाद में सुप्रीम कोर्ट ने सजा पर रोक लगाते हुए अपील शीघ्र सुने जाने का आदेश दिया। राज्य सरकार ने भी सजा को बढ़ाने की मांग में अपील दाखिल की है।

पूर्व सैनिक कल्याण समिति की बैठक कल

प्रयागराज। वीर सेनानी पूर्व सैनिक कल्याण समिति प्रयागराज के तत्वावधान में नवागत पूर्व सैनिक मिलन व मासिक बैठक सत्संग भवन,लाल बहादुर शास्त्री तपोवन पार्क पोनप्पा रोड न्यू कैंट प्रयागराज में 05 मई रविवार को प्रात: 11:00 बजे से 2.00 बजे तक होगी जिसकी अध्यक्षता ईश्वर चंद तिवारी, संचालन श्याम सुन्दर सिंह पटेल, संयोजन जी यादव महामंत्री, एस एन मिश्रा आदि करेंगे।

चाय पर चर्चा के माध्यम से सोशल वर्करो को साधेगी भाजपा

प्रयागराज। भारतीय जनता पार्टी लोकसभा चुनाव में भाजपा की प्रचंड जीत के लिए हर बिंदुओं पर ध्यान दे रही है जिला प्रवक्ता राजेश केसरवानी ने बताया कि सामाजिक क्षेत्र में सोशल वर्करो की बहुत बड़ी भूमिका होती है और सोशल वर्करो को साधने की तैयारी को लेकर भाजपा एनजीओ प्रकोष्ठ ने मंडल स्तर पर 10 सदस्यीय सोशल वर्कर वॉलिंटियर टीम बनाई हुई है।यह टीम चाय पर चर्चा के माध्यम से सामाजिक क्षेत्र के कार्य में लगे सोशल वर्कर को साधने का काम करेंगे और इसके अलावा लोकसभा स्तर पर प्रयागराज के दोनों लोकसभा के प्रत्याशियों के समर्थन में सामाजिक संस्था एवं सोशल वर्करो का सम्मान समारोह आयोजित करने की तैयारी कर रखी है

डॉ० देवेश रंजन त्रिपाठी विद्या परिषद मे नामित

प्रयागराज। प्रदेश के एक मात्र दूरस्थ शिक्षा विश्वविधालय, उ० प्र० राजर्षि टण्डन के प्रबन्धन संकाय में कार्यरत: एसोसिएट प्रोफेसर; डॉ० देवेश रंजन त्रिपाठी को राष्ट्रपति के अनुमोदनोपरान्त डॉ० हरि सिंह गौर केन्द्रीय विश्वविधालय सागर की कुलपति प्रो० नीलिमा गुप्ता ने विश्वविधालय के दूरस्थ शिक्षा संस्थान (कछए) के सुव्यवस्थित संचालन हेतु गठित विघा परिषद, का सदस्य 3 वर्षो हेतु नामित किया है। डॉ० त्रिपाठी लगभग 20 वर्षो से दूरस्थ शिक्षा के क्षेत्र में कार्यरत है। आपके 47 शोधपत्र राष्ट्रीय तथा अन्तराष्ट्रीय शोध पत्रों में प्रकाशित है, आपने 56 राष्ट्रीय तथा अन्तराष्ट्रीय संगोष्ठियो एवं सेमिनार में सहभागिता की है। आपने विभिन्न शीर्षको पर 5 पुस्तको की रचना की है. दूरस्थ शिक्षा में अध्ययनरत वाणिज्य तथा प्रबन्ध के छात्रों हेतु आपने 50 से अधिक विषयो पर पाठ्य लिखे हैं, जिसे विश्वविधालय द्वारा प्रकाशित किया गया हैं। आपके निंदेशन मे कई विधार्थी महत्वपूर्ण विषयो पर शोधरत है।

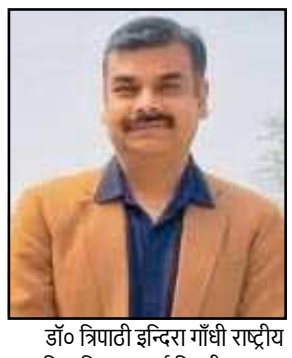

डॉ० त्रिपाठी इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविधालय नई दिल्ली कानपुर विश्वविद्यालय ; आगरा विश्वविघालय, सागर विश्वविघालय एवं राजर्षि टण्डन मुक्त विश्वविघालय की विभिन्न नियामक समतियो के सदस्य भी है।

डॉ० त्रिपाठी प्रयागराज के प्रख्यात शिक्षा विद् एवं कर्नलगंज इन्टर कॉलेज के पूर्व प्रधानाचार्य स्व० कौशल किशोर त्रिपाठी के पुत्र है।

आरए.एफ के जवानों ने मतदाता जागरूकता रैली निकाली

प्रयागराज। 101 आर.ए.एफ के तत्वावधान में लोकसभा चुनाव 2024 के तहत गोद लिए गए ग्राम पंचायत थरवई एवं आस-पास के ग्राम पंचायत जगदीशपुर पुरेचन्दा सोराँव प्रयागराज में मनोज कुमार गौतम, कमाण्डेंट-101 के दिशा-निर्देशन में मतदाता जागरूकता अभियान एवं मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई।

गौरतलब है, कि लोकसभा चुनाव 2024 हेतु अधिक से अधिक मतदान के लिए निर्वाचन आयोग द्वारा कई अभियान जारी किए जा रहे हैं। इसी कम में 101 आर.ए.एफ के द्वारा चुनावी प्रक्रिया को अधिक समावेशी, सूचनात्मक और सहभागी बनाने के लिए मतदाता शिक्षा कार्यक्रमो और पहलों को आगे बढ़ाने एंव ग्रामीणों के बीच मतदान के महत्व को जन-जन तक पहुंचाने के उद्देश्य से ग्राम पंचायत थरवई, जगदीशपुर पुरेचन्दा एवं ताजुद्दीनपुर के आस-पास के क्षेत्र में मतदाता जागरूकता रैली निकाली गई।

इस अवसर पर वाहिनी के कमाण्डेंट मनोज कुमार गौतम ने अपने सम्बोधन में कहा कि मतदान एक महत्वपूर्ण नागरिक कर्तव्य है जो देश के भविष्य पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल सकता है। यह लोकतंत्र के लिए रूपरेखा तैयार करता है। अत: आप सभी शत प्रतिशत मतदान कर एक सशक्त राष्ट्र निर्माण में भागीदार बने। उक्त अवसर पर टी एन सिंह (उप कमाण्डेन्ट), रामचन्द्र राम (सहा० कमाण्डेन्ट) अधीनस्थ अधिकारीगण जवान एंव राजेश कुमार भारतीय, थरवई ग्राम प्रधान, योगेश कुमार, जगदीशपुर पुरेचन्दा ग्राम प्रधान, विजय कुमार यादव ताजुद्दीनपुर ग्राम प्रधान, अभय सिंह प्रबर्धक बी.एस कान्वेंट स्कूल, सौरभ तिवारी प्रधानाचार्य प्राथमिक विद्यालय थरवई एंव समस्त ग्रामवासी व आंगनबाडी महिलाएं उपस्थित रही।

जन-जन का विश्वास बीजेपी के साथ-महापौर

प्रयागराज। भाजपा कार्यालय सिविल लाइन में शहर पश्चिमी एवं शहर उत्तरी विधानसभा के भाजपा पार्षद गणों की बैठक आयोजित की गई इस अवसर पर महापौर गणेश केसरवानी ने उपस्थित पार्षदों से कहा कि सभी पार्षद वार्डों में टोली बनाकर भारतीय जनता पार्टी के लोकसभा प्रत्याशियों के समर्थन में जनसंपर्क करें और ज्यादा से ज्यादा मतदान कराने के लिए और पार्टी के सभी कार्यक्रमों को सफल बनाने के लिए कार्य करें और आगे कहा कि देश की जनता का विश्वास भारतीय जनता पार्टी और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व के साथ है और अबकी बार 400 पार के साथ तीसरी बार मोदी सरकार बनाने की तैयारी कर ली है। इस अवसर फूलपुर लोकसभा के प्रत्याशी प्रवीण पटेल महानगर अध्यक्ष राजेंद्र मिश्रा ,अनुज सिंह परिहार संजय गुप्ता , गौरव नगर निगम उपाध्यक्ष श्रीमती सुनीता दरबारी ,राजन शुक्ला राजेश केसरवानी ,आनंद वैश्य सुदर्शन, संजय श्रीवास्तव, एवं पार्षद गण उपस्थित रहे

पांच बच्चों की गर्भवती मां से दुष्कर्म के आरोपी की उम्र कैद की सजा सात साल की कैद में तब्दील

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने शाहजहांपुर के मदनपुर थाना क्षेत्र में 21 मई 2000 को घर में घुसकर कर पांच बच्चों की मां के साथ दुष्कर्म व धारा 452 के आरोप को सही करार दिया है किन्तु दुष्कर्म के अपराध के लिए उम्र कैद की सजा घटाकर 7 साल की कैद में तब्दील कर दी है। हाईकोर्ट ने कहा सत्र अदालत ने अधिकतम सजा सुनाई है।जो उचित नहीं है।

कोर्ट ने बाहरी व अंदरुनी कोई चोट न होने के कारण अभियुक्त को मारपीट व एस सी एस टी एक्ट के तहत सुनाई गई सजा रद कर दी है। यह आदेश न्यायमूर्ति अश्वनी कुमार मिश्र तथा न्यायमूर्ति एम ए एच इदरीसी की खंडपीठ ने श्याम वीर की सजा के खिलाफ आपराधिक अपील को आंशिक रूप से स्वीकार करते हुए दिया है। अपील पर अधिवक्ता ऋतेश सिंह ने बहस की। पीड़िता की 23 मई 2000 को दर्ज एफआईआर में आरोप लगाया गया कि पति बाहर काम से गये थे , पांचों बच्चे छत पर खेल रहे थे। पीड़िता खाना बना रही थी,कि शाम 8 बजे आरोपी घर में घुसकर मार-पीट व दुष्कर्म किया। पीड़िता को 20हफ्ते का

एस सी एस टी एक्ट व मार-पीट के आरोप में मिली सजा रद्द

गर्भ था। शोर मचाने पर बेटा उदयवीर आया तो आरोपी भाग गया। आरोपी का कहना था कि मेडिकल रिपोर्ट में बाहरी या अंदरुनी कोई चोट नहीं पाई गई। रिपोर्ट में 8 हफ्ते 6 दिन का गर्भ पाया गया। मेडिकल रिपोर्ट अभियोजन का समर्थन नहीं करती। दुष्कर्म का आरोप बेबुनियाद है। कोर्ट ने कहा मेडिकल 40 घंटे बाद किया गया। इसलिए विश्वसनीय नहीं माना जा सकता। पीड़िता के बयान में तारतम्यता व एकरुपता है।वह जाति की खटिक है जो अनुसूचित जाति में आती है। कोर्ट ने दुष्कर्म के आरोप में उम्र कैद की सजा को सही नहीं माना कहा यह अधिकतम सजा है। धारा 376 मे सात साल की कैद से उम्र कैद की सजा का प्रावधान है।कोर्ट ने सत्र अदालत की सजा को संशोधित करते हुए सात साल की कैद व पचास हजार रुपए के जुमार्ने की सजा सुनाई है ।

शहर उत्तरी विधानसभा के बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन आज

प्रयागराज। भाजपा मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी ने जानकारी दी कि भारतीय जनता पार्टी फूलपुर लोकसभा कि शहर उत्तरी विधानसभा की बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन 4 मई को शाम 4:00 बजे फूलपुर लोकसभा केंद्रीय कार्यालय जॉर्ज टाउन क्लब के प्रांगण में आयोजित किया जाएगा जिसकी मुख्य अतिथि उत्तर प्रदेश की राज्य मंत्री रजनी तिवारी होगी।

अनियंत्रित पिकप ने किशोर को रौंदा, मौत

मऊ आइमा प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के चकमूदन गांव के पास तेज रफतार से आ रहीं पिकप ने एक किशोर को रौंद दिया। जिससे मौके

पर ही उसकी मौत हो गई। जबकि उसका साथी बुरी तरह जख्मी हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेजा है। धमौर निवासी मो शफीक का बेटा मो शकील उम्र 13 वर्ष शुक्रवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे गांव के ही अपने दोस्त मो अयान 14 वर्ष पुत्र रफीक के साथ दोनइया तिराहे पर अपनी बाइक के पास खड़ा था। तभी करनाईपुर की तरफ से आ रहे तेज रफ्तार पिकप गाड़ी ने टक्कर मार दी। टक्कर लगने से शकील सड़क पर गिर गया और पिकप गाड़ी उसको रौंदते हुए निकल गई। जब कि टक्कर लगने से अयान बुरी तरह जख्मी हो गया। घटना के बाद चालक पिकप को छोड़ कर भाग गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को अपने कब्जे लिया और पिकप गाड़ी को थाने ले आई ।

सौतन ले आने पर मायके वालों से पति को पिटवाया

मऊ आइमा प्रयागराज। बहरिया थाना क्षेत्र के कनेहटी में एक युवक को पत्नी के रहते दूसरी पत्नी ले आना काफी महंगा पड़ गया। पहली पत्नी ने अपने मायकों वालों को बुलवा कर पतिदेव को जम कर पिटवाया। दूसरी पत्नी ने पति के जान को खतरा बताते हुए बहरिया थाने में शिकायत पत्र दिया है। कनेहटी निवासी सुरेश बिंद बलिया जनपद में रह कर मजदूरी करता है। वहीं पर उसने रीना देवी से कोर्ट में शादी कर ली। जब रीना को ले कर वह घर आया तो पहली पत्नी गुलाब कली झगड़ा करने लगी। आरोप है कि रीना के बलिया जाने पर गुलाब कली ने अपने मायकों वालों को बुलवा कर सुरेश को जम कर पिटवाया। जानकारी होने पर रीना बलिया से वापस आई और गुलाब कली के पिता जोधे लाल और भाई रवि कुमार के खिलाफ बहरिया थाने में तहरीर दी है। पुलिस मामले की छानबीन कर रही है।

गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों के फर्जीवाड़ा से बच्चों का भविष्य अंधकार में

मऊ आइमा प्रयागराज। शासन के सख्त रवैए के बाद भी बहरिया विकास खंड में बीस से अधिक गैर मान्यता प्राप्त विद्यालय संचालित किए जा रहे है। जिन स्कूलों के पास मान्यता नहीं वे बच्चों का दाखिला तो करा लेते हैं। लेकिन रिजल्ट दूसरे स्कूलों के नाम का जारी करते हैं। चौकाने वाली वाली बात यह है कि इन अमान्य स्कूलों द्वारा किए जा रहे फजीर्वाड़े की जानकारी शिक्षा विभाग के अधिकारियों को भी है। लेकिन उन पर कोई कार्रवाई नहीं की जाती है। जिला बेसिक शिक्षा अधिकारी प्रवीण कुमार तिवारी ने विभागीय सूचना के आधार पर बहरिया के 20 अमान्य विद्यालयों को नोटिस जारी कर बंद करने का निर्देश दिया है। विद्यालय

बहरिया विकास खंड में पचास से अधिक अमान्य विद्यालय संचालित

संचालित होने पर एक लाख का अर्थदंड का वसूल करने का भी आदेश दिया है। धन राशि जमा न करने पर अर्थ दंड की वसूली भू राज्स्व के अनुसार की जाए। इसके बाद भी स्थानीय अधिकारियों की दूषित नीतियों के कारण आदेश का अनुपालन नहीं हो रहा है। अमान्य विद्यालय नहीं जारी कर सकते यूनिक आईडी वर्तमान समय में अध्यनरत छात्र छात्राओं का यू-डायस पोर्टल के माध्यम से परमानेंट एजुकेशन नंबर जारी किया जा रहा है। जिन विद्यालयों को मान्यता नहीं मिली है। वे यूनिक नंबर जारी नहीं कर सकते। सभी छात्र छात्राओं का विवरण यू-डायस प्लस और प्रेरणा पोर्टल पर अपलोड किया जाता है। गैर मान्यता प्राप्त स्कूल यूनिक नंबर जारी नहीं कर सकते और न तो छात्र छात्राओं का विवरण डाटा अपलोड कर सकते हैं। जिससे आगे चल कर छात्र छात्राओं का भविष्य खतरे में हो सकता है।

आधा दर्जन अमान्य विद्यालय सील

बहरिया प्रयागराज खंड शिक्षा अधिकारी बहरिया धर्मेंद्र कुमार मौर्या ने शुक्रवार को छापामारी करके आधा दर्जन गैर मान्यता प्राप्त विद्यालयों के संचालकों पर कार्रवाई करते हुए विद्यालयों को सील कर दिया। जिसमें कुसुम देवी प्राथमिक विद्यालय फालिजाबाद उर्फ कालूपुर, एलडी पब्लिक स्कूल चवरे अभईपुर, हंसवाहनी पब्लिक स्कूल गौहानी, राम प्रताप सिंह प्राथमिक विद्यालय अतनपुर, एक्सीलेंट पब्लिक स्कूल अतनपुर और केडी पब्लिक स्कूल रामगढ़ कोठारी के बच्चों को बाहर निकलवा कर स्कूल को सील कर दिया गया। सभी बच्चों के अभिभावकों को नजदीकी परिषदीय विद्यालयों अथवा मान्यता प्राप्त स्कूलों में दाखिला लेने के लिए सुझाव दिया गया। कार्रवाई से गैर मान्यता प्राप्त संचालकों में खलबली मच गई है।

प्रयागराज में विकास की गंगा बहाने का काम करूंगा-नीरज

प्रयागराज। भाजपा इलाहाबाद लोकसभा के प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने कोंराव विधानसभा के ग्राम टोंगा और पौशला एवं खीरी बाजार में आयोजित जनसंपर्क एवं जनसंवाद कार्यक्रम में उपस्थित कार्यकर्ता एवं जनता जनार्दन से कहा कि मैं आपके बीच अपर महाधिवक्ता का पद का त्यागपत्र देकर सेवा करने के इरादे से आया हूं और अपने पिता पूर्व राज्यपाल स्वर्गीय पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी की तरह स्वच्छ एवं ईमानदारी से जनता की सेवा एवं काम करूंगा और प्रयागराज में विकास की गंगा बहाने का काम करूंगा और कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की सरकार स्वच्छ एवं ईमानदारी की प्रतीक है जिस पर जनता का अटूट विश्वास है और जनता ने इस बार उन्हें 400 पार के साथ प्रचंड बहुमत वाली सरकार का आशीर्वाद दे रखा है और इस प्रचंड विजय महभियान में इलाहाबाद की सीट भी आपका आशीर्वाद से जीत का इतिहास रचेगी।

मीडिया प्रभारी राजेश केसरवानी के अनुसार भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने कार्यकताओं के साथ पौशला, खीरी, बहरैचा ,कैथवल, लेडियारी, रेत्योरा, टीकर, सेमरी, जीरोहा क्षेत्र में जनसंपर्क संपर्क किया गया इस अवसर पर कोरांव चेयरमैन ओमप्रकाश केसरवानी, पुष्पराज सिंह, राजेश केसरवानी, दिलीप चतुवेर्दी, सविता मिश्रा, अनुराग शुक्ला, भूषण दत्त शुक्ला, ओम बाबू केसरवानी, अनुराग पांडे ,शशि द्विवेदी, शंकर लाल केसरी, राकेश जी, अजीत प्रताप, तारकेश्वर पाल, आदि सैकड़ो कार्यकर्ता शामिल रहे।

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरा हाईस्कूल वर्ष 2022 अनु0 1221402642 का अंकपत्र व सहप्रमाण पत्र वास्तव में कही खो गया है।

उमा देवी पुत्री राजकरण, नि0 अमवाँ वक्टा खुर्द थाना राजापुर, तहसील राजपुर, चित्रकूट

उमरे मुख्यालय में हुई भारत स्काउट्स एण्ड गाइड्स की 19वीं राज्य कार्यकारिणी की बैठक

राज्य मुख्य आयुक्त का स्कार्फ बनाकर पदाधिकारियों ने किया स्वागत

प्रयागराज। उत्तर मध्य रेलवे भारत स्काउट्स एवं गाइड्स की 19वीं राज्य कार्यकारणी समिति की बैठक उत्तर मध्य रेलवे मुख्यालय में वरिष्ठ उप महाप्रबंधक एवं राज्य मुख्य आयुक्त वी. के गर्ग की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। ज्ञात हो कि, इस बैठक का आयोजन वर्ष में एक बार किया जाता है। इसमें सभी जिले एजेण्डे के अनुरूप वार्ता कर अपनी बातों को पटल पर रखते हैं और सर्व सम्मति से बैठक के अध्यक्ष द्वारा अनुमति मिलने के उपरान्त सभी जिले उसका अनुपालन करते हैं।

संस्था के राज्य मुख्य आयुक्त एवं वरिष्ठ उप महाप्रबंधक वी. के गर्ग एवं सभी उपस्थित पदाधिकारियों का स्वागत स्कार्फ पहनाकर किया गया। बैठक का आरम्भ, उपस्थित सभी सदस्यों द्वारा स्काउट प्रार्थना के साथ किया गया। तदोपरान्त आगरा, प्रयागराज एवं झांसी जिले द्वारा कमश: वार्षिक रिपोर्ट स्लाइड के माध्यम से प्रस्तुत की गयी। बैठक में उपाध्यक्ष एवं मुख्य कार्मिक अधिकारी/प्रशासन मुदित चंद्रा, राज्य सचिव एवं उप मुख्य कार्मिक अधिकारी (मु.) मुकेश कुमार कुलश्रेष्ठ, राज्य कोषाध्यक्ष एवं उप वित सलाहकार एवं मुख्य लेखाधिकारी (मु.) शैलेन्द्र कुमार सिंह, एवं प्रयागराज, आगरा व झांसी के जिला मुख्य आयुक्त एवं अपर मण्डल रेल प्रबंधक और जिले तथा राज्य मुख्यालय प्रयागराज के समस्त पदाधिकारियों ने सहभागिता में भाग लिया। संचालन राज्य संगठन आयुक्त रवि कान्त शर्मा के द्वारा किया गया और संतोष बाजपेयी, सहायक राज्य सचिव एवं सहायक उप महाप्रबंधक ने बैठक में उपस्थित सभी पदाधिकारियों आदि सभी का धन्यवाद ज्ञापन किया। अन्त में राष्ट्रीय गान के साथ बैठक का समापन किया गया।

बीकानेर हाबड़ा ट्रेन से गिरा यात्री, रेसुब ने ट्रेन रोककर निकाला यात्री को

प्रयागराज। गाड़ी संख्या 22308 बीकानेर–हावड़ा सुपरफास्ट एक्सप्रेस से राजेश जैन कोच नंबर 5 में अपने परिजनों के साथ आगरा से हावड़ा के लिए यात्रा कर रहे थे। राजेश जैन मिजार्पुर स्टेशन पर खानपान का सामान लेने के लिए गाड़ी से उतरे थे, गाड़ी के चलने पर चढ़ने के दौरान ट्रेन एवं प्लेटफार्म के बीच में गिर गए। यात्री के गिरने की जानकारी होने पर ड्यूटी पर तैनात ट्रेन मैनेजर मिट्ठू साह ने तत्काल गाड़ी को रोका।

रेलवे सुरक्षा बल के उप निरीक्षक, मनोज कुमार पांडे, विजय शंकर पांडे एवं कांस्टेबल प्रदीप कुमार पाल प्रथम द्वारा जानकारी मिलते ही तुरंत राजेश जैन को अटेण्ड किया गया। मौके पर उपस्थित जीआरपी स्टाफ के साथ मिलकर उन्हें बाहर निकल गया। राजेश जैन के हाथ एवं पर में कुछ चोट लगी थी लेकिन वह पूरी तरह से होशो हवास में थे। राजेश जैन को परिजन के साथ उतरकर अस्पताल में उपचार हेतु चलने को कहा गया तो उन्होंने कहा वह अपनी यात्रा पूरी करने के बाद अपना इलाज कराएंगे। श्री राजेश जैन को उनके भाई गिरजेश के सुपुर्द कर दिया गया।

ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों को यात्री सुविधा के लिए चलायेगा रेल प्रशासन

प्रयागराज। रेल प्रशासन द्वारा यात्रियों की सुविधा हेतु ग्रीष्मकाल विशेष गाड़ियो का संचालन करने का निर्णय लिया गया है

संशोधित गाड़ी सं 09335/09336 इंदौर–हावड़ा–इंदौर सुपर फास्ट विशेष गाड़ी 09335 इंदौर से शुक्रवार 3 मई 09336 हावड़ा से रविवार 5 मई को चलेगी। इस गाड़ी में 24 डिब्बे होंगे।

गाड़ी सं. 04022/04021 नई दिल्ली–भागलपुर–नई दिल्ली विशेष गाड़ी 04022 नई दिल्ली से 6 से 30 मई 8 फेरे में 04021 भागलपुर से 7 से 31 मई 8 फेरे में चलेगी इस गाड़ी में 20 डिब्बे होंगे। 04228/04227 वाराणसी–लोकमान्यतिलक–बनारस विशेष गाड़ी 04228 बनारस से 4 से 25 मई 4 फेरे में 04227 लोक मान्य तिलक ट से 6 से 27 मई 4 फेरे में चलेगी इस गाड़ी में 22 डिब्बे होंगे। गाड़ी सं. 04411 पटना–नई दिल्ली अनारक्षित विशेष 04411 पटना से 4 मई 01 फेरा में चलेगी। वहीं दूसरी ओर रेल प्रशासन ने ग्रीष्मकालीन विशेष गाड़ियों के संचालन अवधि में भी विस्तार किया है। जिसमें गाड़ी संख्या 03639/03640 गया –आनंद विहार ट. गया सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष 03639 गया से 4 एवं 6 मई 02 में 03640 आनंद विहार ट. 5 एवं 7 मई 2 फेरे में चलेगी। गाड़ी सं. 03653/03654 गया–आनंद विहार ट.– गया सुपरफास्ट एक्सप्रेस विशेष 03653 गया से 5 एवं 7 मई को 2 फेरे में 03654 आनंद विहार ट से 6 एवं 8 मई को 2 फेरे में चलेगी। गाड़ी सं.04022/04021 नई दिल्ली–भागलपुर–नई दिल्ली विशेष गाड़ी रेल प्रशासन चलाएगा।

प्रयागराज जंक्शन के प्लेटफार्म नं. 7, 8 पर हो रहे संरचनात्मक कार्यों के चलते ट्रेनों का मार्ग परिवर्तन

प्रयागराज। रेल प्रशासन ने प्रयागराज स्टेशन पर प्लेटफॉर्म 7व 8 पर विभिन्न आधारभूत संरचना कार्यों के दृष्टिगत निम्न गाड़ियों का मार्ग परिवर्तनकरने का निर्णय लिया गया है। 05193 छपरा–पनवेल साप्ताहिक 05194पनवेल–छपरा 08795 गोंदिया–छपरा साप्ताहिक 08796 छपरा–गोंदिया़ साप्ताहिक 01102 गोरखपुर–दादर साप्ताहिक परिवर्तित मार्ग से 6 जून से 10 जून तक चलेगी।

मिलावट खोरों के खिलाफ चला अभियान खाद्य सुरक्षा का दर्जनों प्रतिष्ठानों पर छापा

प्रयागराज। खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन उत्तर प्रदेश लखनऊ के निर्देश के अनुक्रम में खाद्य पदार्थ मसालों के लिए निर्धारित मानदण्डों के अनुपालन की जांच

मसाला विक्रेताओं व निर्माताओं के यहां डाले छापे, नमूना किया सील

हेतु मसाला निर्माताओं एवं विक्रेताओं के यहां दो दिवसीय विशेष प्रवर्तन अभियान चलाने के निर्देश के अनुक्रम में सहायक आयुक्त खाद्य श्रीमती ममता चौधरी के निर्देशन में खाद्य सुरक्षा एवं औषधि प्रशासन की टीमों ने शहरी एवं ग्रामीण क्षेत्रों में मसालों का निर्माण करने वालों एवं उनके थोक विक्रेताओं के यहां छापेमारी की कार्रवाई करते हुए एक दर्जन कारखानों से नमूने सील कर उसे जांच के लिए खाद्य प्रयोगशाला में भेजा।

सहायक आयुक्त खाद्य द्वितीय श्रीमती ममता चौधरी ने बताया कि हरी सन्स (इंडिया) प्रोडक्ट प्राली नैनी के यहां मीट मसाला, लाल मिर्च पाउडर, सब्जी मसाला, धनिया पाउडर, हल्दी पाउडर के नमूने सील किये। वहीं बालेश्वर प्रसाद विजय कुमार मुट्ठीगंज के यहां लाल मिर्च पाउडर, दमआलू मसाला तथा सौम्या मसाले राजापुर कैन्ट के यहां हल्दी पिसी व समोसा मसाला तथा महादेव प्रसाद अरविन्द कुमार से दमआलू मसाला मूल पैक के कुल 12 नमूने संग्रहित कर जांच हेतु खाद्य प्रयोगशाला

ऊँचाराय गंगा प्रसाद सतिचौरा के यहां से सब्जी मसाला, गरम मसाला व एस हरी प्रोडक्ट सुन्दरम काम्पलेक्स बहादुरगंज भेजा है। नमूनों के रिपोर्ट प्राप्त होने के बाद मिलावट खोर खाद्य कारोबारकर्ता के विरुद्ध विधिक कार्रवाई की जायेगी।

शुआट्स वैज्ञानिकों की सलाह, 7–8 मई को हल्की वर्षा के आसार

प्रयागराज। सैम हिग्गिनबॉटम कृषि, प्रौद्योगिकी एवं विज्ञान विश्वविद्यालय (शुआट्स) में चल रहे ग्रामीण कृषि मौसम सेवान्तर्गत भारत सरकार से प्राप्त पूवार्नुमान के अनुसार वैज्ञानिकों ने 7–8 मई को हल्की वर्षा के आसार जताते हुए कृषकों को सलाह दी है कि बाजरा, ग्रीष्मकालीन मूँगफली, सूरजमुखी, चारा फसलों एवं लीची के बागों में पर्याप्त नमी बनाये रखने के लिए आवश्यकतानुसार सिंचाई करें। मूंग की फसल में काले सिरवाली सफेद रंग के इल्लियों का आक्रमण देखने को मिल रहा है। इसके शरीर के प्रत्येक खण्ड पर काले रंग के धब्बे देखे जा सकते है। यह इल्लियां छोटे पौधों पर अधिक आक्रमण कर रही है। इनसे फसल सुरक्षा के लिये नीम के तेल का 5 प्रतिशत का घोल बनाकर फसल पर एक सप्ताह के अंतराल पर 2 बार छिड़काव करें या इमामेक्टिन बेजोएट 5 प्रतिशत एस.जी. की 1 ग्राम मात्रा को दो लीटर पानी में मिलाकर 12 से 15 दिनों के अंतराल पर 2 बार शाम के समय छिड़काव करें। पेड़ी प्रबंधन हेतु रेटून मैनेजमेंट डिवाइस द्वारा ढूठों की छटाई के बाद सिंचाई कर दें। तत्पश्चात पर्याप्त नमी की दशा में उर्वरकों का प्रयोग करें। गन्ने के जिस खेत में लालसड़न रोग का प्रकोप हो, उसमें कम से कम एक वर्ष तक गन्ने की फसल न करें। हल्दी एवं अदरक की बुवाई हेतु खेत की तैयारी एवं कंद की व्यवस्था करें। आम फसल में लगने वाला कैटरपिलर (कटर कीट) के नियंत्रण हेतु स्पाइनेटोरेम 1 मिली. प्रति 3 लीटर पानी के साथ घोलकर या क्लोरोसाइपर (क्लोरोपाइरीफॉस 50 प्रतिशत साइपरमेथिन 5 प्रतिशत) 2 मिली. प्रति लीटर पानी में घोलकर प्रथम छिड़काव करें तथा आवश्यकतानुसार 10 से 15 दिन बाद दूसरा छिड़काव करें।

प्रमाण पत्रों के सत्यापन राशि न मिलने के कारण लेखपालों ने आख्या रिपोर्ट लगाना किया बंद

प्रयागराज। उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ प्रयागराज के अपने बैठक में लिए गए निर्णय के अनुसार आज से आय, जाति, निवास की आख्या रिपोर्ट लगाना आठो तहसील में पूर्ण रूप से रोक दिया गया है। जिसके कारण प्रयागराज की आठो

लेखपालों का आय,जाति,निवास प्रमाण पत्र का बहिष्कार जारी, छात्र परेशान

तहसीलों में लगभग 5000 आवेदन लेखपालों की आख्या रिपोर्ट न लगने के कारण डंप पड़ गयें है।

उत्तर प्रदेश लेखपाल संघ प्रयागराज के जिला अध्यक्ष राजकुमार सागर ने बताया कि लेखपालों को स्टेशनरी खर्च हेतु प्रति प्रमाण पत्र 5 देने का शासनादेश है। परंतु 1 जनवरी 2022 से यह देय लंबित है। जिला प्रशासन बार–बार केवल भुगतान का आश्वासन ही दे रहा है। जिला अध्यक्ष राजकुमार सागर व मंत्री अवनीश पांडे ने संयुक्त बयान जारी करते हुए बताया

कि, इस समय रोजगार भर्ती व छात्रों के प्रवेश को लेकर आय –जाति– निवास के लगातार आवेदन आ रहे हैं। परंतु मुख्य कोषाधिकारी स्तर पर पत्रावली लंबित है। जिसके कारण विवश होकर आख्या रिपोर्ट न लगाने के लिए लेखपाल सँवर्ग बाध्य है। यह बहिष्कार आय –जाति –निवास के बकाया भुगतान न होने तक जारी रहेगा। बैठक में राजकुमार सागर(जिला अध्यक्ष)अवनीश पांडे (जिला मंत्री) राकेश यादव योगेंद्र सिंह (तहसील अध्यक्ष) यतेंद्र त्रिपाठी (तहसील मंत्री) सहित अन्य पदाधिकारी उपस्थित रहे।

भाजपा सरकार के कानून के राज्य में अपराधी योगी के बुलडोजर से है भयभीत–त्रिपाठी

इलाहाबाद संसदीय के भाजपा प्रत्याशी ने यमुनापार के विभिन्न गांवों में किया सघन जनसम्पर्क

प्रयागराज। इलाहाबाद संसदीय क्षेत्र से भाजपा प्रत्याशी के आज कोरांव विधानसभा के लेड़ीयारी मण्डल ने प्रवेश करने पर कौन्दी पुल पर फूल माला और नारों से भव्य स्वागत किया गया इसके पश्चात गरगट .छापर .बिहारी बस्ती .पौशला बाजार .खीरी बाजार .गोबरा .बहरैचा .कैथवल . लेडीयारी बाजार .देवरी .रत्यौरा बाजार .टीकर .सेमरी .बिरौहा एवं मड़ौका आदि क्षेत्रों में सघन जनसंपर्क और अनेक सभाओं को संबोधित करते हुए कहा कि भाजपा सरकार में कानून का राज है अपराधी योगी जी के बुलडोजर से भयभीत है .ग्रामीण आँचल में बीस घंटे से ऊपर बिजली मिल रही है खाद पानी राशन की समस्या से निजात है जिसके कारण किसानों को काफी राहत है अभी कुछ स्थानों पर पानी की समस्या का पता चला है जिससे चुनाव के बाद युद्ध स्तर पर निजात दिलाया जाएगा .गांव खेत खलिहान को समस्या से मुक्ति: दिलायी

जाएंगी .स्वास्थ्य शिक्षा आवास का बेहतरीन इंतजाम हुआ है .आज शायद ही कोई ऐसा घर हो जिसे किसी ना किसी रूप में सरकारी योजनाओं का लाभ ना मिला हो .केन्द्र और प्रदेश की भाजपा सरकारों ने बिना किसी भेदभाव के जनहित को सर्वोपरि रखा।

प्रत्याशी की पत्नी कविता यादव त्रिपाठी ने आज बारा विधानसभा के जसरा मण्डल के गौहनिया घूरपुर और नारीबारी आदि क्षेत्रों में जनसंपर्क संग एनडीए समर्थक दलों अपना दल निषाद पार्टी के प्रमुखों संग बैठक करते हुए कहा कि आज महिला सशक्तीकरण के लिये कार्य किया गये है .महिला आरक्षण .ट्रिपिल तलाक जैसे ऐतिहासिक कार्य हुए जिसमें शौचालय .आयुष्मान .उज्वला .श्रम कार्ड .बीपीएल कार्ड जैसे अनेक महत्वपूर्ण उपलब्धियां है .आज बहन बेटियों की सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम के साथ गांव में सड़कों और नहरों का जाल फैला है .एंबुलेंस से लेकर पुलिस की व्यवस्था चक चौबंद है इसी कारण जनता ने पुन:भाजपा सरकार बनाने का मन बना लिया है और आगे आप लोगों के आशीर्वाद से जो भी काम अभी अधूरे है उसे पूरी ईमानदारी से किया जाएगा। इस अवसर पर प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी के 10 वर्षों के कार्यकाल व उपलब्धियों पर विस्तार से चर्चा की। इलाहाबाद की जनता ने माना की देश व इलाहाबाद को सशक्त, समृद्ध और विकसित राष्ट्र बनाने के लिए एक बार फिर से मोदी सरकार का केंद्र में आना जरूरी है। प्रधानमंत्री के नेतृत्व में भाजपा सरकार ने हर व्यक्ति के जीवन को सुगम बनाया है। इसी के कारण सभी लोग खुलकर मोदी जी का समर्थन कर रहे हैं।

भाजपा छोड़कर पीडीएम की फूलपुर प्रत्याशी बनीं महिमा पटेल

प्रयागराज। बीजेपी में हुई बगावत , बीजेपी नेता महिमा पटेल ने थामा अपनादल कमेरावादी का हाथ बनीं फूलपुर से प्रत्याशी . महिमा पटेल की मां ब्रिजेस पटेल बीजेपी से लोकसभा टिकट मांग रही थीं . बेटी महिमा पटेल लगातार बीजेपी के लिए काम कर रही थीं , सोरांव विधानसभा के मालक चतुरी की रहने वाली महिमा कितना भाजपा का वोट काट पाएंगी देखने वाली बात होगी।

महिमा पटेल को टिकट देकर प्रवीण पटेल के लिए चुनौती पैदा कर दिया है । अब सपा और बीजेपी से नाराज पटेल समाज को अपना नेता मिल गया है । महिमा पटेल इतने कम समय मे कितना क्षेत्र कवर कर पाएंगी यह समय बताएगा । आप को बता दें महिमा पटेल को पी डी एम उम्मीदवारी से बीजेपी को चिंतित होना लाजमी है ।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण को झटका

प्रयागराज। इलाहाबाद हाईकोर्ट ने बढ़े मुआवजा राशि पर ब्याज देने के जिलाधिकारी के आदेश के खिलाफ गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की याचिका खारिज कर दी है।

कोर्ट ने जिलाधिकारी के मुआवजे की रकम पर ब्याज देने के आदेश को बरकार रखा है। कोर्ट ने कहा है कि कलेक्टर के पास भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 28–ए के तहत बढ़ी हुई मुआवजे की राशि पर ब्याज तय करने की पूरी शक्ति है। न्यायमूर्ति मनोज कुमार गुप्ता तथा न्यायमूर्ति क्षितिज शैलेंद्र की खंडपीठ ने गाजियाबाद विकास प्राधिकरण की याचिका पर यह आदेश दिया है।

कोर्ट ने कहा पहले ही तय है कि मुआवजे की राशि पर बेदखली की तारीख से ब्याज दिया जाएगा तो फिर मुआवजे की बढ़ी हुई राशि पर ब्याज से वंचित नहीं किया जा सकता है। कोर्ट ने कहा कि धारा 28–ए की उपधारा (2) में प्रावधान है कि धारा 28–ए की उपधारा (1) के तहत आवेदन प्रस्तुत किए जाने के बाद कलेक्टर जांच कर सकता है। और उसके बाद आवेदकों को देय मुआवजे की राशि निर्धारित करते हुए ब्याज की रकम भी अवार्ड कर सकता है। कोर्ट ने कहा कि भूमि अधिग्रहण अधिनियम की धारा 28–ए की उप–धारा (3) के तहत, कोई भी व्यक्ति जिसने उप–धारा (2) के तहत मुआवजा स्वीकार नहीं किया है, वह कलेक्टर से अनुरोध कर सकता है कि मामले को अदालत में निर्धारण के लिए भेजा जाए और धारा 18 के प्रावधानों के अनुसार 28 को ऐसे संदर्भ के लिए लागू किया गया है।

गाजियाबाद विकास प्राधिकरण ने एक विकास योजना के लिए भूमि अधिगगृहीत किया। मुआवजे की रकम 3 .47 रुपए प्रति वर्ग गज की दर तय की गई। कुछ ने आपत्ति जताई और न्यायालय का सहारा लिया। न्यायालय ने अपने आदेश में 90 रुपए प्रति वर्ग गज की दर से मुआवजे की रकम तय की और उसी के अनुसार ब्याज भी निर्धारित किया। किसानों ने कलेक्टर के समक्ष अपनी भूमि के लिए भी कोर्ट द्वारा तय की गई दर से मुआवजे की रकम की मांग की।

23 की शाम से 25 मई को मतदान की समाप्ति तक बंद रहेगी मदिरा की दुकानें

प्रयागराज। लोकसभा सामान्य निर्वाचन 2024 में लोक शांति बनाये रखने स्वतंत्र निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण मतदान कराये जाने के उद्देश्य से जिलाधिकारी नवनीत सिंह चहल ने प्रयागराज में मतदान के दिन 25 मई शनिवार को मतदान समाप्ति से 48 घंटे पूर्व यानी 23 मई को सायं 6 बजे से 25 मई को सायं 6 बजे तक मतदान समाप्त होने तथा मतगणना वाले दिन 4 जून को आबकारी की समस्त थोक फूटकर दुकानें तथा देशी शराब, विदेशी मदिरा, बियर मॉडल शॉप, भांग व बार सहित अन्य सभी आबकारी अनुज्ञापन की बंदी एवं मादक वस्तुओं के उपभोग को प्रतिबंधित किया है।

ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों का संचालन

भारतीय रेल द्वारा अपने सम्मानित रेल यात्रियों की सुविधा को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन विशेष रेलगाड़ियों के संचालन किये जाने का निर्णय लिया गया है, जिसका विवरण निम्नवत् हैं :-

गाड़ी सं. 04022/04021 नई दिल्ली-भागलपुर-नई दिल्ली आरक्षित ग्रीष्मकालीन विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

04022 नई दिल्ली-भागलपुर			04021 भागलपुर-नई दिल्ली	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	13:20	नई दिल्ली	21:15	---
21:00	21:05	कानपुर सेंट्रल	04:25	04:30
00:05	00:10	प्रयागराज जं.	01:20	01:25
11:30	--	भागलपुर	--	13:30

• नई दिल्ली से : गाड़ी सं. 04022, सोमवार व गुरूवार दिनांक 06.05.2024 से 30.05.2024 • भागलपुर से : गाड़ी सं. 04021, मंगलवार व शुक्रवार दिनांक 07.05.2024 से 31.05.2024
• गाड़ी संरचना: वातानुकूलित चेयर कार-18, गार्ड रूम-02

गाड़ी सं. 04228/04227 वाराणसी-लोकमान्य तिलक (ट.)-वाराणसी आरक्षित ग्रीष्मकालीन विशेष एक्सप्रेस रेलगाड़ी

04228 वाराणसी-लोकमान्य तिलक (ट.)			04227 लोकमान्य तिलक (ट.)-वाराणसी	
आगमन	प्रस्थान	स्टेशन	आगमन	प्रस्थान
---	22:20	वाराणसी	23:20	---
08:30	08:35	कानपुर सेंट्रल	15:15	15:20
10:50	10:52	उरई	12:35	12:37
13:00	13:10	वीरांगना लक्ष्मीबाई झाँसी	10:40	10:50
10:30	--	लोकमान्य तिलक (ट.)	--	13:00

• वाराणसी से : गाड़ी सं. 04228, शनिवार दिनांक 04.05.2024 से 25.05.2024 • लोकमान्य तिलक (ट.) से : गाड़ी सं. 04227, सोमवार दिनांक 06.05.2024 से 27.05.2024
• गाड़ी संरचना: वातानुकूलित द्वितीय श्रेणी-01, वातानुकूलित तृतीय श्रेणी-02, स्लीपर श्रेणी-08, सामान्य श्रेणी-09 एवं एसएलआर-02

नोट: ट्रेनों की समय-सारणी से सम्बन्धित जानकारी हेतु हेल्पलाइन 139 या Rail madad Mobile App या वेबसाइट railmadad.indianrailways.gov.in का प्रयोग करें।

उत्तर मध्य रेलवे 792/24(P)

CPRONCR North central railways @northcentralrailway www.ncr.indianrailways.gov.in

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल ने डीआरएम से मिलकर रेल सेवाओं में सुधार की मांग की

प्रयागराज। भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के एक प्रतिनिधि मंडल ने आज महानगर अध्यक्ष श्री योगेश गोयल की अध्यक्षता में मंडल रेल प्रबंधक प्रयागराज से मुलाकात करी। इस बैठक में कई महत्वपूर्ण विषयों पर चर्चा हुई। गोयल ने कहा की प्रयागराज से अहमदाबाद के बीच अभी मात्र एक साप्ताहिक ट्रेन चल रही है जबकि यहां से काफी संख्या में

प्रयागराज जंक्शन पर 24 महत्वपूर्ण ट्रेनों का ठहराव कराने की मांग

कारोबारी एवं विद्यार्थी अहमदाबाद जाते हैं अत: इस ट्रेन का संचालन सप्ताह में काम से कम तीन बार होना चाहिए। साथ ही उन्होंने कहा की प्रयागराज जंक्शन पर 24 महत्वपूर्ण ट्रेनों का स्टॉपेज नहीं है और साथ ही अगले वर्ष यहां महाकुंभ मेला लगने जा रहा है अत: इन ट्रेनों का भी यहां पर स्टॉपेज होना चाहिए।

संगठन ने प्रयागराज से गोरखपुर के लिए चल रही वंदे भारत ट्रेन की समय सारणी में बदलाव हेतु भी निवेदन किया। श्री गोयल ने कहा कि यह ट्रेन दोपहर 3:15 की जगह यदि सुबह प्रयागराज से प्रस्थान करें तो लखनऊ अयोध्या एवं गोरखपुर जाने वाले यात्रियों को बहुत सुविधा होगी। प्रयागराज से मुंबई जाने वाली दुरंतो

एक्सप्रेस को भी 2 दिन की जगह सातों दिन चलाई जाने पर चर्चा हुई। साथ ही प्रयागराज से बेंगलुरु के लिए पुणे होकर जाने वाली सीधी ट्रेन चालू करने के विषय पर भी चर्चा हुआ। संगठन ने कहा कि अभी जो ट्रेन बेंगलुरु जाती हैं उनमें से कोई भी ट्रेन प्रयागराज से शुरू नहीं होती है अपितु सब पीछे के स्टेशनों से आती हैं जिसकी वजह से प्रयागराज के मुसाफिरों को रिजर्वेशन की बात उपलब्धता नहीं हो पाती है। बैठक के दौरान संगठन के वरिष्ठ महामंत्री श्री नवीन अग्रवाल ने अब प्रयागराज संगम से चल रही गंगा गोमती एक्सप्रेस का संचालन पहले की तरह पुन: प्रयागराज जंक्शन से चालू करने का निवेदन भी किया जिससे प्रयागराज संगम स्टेशन दूर होने की वजह से यात्रियों को हो रही असुविधा का निवारण हो सके। बैठक में संगठन के वरिष्ठ महामंत्री नवीन अग्रवाल, टीटू गुप्ता, अभिषेक केशरवानी, संकेत अग्रवाल, अभिषेक सुल्तानिया, पीयूष पांडे, संदीप करवरिया, नवीन पांडे (मेजर), विकास वैश्य, नवीन शेखर सिंह, रजनीश राजपूत आदि उपस्थित रहे

डीएसए ग्राउंड में डे–नाइट इंटर स्कूल फुटबाल टूनार्मेंट का शुभारंभ

प्रयागराज। शुक्रवार को शाम 7 बजे डीएसए ग्राउंड, प्रयागराज में डे–नाइट इंटर स्कूल फुटबाल टूनार्मेंट का शुभारंभ हुआ। इस अवसर पर मण्डल रेल प्रबन्धक/प्रयागराज, हिमांशु बडोनी एवं कार्यक्रम के मुख्य अतीति प्रयागराज आयुक्त, विजय विश्वास पंत उपस्थित थे। 3 मई से 11 मई तक चलने वाले इस टूनार्मेंट में कुल 8 टीमें भाग ले रही हैं इस टूनार्मेंट का शुभारंभ मैच बिशप जानशन स्कूल और केंद्रीय विध्यालय के बीच खेला गया और 3 मई को ही दूसरा मैच आर्मी पब्लिक स्कूल और बीएलएस पब्लिक स्कूल के बीच खेला जाएगा। इस टूनार्मेंट में बिशप जानशन स्कूल, आर्मी पब्लिक स्कूल, सेंट जोसेफ कालेज, एआर कानवेंट स्कूल, बीएलएस पब्लिक स्कूल, आर्मी मेमोरियल स्कूल, केवीएस न्यू कैंट और डीएसए अकादमी भाग ले रही हैं। शुभारम्भ मैच बिशप जानशन स्कूल और केंद्रीय विध्यालय के बीच ड्रा हो गया। इस मैच में दोनों टीमों का स्कोर 0–0 और पॉइंट 1– 1 पॉइन्ट रहे। इस मैच में मैन ऑफ द मैच केंद्रीय विध्यालय के आयुष रहे।

साउथ ईस्ट यू.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

सूचना

(विद्युत अधिनियम, 2003 की धारा 18(2) के अंतर्गत)

ट्रांसमिशन लाइन का विवरण (वर्ष 2013 के ट्रांसमिशन लाइसेंस सं. 1 के अनुसार)	प्रस्तावित संशोधन
400kV D/C [illegible]	[illegible] 400kV D/C [illegible] LILO [illegible]

https://ldservices.tatapower.com/our-business/tranmission.aspx

वास्ते साउथ ईस्ट यू.पी. पावर ट्रांसमिशन कंपनी लिमिटेड

(मुख्य कार्यकारी अधिकारी)

शिक्षा राज्य मंत्री की अध्यक्षता में हुआ भाजपा बूथ अध्यक्ष सम्मेलन

सोरांव प्रयागराज भारतीय जनता पार्टी के बूथ अध्यक्षों का सम्मेलन शुक्रवार को भाजपा कार्यालय ददौली नहर के लकड़ मंडी चौराहा के मधुर मिलन गेस्ट हाउस में शिक्षा राज्य मंत्री रजनी त्रिपाठी की अध्यक्षता में आयोजित किया गया इस मौके पर फूलपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी प्रवीण पटेल विधानसभा फाफामऊ विधायक गुरु प्रसाद मौर्य विधान परिषद सदस्य सुरेंद्र चौधरी जिलाध्यक्ष गंगा पार कविता पटेल सोरांव मंडल अध्यक्ष कुलदीप सोनी सहित सैकड़ो बूथ अध्यक्ष पदाधिकारी व कार्यकर्ता उपस्थित रहे जानकारी के अनुसार आगामी मिशन 2024 के लोकसभा चुनाव को लेकर भारतीय जनता पार्टी ने दिनांक 3 मई 2024 को चुनावी कार्यालय ददौली नहर के लकड़ मंडी चौराहा के मधुर मिलन गेस्ट हाउस में पांचों विधानसभा के बूथ अध्यक्षो के साथ बैठक की गई बता दें कि बैठक का अभिप्राय रहा कि फूलपुर संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी की जीत सुनिश्चित कराना उल्लेखनीय है की बैठक के दौरान शिक्षा राज्य मंत्री ने अपने संबोधन में कहा कि बूथ अध्यक्ष संगठन की सबसे महत्वपूर्ण कड़ी है उन्हीं के दमखम पर आज भाजपा विश्व का राजनीतिक दल में शुमार है जिसे लेकर बूथ अध्यक्ष सबसे बड़ी ताकत है सूत्रों की माने तो सम्मेलन में बीजेपी प्रचार स्टारकों है जिससे पार्टी की जीत कराने में बूथ अध्यक्ष की अहम भूमिका होगी जहां में सारे बूथ अध्यक्षों को पार्टी प्रत्याशी द्वारा अंगौछा भेंटकर सम्मानित किया

द्वारा कहा गया कि हर कार्यकर्ता अपने बूथ पर सक्रियता से जुटें और घर-घर पहुंचकर हर समुदाय के लोगों से संपर्क करें और सरकार की नीतियां बताएं इसी क्रम में मंडल अध्यक्ष कुलदीप सोनी ने अपने संबोधन में बूथ अध्यक्ष को लेकर कहा कि मतदान केंद्र की सबसे अहम जिम्मेदारी व जानकारी बूथ अध्यक्ष की सम्मेलन के दौरान चुनावी रणनीति को लेकर तमाम तरह की बारीकियां पर चर्चा की गई और कहा गया की पार्टी की नीति का अभिप्राय है कि सबका साथ सबका विकास सबका विश्वास गौरतलब है कि पूरे विधानसभा के पांचों मंडल में 416 बूथ है जिसके सापेक्ष सोरांव मंडल में 96 भूत है जहां सम्मेलन गया और कहा गया कि मिशन 2024 में इस बार 400 पार करना है जिसके लिए सारे बूथ अध्यक्षों को जुट जाना है सम्मेलन में मंडल उपाध्यक्ष एडवोकेट अखिलेश भारतीया एडवोकेट संजीव द्विवेदी महामंत्री राजकुमार गुप्ता सहित सैकड़ो पदाधिकारी कार्यकर्ता उपस्थित रहे

पंखे के सहारे फांसी लगाकर युवक ने कर ली आत्महत्या

गोपीगंज(भदोही)। स्थानीय थाना क्षेत्र के धानीपुर गांव में गुरुवार की देर रात एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। इस घटना से परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी होने पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। जिसकी सूचना लोगों द्वारा पुलिस को दी गई। मौके पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

उक्त गांव निवासी करिया बिंद के 32 वर्षीय पुत्र अरविंद बिंद देर रात खाना खाकर अपने कमरे में सोने के लिए चलें गए। रात को किसी समय अरविंद पंखे के सहारे साड़ी के फाल का फंदा बनाकर उसके सहारे झूल गए। जिसके चलते उनकी मौत हो गई। अरविंद को फांसी के फंदे पर लटकता देख परिवार में कोहराम मच गया। जानकारी होने के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। जिसकी सूचना ग्रामीणों द्वारा पुलिस को दी गई। सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची पुलिस ने मौका मुआयना किया। शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक अरविंद अपने तीन भाइयों में दूसरे नंबर के थें और उनको तीन पुत्र हैं। वें मजदूरों कर अपने परिवार का भरण-पोषण करते थे।

गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद कराने हेतु खंड शिक्षाधिकारी ने चलाया अभियान , दी हिदायत

कोरांव प्रयागराज । शिक्षा के नाम पर अभिभावकों की जेब कतरने हेतु कोरांव में देखा जा रहा है कि तमाम लोगों द्वारा बिना मान्यता के ही स्कूल चलाया जा रहा है। कुछ ने तो एक बार मान्यता ले ली तो फिर उसको दुबारा नवीनीकरण नहीं कराया गया और जिम्मेदारों द्वारा पूछे जाने पर स्कूल संचालकों द्वारा कहा जाता रहा कि हमारे स्कूल की मान्यता है। पदार्फाश तो तब हुआ जब खंड शिक्षा अधिकारी कोरांव मोहम्मद रिजवान खान के नेतृत्व में गठित टीम द्वारा स्कूलों का स्थलीय जायजा लिया गया। शुक्रवार को बीईओ कोरांव के नेतृत्व में एआरपी शिक्षक संकुलों की टीम द्वारा गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद कराने का अभियान चलाया गया तो हकीकत सामने आई और तमाम अविधिक ढंग से चल रहे स्कूलों को बंद करने का निर्देश दिया गया। कोरांव के सभी न्याय पंचायतों में गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद कराने हेतु संचालित अभियान से स्कूल संचालकों में अफरातफरी मची रही। खंड शिक्षाधिकारी कोरांव द्वारा जहां सिकरो न्याय पंचायत सहित अन्य में गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों को बंद कराने अभियान चलाया गया वहीं न्याय पंचायत बड़ोखर में प्रभाकर

सिंह एआरपी और नोडल शिक्षक संकुल सतीश कुमार , खजुरी में नोडल शिक्षक संकुल शौकत अली सहित राम कृष्ण मिश्र व कृष्ण शंकर पाण्डेय द्वारा गैर मान्यता प्राप्त स्कूल संचालकों से संपर्क कर बंद करने का निर्देश दिया गया। इतना ही नहीं इस दौरान सुझाव दिया गया कि गैर मान्यता प्राप्त स्कूलों में नामांकित बच्चों का दाखिला नजदीकी परिषदीय विद्यालयों में करा दिया जाए। साथ ही गैर मान्यता प्राप्त स्कूल संचालकों को सख्त हिदायत दी गई कि यदि अनुचित रूप से विद्यालय चलाया जाएगा तो विभागीय निदेर्शानुसार शासन के मंशानुरूप रिपोर्ट उच्च अधिकारियों को प्रेषित कर दी जाएगी जिसकी संपूर्ण जिम्मेदारी संबंधित की होगी।

भदोही पुलिस का चेकिंग अभियान जारी

भदोही। लोकसभा निर्वाचन के मद्देनजर जनपदीय पुलिस के साथ-साथ अलग-अलग टीमों का चेकिंग अभियान अनवरत जारी है। नामांकन प्रक्रिया के दौरान सुरक्षा एवं यातायात व्यवस्था के लिए व्यापक बंदोबस्त किए गए हैं। स्थानीय पुलिस व एसएसटी/एफएसटी टीमों द्वारा लगातार भ्रमण किया जा रहा है।

एसपी डा. मीनाक्षी कात्यायन ने बताया कि अपर पुलिस अधीक्षक के पर्यवेक्षण में समस्त थाना व चैकी प्रभारियों द्वारा पर्याप्त पुलिस बल के साथ थाना क्षेत्रीय बाजारों, मुख्य मार्गों, चैराहों व गली आदि में भ्रमण कर चेकिंग अभियान चलाया जा रहा है।जनपद के समस्त थाना क्षेत्रों में मुख्य मार्गों व जनपद के एंट्री प्वाइंट पर बैरियर लगाकर व पिकेट प्वाइंट बनाकर पर्याप्त पुलिस बल के साथ संदिग्ध व्यक्ति, वस्तु व वाहनों की सघन चेकिंग की जा रही है।

नगर में छुट्टा पशुओं का आतंक, पत्रकार को किया घायल

भदोही। नगर में छुट्टा पशुओं का आतंक आज भी कायम है। लेकिन इसके बावजूद भी नगर पालिका परिषद के काऊ कैचर द्वारा ऐसे छुट्टा पशुओं की धर-पकड़ नहीं किया जा रहा। जबकि इन पशुओं के लिए सरकार द्वारा गौ आश्रय की स्थापना की गई है। परिषद द्वारा खुद गौ आश्रय का संचालन किया जा रहा है।

देखा जाए तो कुछ वर्ष पूर्व नगर में

नगर पालिका परिषद के काऊ कैचर द्वारा नहीं पकड़ा जा रहा छुट्टा पशुओं को

छुट्टा पशुओं का आतंक इस कदर था कि आएं दिन लोग उसके हमले से घायल हो जाया करते थे। जिसमें से कुछ लोगों की मौत तक हो गई थी। लेकिन योगी आदित्यनाथ की सरकार द्वारा कई जगहों पर गौ आश्रय बनवाएं गए। वहीं नगर में ऐसे छुट्टा पशुओं को पकड़कर गौशाला में छोड़ने की जिम्मेदारी नगर पालिका परिषद को दी गई। परिषद द्वारा अपने कुछ कर्मचारियों को काऊ कैचर के रुप में लगाया गया। शासन के निर्देश पर कुछ समय के लिए तो अच्छा काम किया गया। जिससे जहां नगर में छुट्टा पशुओं की संख्या कम होने के साथ ही साथ दुर्घटनाओं में कमी आ गई थी। लेकिन बितते समय के साथ काऊ कैचर भी लापरवाह हो गए। नतीजा छुट्टा पशुओं की संख्या बढ़ने लगी। अब स्थिति यह है कि नगर के विभिन्न सड़कों से लेकर गली-मोहल्लों तक में ऐसे छुट्टा पशुओं के झुंड को देखा जा सकता है। जो बीच सड़क पर तथा गली-मोहल्लों में एक-दूसरे से जोर-आजमाइश करते हुए भी देखें जा सकते हैं। कहीं न कहीं लोग इनके शिकार हो रहे हैं। एक हिंदी दैनिक समाचार पत्र के पत्रकार औबैदुल्ला असरी को अपने बंधवा मर्यादपट्टी मोहल्ले में स्थित घर से बाइक से जलालपुर होते हुए स्टेशन रोड पर आ रहे थे। जलालपुर मोहल्ले में लगभग 10 की संख्या में छुट्टा पशु आपस में भीड़ गए। जब तक औबैदुल्ला कुछ समझ पाते। तब तक सांड ने गाड़ी सहित उनको उठाकर फेंक दिया। जिससे उनके शरीर में कई जगह चोटें आई। लेकिन सीने में गंभीर चोटें आने के कारण हड्डी क्रेक हो गया।

मतदाताओं का आशीर्वाद मिला तो प्रयागराज के हर क्षेत्र का होगा सर्वांगीण विकास – नीरज त्रिपाठी

कोरांव प्रयागराज । लोकसभा चुनाव जैसे जैसे नजदीक आ रहा है प्रत्याशी मतदाताओं के बीच पहुंच अपनी पूरी ताकत झोंक रहे हैं और मतदाताओं को लुभाने में जुटे हुए देखे जा रहे हैं। भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने शुक्रवार को कोरांव के पथरताल स्थित हनुमान मंदिर लेडियारी मंडल के विभिन्न स्थानों पर जनसंपर्क कर पार्टी कार्यकताओं व जनता से अपने लिए समर्थन मांगा। इस दौरान पौशला खीरी बहरैचा कैथवल लेडियारी मंडी तिराहा मार्केट रत्योरा टीकर सेमरी जिरौहा में जनसंपर्क के दौरान लोगों को संबोधित करते हुए भाजपा प्रत्याशी नीरज त्रिपाठी ने कहा कि कार्यकताओं के हित व उनके मान सम्मान से कोई समझौता नहीं होगा। मेरा पूरा जीवन मेरे पिता पंडित केशरी नाथ त्रिपाठी के आदर्शो पर चलकर जनसेवा

के लिए समर्पित है। मोदी जी के विकसित भारत के संकल्प को पूरा करने के लिए केन्द्र में तीसरी बार भाजपा सरकार जरूरी है। प्रयागराज के हर क्षेत्र का सर्वांगीण विकास होगा। लेडियारी क्षेत्र के किसानों व्यापारियों मजदूरों की समस्याओं का निराकरण होगा। साथ में रहे नगर पंचायत अध्यक्ष ओम प्रकाश केशरी व वरिष्ठ भाजपा नेता रामेश्वर द्विवेदी ने आए हुए लोगों व कार्यकताओं को संबोधित कर उनका उत्साहवर्धन किया। इस दौरान उनके साथ जिला पंचायत सदस्य पिंटू चौबे , विधानसभा संयोजक राकेश पांडेय , सुमित पांडेय प्रकाश द्विवेदी शशीदेव शंकर दयाल तिवारी जेपी यादव घनश्याम सोनी सहित पार्टी के सभी मंडल पदाधिकारी व कार्यकर्ता मौजूद रहे।

भीषण गर्मी की तपिश नहीं झेल पा रहे स्कूलों में नौनिहाल , हो रहे बेहोश

कोरांव प्रयागराज । भीषण गर्मी व विलविलाती धूप में भी स्कूलों के संचालन समय में कोई बदलाव शासन द्वारा नहीं किया जा रहा है

जिससे स्कूलों में पढ़ने वाले नौनिहालों की दशा बेहोशी में तब्दील हो रही है। शिक्षक संगठनों के अलावा शिक्षक विधायक द्वारा भी पत्र लिखकर स्कूलों के संचालन समय में परिवर्तन की मांग किया गया जिस पर शासन द्वारा कोई अमल नहीं किया गया। स्थिति यह बन गई कि अब बच्चे स्कूलों में बेहोश हो जा रहे हैं। शुक्रवार को कोरांव के कंपोजिट स्कूल खीरी में पढ़ने वाली

कक्षा 4 की छात्रा शांति भयावह गर्मी को बर्दाश्त नहीं कर पायी और बेहोश होकर गिर गई। घटना से शिक्षकों सहित बच्चों में अफरातफरी मच गई। आनन फानन में बच्ची को डेस्क बेंच पर लिटाया गया और पानी का छींटा मारकर होश में लाया गया। बच्ची के बेहोश होने से शिक्षकों में मायूसी छा गई और उन्हें अप्रिय घटना की चिंता सताने लगी। फिलहाल शिक्षक ही नहीं अभिभावकों में भी अपने पाल्यों को लेकर चिंता बनी हुई है जो इस भीषण गर्मी और लू में अपने बच्चों को स्कूल नहीं भेजना चाह रहे हैं। किन्तु करें भी तो क्या करें एक ओर शिक्षक विभागीय उच्च अधिकारियों के आदेश अनुपालन में लगातार अभिभावकों से संपर्क कर बच्चों को स्कूल नियमित भेजने का दबाव बना रहे हैं तो दूसरी ओर मौसम के भयावह रूप को देखकर अप्रिय घटना की चिंता सता रही है। इलाकाई संभ्रांतजनों ने शासन प्रशासन का ध्यान आकृष्ट कराते हुए बालहित में स्कूल संचालन के समय में परिवर्तन किए जाने की मांग किया है।

पांचवे दिन पांच प्रत्याशियों ने पेश की दावेदारी

भदोही। लोकसभा चुनाव के लिए चल रहे नामांकन के पांचवें दिन कुल पांच लोगों ने पर्चा दाखिल किया। आज हुए नामांकन के साथ कुल नामांकन करने वालों की संख्या सात हो गई है। इसके साथ ही दो नामांकन फार्म भी बिके हैं। अब तक 37 नामांकन फार्म खरीदे जा चुके हैं।

शुक्रवार को सनातन संस्कृति रक्षा दल से पंकज कुमार द्विवेदी, परिवर्तन समाज पार्टी से नीतू श्रीवास्तव, प्रगतिशील मानव समाज पार्टी से प्रेमचंद बिंद, राष्ट्र उदय पार्टी से कृष्ण देव पाल और निर्दल प्रत्याशी के रूपमें विकास मिश्र नामांकन पत्र दाखिल किया। नामांकन पत्र दाखिल करने के दौरान डीईओ विशाल सिंह के साथ सहायक रिटर्निंग आफीसर भान सिंह भी मौजूद रहे।

इसी क्रम में रामसिंह ने हरिशंकर सिंह के लिए (बहुजन समाज पार्टी से) दो सेट और लालजी बिंद ने उर्मिला देवी के लिए (जय सवेरी मिशन पार्टी) एक सेट में नामांकन पत्र लिया। बाताते चलें कि प्रथम दिन 18, द्वितीय दिन 10, तृतीय दिन दो, चतुर्थ दिन पांच और पांचवें दिन दो नामांकन पत्रों की बिक्री के साथ कुल 37 नामांकन पत्र खरीदे जा चुके हैं।नामांकन के लिए कलेक्ट्रेट परिसर के आसपास सुरक्षा व्यवस्था के कड़े बंदोबस्त किए गए हैं। बैरीकेडिंग के साथ मेटल डिटेक्टर लगाए गए हैं। गहन छानबीन केपश्चात ही लोगों को प्रवेश दिया जा रहा है। कलेक्ट्रेट कार्यालय के पास वेटिंग रूम व मेडिकल हेल्प डेस्क स्थापित किया गया है। पर्चा लेने व नामांकन दाखिल करने की अंतिम तिथि छह मई है। चूंकि पांच मई को अवकाश है, इसलिए अब नामांकन पत्र खरीदने और पर्चा दाखिला के लिए सिर्फ दो दिन का समय बचा है। नामांकन पत्रों की जांच सात मई को की जाएगी। जबकि नौ मई को प्रत्याशी अपना अभ्यर्थन वापस ले सकते हैं।

- कुल सात हुई नामांकन दाखिल करने वालों की संख्या, दो फार्म भी बिके
- विभिन्न दलों व निर्दलीय चुनाव लड़ने के इच्छुक 37 लोगों ने खरीदा नामांकन पत्र
- पंकज कुमार द्विवेदी सनातन संस्कृति रक्षा दल पार्टी, कृष्ण देव पाल राष्ट्र उदय पार्टी एवं नीतू श्रीवास्तव ने परिवर्तन समाज पार्टी से नामांकन दाखिल किया
- राजनीतिक दलों व निर्दल प्रत्याशियों/प्रतिनिधियों द्वारा लिये गये अब तक कुल लिए गए 37 नामांकन फार्म, दाखिल हुए अब तक 07
- शान्तिपूर्ण व सुरक्षित वातावरण में संचालित हो रहा है, नामांकन कार्य

नामांकन दाखिल करने जाते पंकज कुमार द्विवेदी

नामांकन दाखिल करने जाते विकास मिश्र

ट्रेन से कटकर युवक ने दी जान, दो टुकड़ों में मिला शव

चौरी(भदोही)। परसीपुर रेलवे स्टेशन के पश्चिमी आउटर के पास, डाउन लाइन पर शुक्रवार को सुबह एक युवक की ट्रेन से कटकर मौत हो गई। शव दो टुकड़ों में बंट गया था। प्राथमिक दृष्टया यह मामला आत्महत्या का प्रतीत हो रहा है। सूचना पर चैरी पुलिस के साथ जीआरपी भदोही की

मालगाड़ी के पायलट ने परसीपुर स्टेशन अधीक्षक को दी जानकारी जीआरपी भदोही ने शव को भेजा पीएम हाउस, वीडियो बरामद

टीम मौके पर पहुंची और शव की पहचान कराते हुए पीएम के लिए भेजा।

जानकारी के भदोही की तरफ से सुबह के लगभग 6 बजे वाराणसी की ओर जा रही मालगाड़ी के लोको पायलट की नजर रेलवे ट्रैक पर पड़े एक शव पर पड़ी तो इसकी सूचना उनके द्वारा परसीपुर रेलवे स्टेशन के अधीक्षक को दी गई। रेलवे अधीक्षक ने इसकी सूचना चैरी पुलिस चैकी के साथ ही जीआरपी चैकी भदोही को दी।

सूचना मिलते ही चैरी चैकी इंचार्ज महेंद्र कुमार व जीआरपी चैकी प्रभारी भदोही मय हमराहियों संग मौके पर पहुंच गए। जहां पर शव की शिनाख्त आकाश यादव (18) पुत्र राजेश यादव उर्फ महंगी के रूप में हुई। आकाश यादव रोटहा (वेदमनपुर) का निवासी था।घटना की सूचना जैसे ही मृतक के परिजनों को हुई, घर में कोहराम मच गया। रोते-बिलखते परिजन मौके पर पहुंच गए। मृतक का घर घटनास्थल से महज आधा किमी के फासले पर है। आकाश के पिता राजेश यादव व मां सुगना देवी का रो-रोकर बुरा हाल है। मृतक के परिजनों की मानें तो आकाश रात्रि के समय खाना खाकर अपने कमरे में सोने के लिए चला गया। न जाने रात में वह कब और कैसे रेलवे स्टेशन के पास पहुंचा, किसी को इस बात की जानकारी नहीं है।

घटना रेलवे स्टेशन के नजदीक का होने के कारण जीआरपी ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक चार भाई व चार बहनों में तीसरे नंबर का था। मृतक के पिता गांव में ही स्थित एक कालीन कंपनी में मजदूरी करते हैं। घर की माली हालत कुछ ठीक नहीं है।

सुसाइड से पहले आकाश ने बनाया वीडियो

आत्महत्या करने से पहले आकाश कुमार ने अर्धरात्रि के 1.28 बजे कई छोटा-छोटा वीडियो बनाया। जिसमें युवक को यह कहते सुना गया कि मम्मी-पापा और मेरे भाई-बहन आप लोगों से मैं यह कहना चाहता हूं कि घर पर कोई झगड़ा नहीं होने दीजिएगा। मैं अपने बड़े भाई से कहना चाहता हूं कि मम्मी-पापा का अच्छे से ख्याल रखना। जब मेरे मम्मी-पापा ने पालकर इतना बड़ा कर दिया तो आज मैं उनको धोखा देने जा रहा हूं। मुझे ऐसा नहीं करना चाहिए था, लेकिन क्या करूं, मेरी मजबूरी है। अगले जनम में फिर आऊंगा और मम्मी-पापा का सेवा करुंगा। मेरे मम्मी-पापा बहुत अच्छे हैं। दिव्यांशु, पिंटू व मम्मी-पापा का ख्याल रखना। यह कहते हुए आकाश भावुक हो गया।

कालीन से बनाया जाएगा मॉडल मतदान केंद्र

भदोही। मतदाताओं को जागरुक करने और उन्हे पोलिंग सेंटर तक ले जाने के लिए जिला प्रशासन की तरफ से हर संभव कोशिश की जा रही है। इसी कड़ी में कालीन कारिडोर में जागरुकता कार्यक्रम आयोजित किया जा रहा है। चार मई को डीईओ विशाल सिंह एवं स्वीप प्रभारी यशवंत कुमार सिंह द्वारा वीएनजीआईसी कालेज ज्ञानपुर में ह्यकालीन कॉरिडोर प्रदर्शनी मेलाह्ल का शुभारंभ किया जाएगा।

मतदाताओं को जागरुक करने के लिए देश में अपनी तरह का यह अनोखा कालीन निर्वाचन गैलरी बनेगा, जिसमें गैलरी की दोनों दिवारें, फर्श व छत भी कालीन से ढके रहेंगे। कालीन से ही एक मतदान केंद्र मॉडल के रूप में बनाया जाएगा। जहां पर सुनिश्चित न्युनतम सुविधाएं इसे देखकर मतदाता 25 मई को वोट देने के लिए मतदान केंद्र तक जाएंगे।

कालीन कॉरिडोर के माध्यम से

- स्वीप नवाचार पहलों में वीएनजीआईसी में कालीन कॉरिडोर प्रदर्शनी मेला का शुभारंभ आज
- सांस्कृतिक कार्यक्रमों से युक्त कालीन कॉरिडोर को प्रदर्शनी-मेले के रूप में किया जा रहा विकसित

जैसे-पीने का पानी, शौचालय, छायादार प्रतीक्षा स्थल, प्राथमिक चिकित्सा किट, स्वयं सेवक, व्हील चेयर व रैंप की सुविधा, लंबी लाइन में बैठने की सुविधा प्राप्त होगी। जनपद की परंपरागत हस्तशिल्प व कला विरासत को निर्वाचन से जोड़कर मतदान प्रतिशत बढ़ाने का प्रयास किया गया है। इसमें प्रेरणा कैटिन, कृषि उत्पादों की प्रदर्शनी, पॉपकार्न, की दुकानें लगाकर इसको मेला का आकार दिया जाएगा। जनपद के सभी बेसिक विद्यालयों, इंटर, डिग्री कालेजों की छात्र-छात्राएं व अध्यापकगण, आशा, एएनएम, आंगनबाड़ी, आमजन चार मई से 10 मई तक चलने वाले कालीन कॉरिडोर प्रदर्शनी मेला का लुत्फ उठाएंगे।

इस मेले में निर्वाचन की समझ बढ़ाने के लिए बेसिक विद्यालयों के बच्चों के लिए जहां ह्यह्यचाचा चैधरी और चुनावी दंगलह्लह्ल कामिक्स उपलब्ध रहेगी तो वहीं कक्षा नौ से 12 तक के छात्रों के लिए निर्वाचन साक्षारता क्लब के साथ समुदाय के लिए ह्यह्यचुनाव पाठशालाह्लह्ल संदर्भ मार्गदर्शिका पुस्तक भी उपलब्ध रहेगी। प्रतिदिन होने वाले सांस्कृतिक कार्यक्रमों के माध्यम से मतदाता जागरूकता पर बल दिया जायेगा। कार्यक्रम को सफल बनाने में डीडीओ ज्ञानप्रकाश, उपायुक्त राजाराम, डीआईओएस विकालय भारती, बीएसए भूपेंद्र नारायण सिंह, एक्सईएन पीडब्ल्यूडी जैनू राम, डीआईओ डा. पंकज कुमार, उपायुक्त उद्योग आशुतोष सहाय पाठक, समस्त ईओ, बीडीओ, डा. सरोज पांडेय, नाजिर प्रमोद पांडेय आदि अधिकारीगण लगे रहे।

उत्तर प्रदेश आवास एवं विकास परिषद

सम्पत्ति प्रबन्ध कार्यालय
आफिस कम शॉपिंग काम्पलेक्स,
चन्द्रशेखर आजाद, नगर योजना, (मेंहदौरी)
तेलियरंगज, प्रयागराज

सार्वजनिक नोटिस

जनसाधारण को यह सूचित किया जाता है कि निम्नलिखित आवेदक/आवेदकों के नीचे सारणी के स्तम्भ-3 में उल्लिखित सम्पत्ति जो उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद की आवासीय / वाणिज्यिक/ किराये की/ नजूल इम्प्रूवमेन्ट ट्रस्ट योजना के अन्तर्गत स्थित है, का अन्तरण/ नामान्तरण अपने नाम कराने हेतु आवेदन प्रस्तुत किया है,

क्रम संख्या	मूल आवंटी/ पट्टाधारक/ स्वामी का नाम	भूखण्ड/ भवन/ फ्लैट संख्या	योजना का नाम	आवेदक का नाम (पिता का नाम सहित)	आवेदक का पता एवं दूरभाष संख्या	नामान्तरण का आधार	पट्टाधृत पूर्व स्वामित्व युक्त सम्पत्ति
1	2	3	4	5	6	7	8
1	श्रीमती चन्द्रकान्ता बजाज	सी-143 जी.टी.वी. नगर	जी.टी.वी. नगर आवास योजना	अशोक कुमार बजाज व सुनील कुमार बजाज	सी-143 जी.टी.बी. नगर प्रयागराज मो0-8808391779	मृतका के स्थान पर नामान्तरण	सी-143 जी.टी.बी. नगर प्रयागराज

यादि किसी व्यक्ति को उपरोक्त भूखण्ड/भवन फ्लैट के अन्तरण/ नामान्तरण के विरूद्ध कोई आपत्ति हो तो वह अपनी आपत्तियॉ सहायक दस्तावेजो सहित इस नोटिस के प्रकाशित किये जाने के दिनांक से 30 दिन के भीतर कार्यालय सम्पत्ति प्रबन्धक, उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद, तेलियरगंज, प्रयागराज को प्रस्तुत कर सकता है अन्यथा स्तम्भ-5 में अंकित व्यक्ति के नाम से सम्पत्ति का अन्तरण/ नामान्तरण परिषद के अभिलेखों में दर्ज कर दिया जायेगा और कोई पश्चात्वर्ती दावा यदि कोई हो ग्रहण नहीं किया जायेगा।

सम्पत्ति प्रबन्धक
उ0प्र0 आवास एवं विकास परिषद
तेलियरगंज प्रयागराज

उप मुख्यमंत्री केशव प्रसाद की मौजूदगी में भाजपा प्रत्याशी संगम लाल ने किया नामांकन

नामांकन के साथ भाजपा ने किया शक्ति प्रदर्शन, रही भारी भीड़

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। भाजपा से लोकसभा प्रत्याशी संगम लाल गुप्ता के नामांकन में प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य शामिल हुए। इसके पहले भाजपा ने नामांकन में शक्ति प्रदर्शन करने का प्रयास किया था। आईटीआई परिसर में एक चुनावी सभा का आयोजन किया गया था जिसे सम्बोधित करते हुए प्रदेश सरकार के डिप्टी सीएम केशव प्रसाद मौर्य ने कहा कि तीसरी बार देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी बनने जा रहे हैं।

उन्होंने कहा कि देश की जनता मोदी पर बहुत ही भरोसा करती है। उन्होंने कहा कि गठबंधन में जितनी पार्टी शामिल हुई है एक दूसरे की धुर विरोधी हैं लेकिन मोदी का विजय रथ रोकने के लिए एकत्रित हुए हैं। 10 सालों में उत्तर प्रदेश में गुंडाराज समाप्त हुआ है और विकास तेजी से हुआ है। विपक्ष के सरकार में लाल टोपी वाले दूसरे की जमीन पर कब्जा करने का काम किए थे। योगी की सरकार में भ्रष्टाचारी माफियाओं पर सरकार का बुलडोजर चल रहा है गुंडे और माफिया डर के मारे कांपते हुए नजर आ रहे हैं। डिप्टी सीएम केशव मौर्य ने कहा कि मोदी की सुनामी में इस बार भाजपा 400 पार करेगी। उन्होंने कहा कि मोदी ने साइकिल

नामांकन पत्र दाखिल करते सांसद संगम लाल गुप्ता

को 2014 में ही पंचर कर दिया था। उन्होंने कहा कि राहुल गांधी अमेठी छोड़कर रायबरेली भागे हैं, वह वायनाड से भी हारेंगे। उन्होंने कहा कि कांग्रेस ने कर्नाटक में पिछड़ों का आरक्षण छीनकर मुस्लिमों को दिया। उन्होंने कहा कि पिछले 10 साल में देश को लोकतंत्र व संविधान से खतरा नहीं हुआ। इस दौरान पूर्व सीएम ने सांसद संगम लाल गुप्ता के साथ नामांकन स्थल पर गये और सांसद के नामांकन के दौरान मौजूद रहे। जनसभा के मंच पर पूर्व मंत्री राजेंद्र प्रताप सिंह उर्फ मोती, पूर्व मंत्री शिवाकांत ओझा, रानीगंज के पूर्व विधायक अभय कुमार उर्फ धीरज ओझा, विश्वनाथगंज विधायक जीतलाल पटेल, भाजपा नेता केके सिंह, भाजपा नेता संतोष मिश्रा, भाजपा नेता ओमप्रकाश त्रिपाठी भाजपा, जिला अध्यक्ष आशीष श्रीवास्तव, जिला भाजपा मीडिया प्रभारी राघवेंद्र शुक्ला, महिला मोर्चा की रुचि केसरवानी, लोकसभा की महिला प्रभारी सारिका श्रीवास्तव, रमा मिश्रा, नीलम हिन्द, सुशीला सरोज, प्रमिला, पिंकी आदि लोग मौजूद रहे। चुनावी सभा का संचालन भाजपा के जिला महामंत्री राजेश सिंह ने किया।

छह प्रत्याशियों ने दाखिल किया नामांकन पत्र

प्रतापगढ़। कलेक्टेज्ट में बनाये गये नामांकन स्थल पर आज पांचवे दिन छह प्रत्याशियों द्वारा जिलाधिकारी/जिला निर्वाचन अधिकारी संजीव रंजन के समक्ष नामांकन पत्र दाखिल किया। इसमें संगम लाल गुप्ता सुत कड़ेदीन, भारतीय जनता पार्टी-प्रथम बार एक सेट तथा द्वितीय बार तीन सेट, प्रथमेश मिश्रा सुत शिव प्रकाश मिश्रा-बहुजन समाज पार्टी तीन सेट, देवी प्रसाद सुत जवर-राष्ट्रीय जनशान्ति पार्टी ने एक सेट, रामसिद्ध यादव सुत स्व0 छोटेलाल यादव-मानवतावादी समाज पार्टी ने एक सेट, महेश कुमार प्रजापति सुत बुद्धिराम-समझदार पार्टी ने एक सेट व हरिकेश बहादुर पाण्डेय सुत राजेन्द्र प्रसाद पाण्डेय-निर्दलीय ने एक सेट में नामांकन किया।

गीता नगर में आयोजित कार्यक्रम में मौजूद पदाधिकारी

पूरी निष्ठा व ईमानदारी से जुट जाएं कार्यकर्ता: कांति सिंह

सपा नेत्री ने रानीगंज विधान सभा क्षेत्र में भ्रमण कर मांगा समर्थन

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। लोकसभा चुनाव को लेकर समाजवादी पार्टी ने नामांकन के बाद अपना चुनाव प्रचार की गति तेज कर दिया है। शुक्रवार को समाजवादी पार्टी के समर्थन में पूर्व एमएलसी सपा नेत्री कांति सिंह पटेल ने जिले के रानीगंज विधानसभा क्षेत्र के बीरापुर, गीता नगर, कैलीडीह सहित दर्जन भर क्षेत्रों में भ्रमण कर पार्टी के समर्थन में सहयोग की अपील करते हुए लोस के इण्डिया गठबंधन से सपा प्रत्याशी डॉ एसपी सिंह पटेल को भारी मतों से जिताने की अपील की।

इसके उपरांत सपा नेत्री रानीगंज विधानसभा में लोस चुनाव कार्यालय पर पार्टी के कार्यकताओं व बूथ अध्यक्षों के साथ समीक्षा बैठक कर इण्डिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी के पक्ष में समर्थन जुटाने हेतु अपने अपने क्षेत्रों में पूर्ण निष्ठा एवं ईमानदारी से जुट जाने की बात कही। इसके उपरांत सगरा सुंदरपुर व मांधाता क्षेत्र में सघन जनसंपर्क कर इण्डिया गठबंधन के सपा प्रत्याशी डॉ एसपी सिंह पटेल के पक्ष में समर्थन मांगा। इस दौरान उन्होंने क्षेत्र के बुढ़े बुजुर्गों से आशीर्वाद लिया। इस मौके पर प्रदीप यादव, शैलेंद्र यादव, रवींद्र यादव, घनश्याम यादव, बबलू पटेल, अनूप कुमार, अरविंद सिंह व अन्य गणमान्य लोग मौजूद रहे।

परियावां रेलवे स्टेशन का आवागमन हुआ बहाल

स्वतंत्र चेतना

परियावां, प्रतापगढ़। प्रयागराज लखनऊ रेलवे ट्रैक पर मानिकपुर रेलवे स्टेशन से लेकर अरखा तक रेलवे ट्रैक पर लगा पुराना स्लीपर को हटाकर नया स्लीपर लगाया गया जिससे ट्रेन की स्पीड को रेल विभाग बढ़ा सके। जानकारी करने पर परियावां स्टेशन अधीक्षक चेतन शुक्ला ने बताया कि गढ़ी मानिकपुर रेलवे स्टेशन से अरखा रेलवे स्टेशन तक रेलवे ट्रैक पर लगे पुराने सीमेंट के लगे स्लीपर को हटाकर नया स्लीपर लगाया गया जिसके चलते परियावां 35 सी रेलवे फाटक आवागमन के लिए गुरुवार की शाम 6 बजे से शुक्रवार की शाम 6 बजे तक बाधित रहा है जो कार्य पुरा होने पर आवागमन बहाल कर दिया गया। स्टेशन अधीक्षक चेतन शुक्ला ने बताया रेलवे ट्रैक का स्लीपर बदल जाने से रेल विभाग इस रूट से गुजरने वाली ट्रेनों की स्पीड बढ़ा सकता है क्योंकि वन्दे भारत ट्रेन हाई स्पीड की ट्रेन अपनी स्पीड से पुरी नही दौड़ पा

रेलवे स्टेशन पर नया स्लीपर लगाते रेलवे कर्मी

रही है। अगले वर्ष से संभव है कि अरखा से फाफामऊ तक रेलवे लाइन के दोहरी करण का कार्य सब कुछ ठीक रहा तो शुरू हो जायेगा 35 सी रेलवे फाटक पर ऑटोमैटिक गेट भी आ गया है जिसको लगना बाकी है।

दूल्हे को जान से मारने की मिली धमकी

प्रतापगढ़। नगर कोतवाली के जोगापुर इलाके में दूल्हे को स्नाइपर गन से शूट करने की धमकी दी। अज्ञात लोगों ने घर के दरवाजे पर चिट्ठी बम फेंकी। इस दौरान शगुन के लिए लगे बांस व कलश को तोड़ा। बता दें कि आज दूल्हे को बरात लेकर कंधई थाना इलाके में जाना था। बीती रात दूल्हे की मेंहदी राम हुई थी। बता दें कि 8 दिसंबर को भी बाइक से तीन लोग घर पहुंचे थे और असलहा दिखाकर बरात न ले जाने की धमकी दी थी। चिट्ठी बम व धमकी से दहशत में पूरा परिवार है। इस दौरान दूल्हे व माता पिता ने शादी करने से इन्कार कर दिया। एसपी से शिकायत पर घर पर पुलिस बल तैनात किया गया है। एसपी सतपाल अंतिल ने मामले की जांच का आदेश दिया है।

आज आएंगे कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव व राष्ट्रीय सचिव

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी(एआईसीसी) के राष्ट्रीय महासचिव/प्रभारी उ.प्र. अविनाश पाण्डे एवम राष्ट्रीय सचिव, पूर्व कैबिनेट मंत्री,

जलाध्यक्ष ने नेताओं के स्वागत के लिये किये व्यापक इंतजाम

छत्तीसगढ़ राजेश तिवारी शनिवार मई को दिन में एक बजे इण्डिया गठबन्धन के संयुक्त प्रत्याशी डॉ.एस.पी सिंह पटेल के समर्थन में स्थानीय शैल श्याम पैलेस में संगठन की एक बैठक में शामिल होंगे। महासचिव अविनाश पांडेय संगठनात्मक बैठक के साथ साथ कांग्रेस पार्टी एवम सामाजवादी पार्टी के बीच समन्यवय बैठक को संबोधित करेंगे।

इंदिरा भवन पर आयोजित बैठक में बोलते जिलाध्यक्ष डा0 नीरज तिवारी

बैठक में उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के लोकसभा कोऑर्डिनेटर संजय तिवारी, प्रदेश उपाध्यक्ष मकसूद खान जी, महासचिव श्री मुकुंद तिवारी एवम प्रदेश सचिव राकेश मौर्या भी मौजूद रहेंगे। बैठक को सफल बनाने के उद्देश्य से आज जिला अध्यक्ष डॉ0 नीरज त्रिपाठी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में कार्यक्रम की तैयारियों को अंतिम रूप दिया गया।

साथ ही नेताओं के स्वागत हेतु व्यापक इंतजाम किए गए हैं। अमेठी-प्रतापगढ़ बार्डर से कार्यक्रम स्थल तक जगह-जगह कार्यकताओं द्वारा स्वागत की तैयारियां की गई हैं। यह जानकारी डा0वी0के0सिंह, उपाध्यक्ष प्रभारी-प्रशासन एवं कार्यक्रम, जिला कांग्रेस कमेटी ने दी।

पुरानी रंजिश को लेकर अधेड़ की लाठी डंडे से पिटाई

पट्टी, प्रतापगढ़। पुरानी रंजिश को लेकर अधेड़ को रास्ते में रोककर लाठी डंडे से पीट कर घायल कर दिया, जानकारी होने पर मौके पर पहुंचे परिजनों ने घायल अधेड़ को इलाज के लिए सीएचसी भेजा जहां से मेडिकल कॉलेज प्रयागराज रेफर कर दिया गया। मामले में दो नामजद तथा अज्ञात के खिलाफ तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की गई है। दिलीपपुर थाना क्षेत्र के नौहर हुसैनपुर निवासी 50 वर्षीय मिथिलेश सिंह दिलीपपुर थाना क्षेत्र के पिपरी खालसा स्थित पेट्रोल पंप पर काम करता है। गुरुवार की रात 8 बजे के करीब पेट्रोल पंप से बाइक लेकर घर आ रहा था। घर पहुंचने के पूर्व नावेल स्कूल के पास पहले से घात लगाये आधा दर्जन लोग लाठी डंडा लेकर हमलावर हो गये, जिसमें मिथिलेश सिंह को जमकर मारा पीटा और अधमरा करके आरोपी मौके से फरार हो गये। बाद में मौके पर परिजनों सहित गांव के लोग इकट्ठा होने पर घायल को इलाज के लिए सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बाबा बेलखरनाथ ले गये। जहां हालत गंभीर होने पर मेडिकल कॉलेज प्रतापगढ़ भेज दिया गया वहां स्थिति में सुधार न होने पर मेडिकल कॉलेज प्रयागराज रेफर कर दिया। आरोप है कि पुरानी रंजिश को लेकर गांव के दो लोगों से पुराना विवाद है। पीड़ित ने दो नामजद तथा छह अज्ञात लोगों के खिलाफ दिलीपपुर पुलिस को तहरीर देकर कार्रवाई की मांग की है। एसओ दिलीपपुर राधेश्याम ने बताया कि पुरानी रंजिश को लेकर दोनों पक्षों में काफी समय से विवाद चल रहा था मारपीट हुई है मामले की जांच की जा रही है।

मतपेटिकाओं को सुरक्षित रखने व मतगणना कराने की तैयारी शुरू

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। आगामी 25 मई को प्रतापगढ़ संसदीय क्षेत्र में मतदान के बाद मतपेटिकाओं को सुरक्षित स्थान पर रखने तथा वहां मतगणना

मतगणना स्थल की सफाई में लगे 50 सफाई कर्मचारी

कराने के लिये प्रशासन तैयारी में जुट गया है। जिला निर्वाचन अधिकारी/जिलाधिकारी संजीव रंजन के निर्देशन में चिलबिला व महुली के बीच में मण्डी समिति में सफाई का कार्य शुरू हो गया है। इसके लिये नगर पालिका ने 50 सफाई कर्मचारी लगाए हैं।

आज पहले दिन पूरे परिसर में उगी घासों को फावडे.से काटकर हटाया गया। यह जानकारी देते हुए नगर पालिका के सफाई निरीक्षक संतोष कुमार सिंह ने बताया कि फावड़े से निकली गंदगी को कल ट्रैक्टर लगाकर उठा लिया जाएगा। गुरुवार को

मतगणना स्थल की सफाई करते नगर पालिका कर्मचारी

एडीएम त्रिभुवन विश्वकर्मा ने महुली मण्डी का निरीक्षण किया था। बता दें कि जिलाधिकारी ने पूरे मण्डी समिति को साफ-सुथरा रखने का निर्देश दिया है। इसके तहत अभी पूरी मण्डी को साफ करने में कई दिन लगेंगे।

मकान का ताला तोड़कर कब्जा करने का आरोप, एसडीएम से शिकायत

पट्टी, प्रतापगढ़। घर में लगे ताले को तोड़कर सास व देवर ने कब्जा कर लिया। विरोध करने पर मारने पीटने की धमकी देते हुए भगा दिए। पीड़िता ने मामले में उपजिलाधिकारी को शिकायती पत्र देते हुए कार्रवाई की मांग की है। आसपुर देवसरा थाना क्षेत्र के सैफाबाद बाजार की रहने वाली माधुरी मिश्रा ने प्रार्थना पत्र देकर आरोप लगाया है कि पीड़िता का पति रोजगार के सिलसिले में बाहर रहता है और पीड़िता घर में अकेली अपने बच्चों के साथ रहती है। उसकी सास व देवर ने मिलकर घर में लगे ताले को तोड़कर कब्जा कर लिए। पीड़िता किसी काम से ताला बंद कर बाहर गई थी। इसी का फायदा उठाते हुए सास व देवर कब्जा कर लिए पीड़िता जब वापस आई तो उसे घर से धक्के मार कर बाहर कर दिया गया। जिसकी शिकायत उपजिलाधिकारी से शिकायत करते हुए कार्रवाई की मांग की है। उपजिलाधिकारी ने आसपुर देवसरा थाना अध्यक्ष को जांचकर कार्यवाही करने का निर्देश दिया है।

पुलिस ने चार वांछित आरोपियों को दबोचा

लालगंज, प्रतापगढ़। एसपी द्वारा चलाए जा रहे अपराध नियंत्रण अभियान के तहत पुलिस ने शुक्रवार को चार वांछित आरोपियो को धर दबोचा। कोतवाली के दरोगा कबीरदास फोर्स के साथ गश्त कर रहे थे। लालगंज के इंदिरा चैराहे पर पूरे ब्रम्हचारी मोहिन निवासी धुन्नी लाल सोनकर का पुत्र गुलशन पुलिस के हत्थे चढ़ गया। गुलशन के खिलाफ आत्महत्या को लेकर दुष्प्रेरण का अभियोग पंजीकृत है। वहीं कोतवाली के दरोगा सुरेंद्र सिंह को भी फोर्स के साथ गश्त के दौरान तीन वांछित आरोपियो को हिरासत में लेने में सफलता मिली है। पुलिस फोर्स ने रायपुर तियांई से दलित उत्पीड़न व आत्महत्या के लिए प्रताड़ित करने के मुकदमे मे वांछित चल रहे रायपुर तियांई के भारत लाल प्रजापति के पुत्र अमित उर्फ तूफान तथा अंकित उर्फ कप्तान एवं कल्लू प्रजापति के पुत्र हरिकेश को धर दबोचा।

अधिवक्ताओं के चुनाव को लेकर बढ़ती जा रही सरगर्मी

स्वतंत्र चेतना

लालगंज, प्रतापगढ़। संयुक्त अधिवक्ता संघ के आगामी सात मई को होने वाले चुनाव को लेकर शुक्रवार को तहसील परिसर में चुनावी माहौल सरगर्मी में दिखा। अध्यक्ष समेत

वीडियोग्राफी के साथ होगी मतगणना

विभिन्न पदों के उम्मीदवारों को साथी अधिवक्ताओं के बीच समर्थन की गुहार में मशक्कत करते देखा गया। वहीं चुनाव समिति कार्यालय पर भी मतदान एवं मतगणना के प्रबन्धों को लेकर पदाधिकारी रणनीतिक चर्चा में दिखे।

अध्यक्ष तथा वरिष्ठ उपाध्यक्ष व उपाध्यक्ष एवं महामन्त्री पद पर किस्मत अजमा रहे प्रत्याशियों को परिसर में समर्थक अधिवक्ताओं के साथ घूम घूम कर अपना माहौल बनाने में मशगूल देखा गया। अधिवक्ता हितों के लिए संघर्ष की दुहाई देते उम्मीदवार अपने पक्ष में गुणा भाग भी करते दिखे। हालांकि सामान्य अधिवक्ताओं को अभी प्रत्याशियों का मनोबल बढ़ाते ही देखा जा रहा है। तहसील पार्क में पूरा दिन चुनावी रंगत में प्रत्याशियों के द्वारा अधिवक्ताओं की आवभगत में चढ़ा दिखा। इधर चुनाव समिति के कार्यालय में अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल, महामंत्री देवी प्रसाद मिश्र, एल्डर कमेटी के अध्यक्ष राजेन्द्र प्रसाद मिश्र, विकास मिश्र, राममोहन सिंह, अजय शुक्ल गुड्डू, लाल राजेन्द्र सिंह, रामलगन यादव, वीरेन्द्र सिंह, राधारमण शुक्ल, बेनीलाल शुक्ल, कालिका प्रसाद पाण्डेय को मतदान के दिन प्रबन्धों के साथ मतगणना की भी प्रक्रिया सुनिश्चित करने में मशक्कत में देखा गया। चुनाव समिति के अध्यक्ष ज्ञानप्रकाश शुक्ल ने बताया कि इस बार प्रत्याशियों की मांग पर मतगणना प्रक्रिया मीडिया की उपस्थिति के साथ वीडियोग्राफी के बीच करायी जाएगी। वहीं जैसे जैसे अधिवक्ताओं के चुनाव मे मतदान की तिथि नजदीक आ रही है। देर शाम तक तहसील परिसर में चुनावी गणित बनाने और बिगाड़ने में उम्मीदवारों के छत्रपों को भी भाग दौड़ में पसीना बहाते देखा जा रहा है।

प्रेस की स्वतंत्रता लोकतांत्रिक राष्ट्र के लिए आवश्यक : डॉ विजय

परियावां, प्रतापगढ़। 3 मई सन 1994 को पहली बार संयुक्त राष्ट्र संघ समेत दुनिया के तमाम देशों ने प्रेस की स्वतंत्रता दिवस को मनाने का कार्यक्रम प्रारंभ किया जो प्रतिवर्ष मनाया जा रहा है। भारतीय राष्ट्रीय पत्रकार महासंघ की कुंडा तहसील इकाई द्वारा अंतरराष्ट्रीय प्रेस स्वतंत्रता दिवस पर कुंडा डाक बंगला में आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए वरिष्ठ पत्रकार डॉ विजय यादव ने अपने संबोधन में उक्त उद्गार व्यक्त कर रहे थे। संगोष्ठी की अध्यक्षता कर रहे हैं तहसील अध्यक्ष पन्नालाल गुप्ता ने कहा कि प्रेस की आजादी ही किसी भी राष्ट्र के नागरिकों के विचारों की अभिव्यक्ति व उनकी स्वतंत्रता से जुड़ा हुआ है। इसलिए जिस देश में प्रेस की स्वतंत्रता है। वह राष्ट्र तेजी से विकास के पथ पर अग्रसर है। जहां पर प्रेस की स्वतंत्रता पर अंकुश है। वहां तानाशाही विचारधारा के शासक ही ऐसा कर सकते हैं। आगामी 30 मई पत्रकारिता दिवस को धूमधाम से मनाया जाने का भी निर्णय लिया गया है। इस मौके पर शाहबाज खान, सोहेल अहमद, अजमत अली, धीरू मिश्रा, रवि मोदनवाल इजहार अहमद शेख, मनोज पटेल समीर अन्य पत्रकार गण मौजूद रहे।

छात्रा के साथ छेड़छाड़ व मारपीट को लेकर मुकदमा

लालगंज, प्रतापगढ़। छात्रा के साथ रास्ते में छेडछाड तथा मारपीट को लेकर लीलापुर पुलिस ने चार आरोपियों के खिलाफ केस दर्ज किया है। लीलापुर थाना के घूरीपुर निवासी वीरेन्द्र पुत्र स्व. रामलाल ने पुलिस को दी गई तहरीर में कहा है कि पहली मई को उसकी सत्रह वषीर्या बेटी सगरा सुंदरपुर के एक स्कूल से पढ़ाई कर शाम करीब साढे छः बजे घर वापस आ रही थी। सागरपुर व घूरीपुर की बाग में पहले से मौजूद गांव के आरोपी गिरिजाशंकर सरोज के पुत्र शिवा सरोज तथा आंशू सरोज तथा हरिशंकर के पुत्र मोनू व जगेसर के पुत्र हरिशंकर ने उसकी पुत्री का हाथ पकड़कर छेडखानी करने लगे। पीडिता ने विरोध किया तो आरोपियों ने उसे लाठी डंडे से मारापीटा तथा कपड़े फाड़ दिये। शोर मचाने पर पीडिता का पिता मौके पर पहुंचा तो आरोपियो ने उसे भी मारापीटा। लोगों को जुटता देख आरोपी शिकायत करने पर जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने शिवा समेत चार के खिलाफ छेडछाड व मारपीट तथा धमकी का केस दर्ज किया है।

महिला की पिटाई को लेकर पांच आरोपियों के खिलाफ केस

लालगंज, प्रतापगढ़। कोतवाली पुलिस ने जमीनी विवाद को लेकर महिला की पिटाई व तोडफोड तथा धमकी को लेकर पांच आरोपियो के खिलाफ बलवा तथा मारपीट समेत गंभीर धाराओं मे केस दर्ज किया है। लालगंज के सराय रायजू निवासी बलराम कोरी की पत्नी मीना देवी ने पुलिस को दी गई तहरीर मे कहा है कि बीती तीस अप्रैल को गांव के दुखी कोरी के पुत्र भीम व भीम की पत्नी कुसुम तथा पुत्रियां ज्योती, प्रीती व कान्ती उसके निर्माण कार्य को लेकर विरोध करने लगी। पीड़िता ने मना किया तो आरोपियो ने लाठी डंडे से उसे गाली देते हुए मारापीटा। शोर मचाने पर आरोपियो ने उसकी दीवार ढहा दी। लोगों को जुटता देख आरोपी जानलेवा धमकी देते चले गये। तहरीर के आधार पर पुलिस ने भीम समेत पांच के खिलाफ गुरूवार की रात केस दर्ज किया है।

दो स्कूलों में फायर ब्रिगेड ने छात्रों को बताया आग से बचाव का तरीका

स्वतंत्र चेतना

प्रतापगढ़। जिले के विद्यालयों में अग्निशमन निकासी ड्रिल/फायर ड्रिल कराकर जागरूकता प्रदान किये जाने के क्रम में आज शुक्रवार को आत्रेय एकेडमी, फुलवारी कटरा रोड प्रतापगढ़ व बीबीएस एकेडमी, फुलवारी कटरा रोड प्रतापगढ़ के स्टाफ व छात्र/छात्राओं को मुख्य अग्निशमन अधिकारी राजू एवं प्रभारी अग्निशमन अधिकारी अतुल त्रिपाठी तथा लीडिंग फायरमैन राधेश्याम दूबे द्वारा अग्नि सुरक्षा विषय पर व्याख्यान एवं फायर ड्रिल/मॉक ड्रिल/निष्क्रमण योजना ड्रिल कराकर लोगों को जागरूक किया गया। कार्यक्रम के दौरान अग्निदुर्घटना ग्रस्त भवन के ऊपरी मंजिल में फंसे व्यक्तियों को सकुशल बाहर निकलने का अभ्यास कराया गया तथा एलपीजी सिलेण्डर में आग लगाकर फायर एक्सटिंग्यूशर से तथा अन्य प्रायोगिक विधियों से स्टाफ तथा छात्र-छात्राओं से आग बुझाने का अभ्यास कराया गया। गर्मी में लगने वाली आग के कारणों और उससे बचाव की जानकारी दी गयी। उपरोक्त कार्यकम में विद्यालय के छात्र/छात्राएं, अध्यापक, प्रधानाचार्य, अन्य

स्कूल में आग बुझाने की जानकारी देते अग्निशमन अधिकारी

स्टाफ मौजूद रहे। फायर सर्विस की टीम में फायरमैन सत्यप्रकाश यादव अमित सिंह, बिजय बहादुर यादव सम्मिलित हुए। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों द्वारा फायर सर्विस यूनिट की भूरि-भूरि प्रशंसा की गयी।

खूनी संघर्ष में युवक की मौत

प्रतापगढ़। बाघराय थाना क्षेत्र के काशीपुर डूबकी मे आपसी रंजिश में दो पक्षो में खूनी संघर्ष हुआ। इस दौरान एक पक्ष द्वारा गोली मारी गई जिसे कुछ लोग गम्भीर हालत मे बाघराय अस्पताल ले भागे लेकिन स्थिति गम्भीर देख डाक्टरो ने स्वरूपरानी हास्पिटल प्रयागराज रेफर कर दिया। इस दौरान एक अन्य व्यक्ति की मारपीट मे मौके पर ही मौत हो गई। इस दौरान मौके पर पुलिस फोर्स मौजूद है।

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज । शनिवार । 04 मई 2024

संपादकीय

भरी सरकारी झोली

यह सुखद ही है कि देश कर संग्रहण सिस्टम में सुधार की दिशा में सार्थक पहल से एक कदम आगे बढ़ा है। देश में पहली बार जीएसटी का संग्रहण दो लाख करोड़ रुपये से पार चला गया है। कर विशेषज्ञ इसे टैक्स सिस्टम में सुधार के प्रयासों की सफलता बता रहे हैं। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था का भविष्य उसके समृद्ध आर्थिक संसाधनों पर ही निर्भर होता है। भारत के अड़ोस-पड़ोस के कई देशों की अर्थव्यवस्था नियोजन के अभाव, भ्रष्टाचार तथा लोकलुभावन नीतियों के व्यय बोझ से चरमरा गई। इसलिये आर्थिक अनुशासन और वित्तीय संसाधनों का समृद्ध करने का प्रयास बेहद जरूरी हो जाता है। यहां उल्लेखनीय है कि अप्रैल में जहां देसी गतिविधियों से कर संग्रह में 13.4 फीसदी का इजाफा हुआ है, वहीं पिछले अप्रैल के मुकाबले में आयात से होने वाला राजस्व संग्रह भी 8.3 फीसदी बढ़ा है। निश्चय ही चालू वित्त वर्ष के पहले ही महीने यानी अप्रैल में सकल वस्तु एवं सेवा कर संग्रह पहली बार रिकॉर्ड 2.1 लाख करोड़ रुपये होना अर्थव्यवस्था के लिये शुभ संकेत है, जबकि दुनिया की कई बड़ी अर्थव्यवस्थाओं में फिलहाल मंदी के रुझान नजर आ रहे हैं। यह वृद्धि बीते साल अप्रैल में एकत्र जीएसटी के मुकाबले 12.4 फीसदी अधिक है। आर्थिक विशेषज्ञ मान रहे हैं कि वैश्विक स्तर पर उथल-पुथल के बीच रूस-यूक्रेन युद्ध तथा गजा में हमास इस्राइल संघर्ष जैसी बा चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष में जीएसटी संग्रह में वृद्धि देश की आर्थिक उन्नति के लिये अच्छा संकेत है। इस बात से इनकार नहीं किया जा सकता है कि कर प्राप्तियों में बढ़ोतरी के मूल में आर्थिक गतिविधियों में तेजी के रुझानों का असर है। उल्लेखनीय है कि वृद्धि आयात उपकर में भी हुई है। वैसे एक तथ्य यह भी है कि आम तौर पर किसी भी नये वित्तीय वर्ष में पहले माह अप्रैल में सरकार को सर्वाधिक वस्तु एवं सेवा कर मिलता है। इस वित्त वर्ष के आने वाले महीनों में जीएसटी संग्रहण से होने वाली आय से अर्थव्यवस्था के स्थायी रुझानों का पता चल सकेगा।

निश्चित रूप से आने वाले महीनों में यह देखना दिलचस्प होगा कि किन-किन महीनों में जीएसटी संग्रह दो लाख करोड़ रुपये का आंकड़ा पार करता है। यहां यह उल्लेखनीय है कि अप्रैल माह में केंद्रीय जीएसटी में इस बार 27.8 फीसदी की बढ़ोतरी के साथ संगृहीत राशि 94,153 करोड़ रुपये रही। दूसरी ओर राज्य जीएसटी संग्रह में आशातीत 25.9 फीसदी की वृद्धि हुई। इस तरह राज्यों की जीएसटी संग्रह राशि 95,138 करोड़ हो गई। यानी राजस्व प्राप्ति की राह में राज्यों की भागीदारी में भी सुधार देखा गया है। केंद्रशासित प्रदेश जम्मू-कश्मीर, लक्षद्वीप और अंडमान निकोबार, सिक्किम, मेघालय नगालैंड को छोड़कर सभी राज्यों में इस साल के पहले महीने जीएसटी राजस्व में वृद्धि हुई है। आर्थिक विशेषज्ञ जीएसटी वृद्धि के मूल में उपभोक्ता उत्पादों की ज्यादा खपत का योगदान बता रहे हैं। गर्मी बढ़ने की चिंता में उपभोक्ता बड़े पैमाने पर एसी व फ्रिज आदि खरीदते हैं। बच्चों के शैक्षिक सत्र समापन के चलते बच्चों की छुट्टियों में पर्यटन बढ़ने को भी एक वजह माना जा रहा है। निस्संदेह, लंबी यात्राओं के चलते आर्थिक गतिविधियों में तेजी आती है। वहीं आम चुनावों के चलते चुनाव प्रक्रिया में जुड़े व्यवसायों की आय में हुई वृद्धि की भी इसमें भूमिका हो सकती है। वहीं दूसरी ओर हमें मानना होगा कि वित्तीय नियामक एजेंसियों की सक्रियता तथा जीएसटी अधिकारियों द्वारा प्रशासनिक सुधारों को प्राथमिकता देने से भी जीएसटी संग्रह में वृद्धि का रुझान देखा जा सकता है। इसमें जहां रिटर्न भरने के लिये सख्ती, फर्जी चालान पर अंकुश, पंजीकरण की अनिवार्यता को लेकर सख्ती से भी वस्तु-सेवा कर संग्रहण में वृद्धि हुई है। विश्वास जताया जा रहा है कि जीएसटी राजस्व में वृद्धि से उत्साहित नई सरकार कर उगाही व्यवस्था में बदलाव के लिये नई पहल कर सकती है। सरकार दावा कर सकती है कि एक देश, एक कर की सोच सार्थक परिणाम लेकर सामने आ रही है। जो इस क्षेत्र में नये सुधारों का मार्ग भी प्रशस्त कर रही है।

सेहत

गर्मियों में फायदेमंद सुपरफूड्स सत्तू का सेवन

गर्मियों के मौसम में घर से बाहर निकलना आखिर किसे पसंद होता है। क्योंकि जरा सा बाहर निकलते ही थकान व कमजोरी महसूस होने लगती है। जिसकी सबसे बड़ी वजह चिलचिलाती धूप है। गर्मियों में हाई टेंपरेचर की वजह से पाचन तंत्र प्रभावित होता है। हाई टेंपरेचर की वजह से कई बार लोगों को दस्त, कब्ज, उल्टी और फूड पॉइजनिंग जैसी समस्या होने लगती है। ऐसे में जरूर है कि सही और संतुलित खाने को अपनी लाइफस्टाइल में शामिल किया जाए। साथ ही इससे आप अन्य स्वास्थ्य समस्याओं से बच सकते हैं। तो आइए जानते हैं कि आप खुद को गर्मियों में एनर्जेटिक कैसे रख सकते हैं।

बता दें कि गर्मियों में शरीर का पाचन तंत्र स्लो हो जाता है। वहीं गर्मियों में फास्ट फूड या जंक फूड को पचाने के लिए पाचन तंत्र को एक्स्ट्रा मेहनत करनी पड़ती है। इसी कारण से गर्मी के मौसम में हैवी खाना खाने के बाद सुस्ती और थकान लगने लगती है।

गर्मियों में फायदेमंद सुपरफूड्स

सत्तू का सेवन

झुलसती और चिलचिलाती गर्मी में थकान को दूर करने के लिए सत्तू एक बेहद शानदार सुपरफूड है। रोस्टेड या भुने चने को पीसकर सत्तू बनाया जाता है। इसके अलावा जौ को पीसकर सत्तू बनाया जाता है। सत्तू की तासीर ठंडी होती है। इसके सेवन से शरीर हाइड्रेट रखने के साथ तापमान को कम करने में सहायक होता है। साथ ही यह पेट को ठंडक पहुंचाता है और अपच से बचाता है। पानी, जीरा और सौंफ जैसे पाचक मसालों के लिए मिलाकर आप सत्तू का खाली पेट सेवन कर सकते हैं।

झुलसती गर्मी में थकान को दूर करने के लिए सत्तू एक बेहद शानदार सुपरफूड है। सत्तू रोस्टेड चने यानी भुने हुए चने को पीस कर बनाया जाता है। जौ को पीस कर भी सत्तू बनाया जाता है। इसकी तासीर ठंडी होती है जिससे शरीर को हाइड्रेट करने और तापमान को कम करने में मदद करता है। यह पेट को ठंडक भी देता है और अपच से भी बचाता है। आप इसे पानी और जीरा और सौंफ जैसे पाचक मसालों के साथ मिलाकर खाली पेट पी सकते हैं।

गर्मियों में घी का सेवन

गर्मियों में घी को सबसे अच्छा सुपरफूड्स माना जाता है। घी में विटामिन अ, ओमेगा-3 फैटी एसिड, विटामिन सी जैसे पोषक तत्व पाए जाते हैं। जो शरीर को एनर्जी देने में सहायक होता है। वहीं घी में मौजूद ब्यूटिरिक एसिड हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत करता है और शरीर को ठंडा रखने में सहायक होता है। गर्मियों में रोजाना खाली पेट आधा चम्मच घी का खाना चाहिए। यह गैस्ट्रिक एसिड के सोर्स को उत्तेजित कर पाचन कार्य में सुधार करता है।

रोजाना खाएं दही

गर्मी के मौसम में रोजाना दही का सेवन फायदेमंद होता है। दही में मौजूद गुड बैक्टीरिया हमारे इम्यून सिस्टम को मजबूत बनाते हैं। क्योंकि दही की तासीर ठंडी होती है और यह पेट व आंतों की गर्मी को दूर करने में कारगर होता है। दही के रोजाना सेवन से गर्मी में लू, कब्ज, अपच जैसी समस्याएं नहीं होती हैं। इसमें मौजूद विटामिन डी, फास्फोरस और जिंक त्वचा को हेल्दी रखता है और हमारे शरीर को एनर्जी देती है।

पुदीना और तुलसी की पत्तियां एलर्जी से बचाए

पुदीना और तुलसी की पत्तियों को गर्मियों में खाना लाभकारी होता है। क्योंकि पुदीना की पत्तियों में पाचन संबंधी समस्याओं को दूर करने, सिरदर्द में राहत देने और सांसों की दुर्गंध को दूर करने में मदद करती है। पुदीने की पत्तियों में एंटीऑक्सीडेंट पाया जाता है, जो मुंहासों और एलर्जी से बचाते हैं।

ग्लोबल वार्मिंग, संभलने की वार्निंग

मनुष्य का जल-जंगल-जमीन से रिश्ता आदिकाल से है। बिना इनके जीवन की कल्पना नहीं की जा सकती। आज सबसे बड़ा संकट ग्लोबल वार्मिंग का है। इससे सारी दुनिया चिंतित है। ग्लोबल वार्मिंग ने कई तरह की दुश्वारियां पैदा की हैं। पृथ्वी का तापमान बढ़ने (ग्लोबल वार्मिंग) और उसकी वजह से होने वाला जलवायु परिवर्तन आज प्रकृति की तबाही की सबसे महत्वपूर्ण कारक है। पृथ्वी के औसत तापमान में बढ़ोतरी या ग्लोबल वार्मिंग मुख्यत: कार्बन उत्सर्जन की तेजी से बढ़ती दर और कम होते जंगलों का परिणाम है। उत्तर भारत के मैदानी क्षेत्रों में इस साल चली भयंकर लू का मुख्य कारण ग्लोबल वार्मिंग ही है। वैज्ञानिकों का मानना है कि अगर ग्लोबल वार्मिंग नहीं रुकी तो शताब्दी के आखिर तक पृथ्वी का औसत तापमान औद्योगिक क्रांति के पहले के स्तर से 2 डिग्री बढ़ जाएगा और इससे लू की तीव्रता और नियमितता 30 गुना बढ़ जाएगी। दैनिक अनुभव से भी हम यह जानते हैं कि सिर्फ तपती गर्मी या लू से उतनी तकलीफ नहीं होती जितनी तकलीफ गर्मी और उमस के एकसाथ होने से होती है। ग्लोबल वार्मिंग से हवा का तापमान बढ़ता है और गर्म हवा ठंडी हवा के मुकाबले ज्यादा वायुमंडल की नमी वहन करती है।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण जहां प्रति वर्ष लू की स्थिति अधिक दिनों तक और ज्यादा तीव्रता के साथ लोगों को अपनी जद में ले रही है। दूसरी ओर हर साल शीत लहर का प्रकोप भी बढ़ता जा रहा है। 1980 से 2018 के बीच शीत लहर के कारण हुई मौतें लू से हुई मौतों से ज्यादा थीं। सरकारी आंकड़ों के अनुसार 2020 में शीतलहर से 152 लोगों की मौत हुई। जनवरी 2021 में उत्तर भारत के हर राज्य में औसत मासिक अधिकतम तापमान सामान्य से 2-4 डिग्री कम था। वैज्ञानिकों के अनुसार शीत लहर की बढ़ती अवधि और तीव्रता का मुख्य कारक ग्लोबल वार्मिंग और विशेष तौर पर आर्कटिक इलाके का ऊष्मीकरण है। अबतक यह एक स्थापित तथ्य माना जाता था कि आर्कटिक वृत्त पृथ्वी के बाकी हिस्सों के मुकाबले दोगुनी तेजी से गर्म होता है। लेकिन पिछले साल नासा से जुड़े कुछ वैज्ञानिकों के नए शोध के अनुसार आर्कटिक वृत्त असल में दोगुनी नहीं बल्कि चौगुनी तेजी से गर्म हो रहा है। लांसेट स्वास्थ्य जर्नल में 2021 में प्रकाशित रिपोर्ट के अनुसार भारत में असामान्य तापमान के कारण हर साल सात लाख से अधिक लोगों की मौत होती है। इनमें से 6.5 लाख लोगों की मौत असामान्य ठंडे तापमान और औसतन 80 हजार लोगों की मौत असामान्य गर्म तापमान के कारण होती है। असामान्य तापमान के कारण मरने वाले लोग आमतौर पर समाज के निचले तबके से आते हैं।

लू और शीतलहर के अलावा ग्लोबल वार्मिंग के कारण एक और भयानक प्रक्रिया घटित हो रही है। यह प्रक्रिया है हिमनदियों और ध्रुवीय हिमच्छदों (पोलर आइस कैप्स) का तेजी से पिघलना और औसत समुद्र तल (मीन सी लेवल) का लगातार बढ़ना। अगले कुछ दशकों में शंघाई, हॉन्ग कॉन्ग, ओसाका, रिओ, एम्स्टर्डम, अलेक्सान्द्रिया जैसे दुनियाभर के कई तटवर्ती शहरों के बड़े हिस्सों के जलमग्न हो जाने की आशंका है। मुंबई, चेन्नई, विशाखापट्टनम, कोच्चि, तिरुवनन्तपुरम आदि शहरों के कुछ इलाके 2050 तक जलमग्न हो सकते हैं। समुद्र स्तर के बढ़ने से आने वाली बाढ़ के कारण समंदर का खारा पानी जमीन के अंदर रिसकर चला जाएगा। इससे भूमिगत जल भी खारा बन जाएगा। इससे स्वच्छ पानी की उपलब्धता भयंकर विकराल रूप ले लेगी, क्योंकि आज ही मीठे पानी की समस्या गम्भीर समस्या बन चुकी है। तब क्या होगा इसकी कल्पना से कलेजा फटने को हो जाता है। पेयजल के बिना जीवन की कल्पना मुश्किल है। भूमिगत जलस्तर के लवणीकरण के कारण तटीय इलाकों में कृषि उत्पादन पर भी प्रतिकूल प्रभाव पड़ेगा।

एक बदलाव यह भी हुआ है कि पहले मानसून के दौरान कुल बारिश जितनी होती थी उसकी तुलना में आज काफी कम होती जा रही है। बाढ़ की नियमितता और तीव्रता बढ़ती जा रही है। अचानक से कुछ दिनों के लिए मूसलाधार बारिश होती है तो बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है। एक-दो सप्ताह में ही इन इलाकों में सूखे की स्थिति बाढ़ की स्थिति में तब्दील हो जाती है। सूखे और बाढ़ का लगभग साथ-साथ होना और अनियमित बारिश ग्लोबल वार्मिंग और बदलती जलवायु का ही परिणाम है। देश में 2011 से 2020 के बीच हर साल औसतन 1500 लोग बाढ़ में काल कलवित हो हुए हैं।

ग्लोबल वार्मिंग के कारण महासागरों की सतह के तापमान में बढ़ोतरी और वायुमंडल में मौजूद जल वाष्प (वाटर वेपर) का अनुपात दोगुना होने से दुनियाभर में चक्रवात और तूफान पहले से अधिक नियमित तौर पर आने लगे हैं। इनकी तीव्रता में भी बेतहाशा बढ़ोतरी हुई है। भारत आज भयंकर रूप से सूखा ग्रस्त देशों की श्रेणी में शामिल है। 2020 से 2022 के बीच देश का दो-तिहाई हिस्सा सूखे की चपेट में था। देश के एक तिहाई जिले पिछले एक दशक में चार बार सूखा झेल चुके हैं। भारत में प्रति वर्ष पांच करोड़ लोग सूखे से प्रभावित हो रहे हैं। संयुक्त राष्ट्र की एक रिपोर्ट के अनुसार सूखे के कारण आज लगभग 230 करोड़ लोग जल संकट का सामना कर रहे हैं। इसमें से 1.6 करोड़ बच्चे ऐसे हैं जो भयंकर और दीर्घकालिक सूखे से जूझ रहे हैं। पिछले पचास साल में सूखे से 6,50,000 लोगों की मौत हुई है। माना जाता है कि ग्लोबल वार्मिंग, अनियमित बारिश, जंगलों की कटाई और भूमिगत जलस्तर में तेज गिरावट को देखते हुए यह तय है कि सूखा और जल संकट आने वाले दिनों में और बढ़ेगा। ग्लोबल वार्मिंग, जलवायु परिवर्तन और अनियमित बारिश के कारण कृषि उत्पादन पर भी नकारात्मक प्रभाव पड़ा है। वैश्विक खाद्य नीति रिपोर्ट 2022 के अनुसार 2050 तक भारत में सात करोड़ लोग जलवायु परिवर्तन के कारण भुखमरी का शिकार हो सकते हैं। **उमाशंकर पाण्डेय**

स्वास्थ्य के लिए सार्वजनिक वित्तपोषण में वृद्धि

राष्ट्रीय स्वास्थ्य नीति (एनएचपी) 2017 में सभी के लिए किफायती व गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सेवा तक सार्वभौमिक पहुँच की परिकल्पना की गई है। इस लक्ष्य को हासिल करने के लिए, स्वास्थ्य अवसंरचना का निर्माण करने, सेवाओं में सुधार करने और स्वास्थ्य आश्वासन प्रदान करने के लिए इष्टतम सार्वजनिक व्यय की आवश्यकता है। हाल के वर्षों में स्वास्थ्य पर सार्वजनिक व्यय बढ़ाने के लिए राष्ट्र की प्रतिबद्धता राष्ट्रीय स्वास्थ्य खातों (एनएचए) के क्रमिक आंकड़ों से स्पष्ट होती है, जिसमें 2020-21 और 2021-22 के अनंतिम अनुमान भी शामिल हैं।

एनएचए के अनुमान बताते हैं कि जीडीपी के अनुपात के रूप में सरकारी स्वास्थ्य व्यय (जीएचई) में 2014-15 और 2021-22 के बीच 63% की वृद्धि हुई है, जो अभूतपूर्व है। 2014-15 में जीएचई जीडीपी के 1.13% से बढ़कर 2019-20 में 1.35% हो गया। यह क्रमश: 2020-21 में 1.60% और 2021-22 में 1.84% तक पहुँच गया।

स्वास्थ्य पर सरकारी व्यय बढ़ रहा है और लोगों की जेब से होने वाले खर्च में लगातार कमी आ रही है

प्रति व्यक्ति के संदर्भ में, जीएचई 2014-15 और 2019-20 के बीच 1,108 रुपये से बढ़कर 2,014 रुपये हो गया। यह बढ़ता रुझान आगे भी जारी रहा और प्रति व्यक्ति सरकारी व्यय 2020-21 में 2,322 रुपये और 2021-22 में 3,156 रुपये तक पहुंच गया है, जो अनंतिम अनुमानों के अनुसार 2014-15 के स्तर का लगभग तीन गुना है।

एक अन्य महत्वपूर्ण रुझान यह है कि सरकारी वित्तपोषित बीमा पर व्यय 2013-14 के 4,757 करोड़ रुपये से 4.4 गुना बढ़कर 2021-22 में 20,771 करोड़ रुपये हो गया है। यह आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना (एबी पीएमजेएवाई) और राज्य स्वास्थ्य आश्वासन/बीमा योजनाओं में बढ़ते निवेश को दशार्ता है। इसके अतिरिक्त, स्वास्थ्य पर सामाजिक सुरक्षा व्यय (जिसमें सरकार द्वारा वित्त पोषित स्वास्थ्य बीमा, सरकारी कर्मचारियों को चिकित्सा प्रतिपूर्ति और सामाजिक स्वास्थ्य बीमा कार्यक्रम शामिल हैं) का हिस्सा कुल स्वास्थ्य व्यय (टीएचई) के संदर्भ में 2014-15 के 5.7% से बढ़कर 2019-20 में 9.3% हो गया है। ये रुझान स्पष्ट रूप से स्वास्थ्य सेवा में बढ़ते सरकारी निवेश और एनएचपी 2017 के लक्ष्य - स्वास्थ्य सेवा खर्च में लोगों पर कम वित्तीय बोझ - की दिशा में सकारात्मक बदलाव का संकेत देते हैं।

अच्छी खबर यह है कि टीएचई के हिस्से के रूप में जेब से होने वाले खर्च (ओओपीई) में लगातार गिरावट दर्ज की गयी है, जो 2014-15 के 62.6% से घटकर 2019-20 में 47.1% रह गया है। एनएचए के अनंतिम अनुमानों के अनुसार, गिरावट का यह रुझान आगे भी जारी रहा है और ओओपीई की हिस्सेदारी 2020-21 में घटकर 44.4% और 2021-22 में 39.4% रह गयी है। 2014-15 के बाद, 7 वर्षों की अवधि में ओओपीई में 37% की हुई यह अभूतपूर्व कमी, हमारे नागरिकों के लिए एक बड़ी राहत लेकर आई है।

विशेष रूप से, कोविड 19 महामारी से प्रभावित वर्षों (यानी 2020-21 और 2021-22) के दौरान, ओओपीई में गिरावट जारी रही। वायरस के भीषण प्रभाव कारण अविश्वसनीय रूप से स्वास्थ्य संबंधी देखभाल की अत्यधिक आवश्यकताओं की पृष्ठभूमि में ओओपी में कमी आना वाकई असाधारण है। यह स्वास्थ्य प्रणाली की सुदृढ़ता, सेवाओं की सुलभता और वित्तीय सुरक्षा के लिए सरकार द्वारा उठाए गए विभिन्न उपायों की प्रभावशीलता को रेखांकित करता है।

पिछले दशक के दौरान ओओपीई में गिरावट का एक निरंतर एवं निश्चित रूझान कई कारकों के कारण संभव हुआ है।

एबी पीएमजेएवाई के तहत स्वास्थ्य संबंधी आश्वासन के कवरेज से लोगों को भारी बचत हो रही है। यह अनुमान लगाया गया है कि अपनी शुरूआत के बाद से 6.5 करोड़ से अधिक मुफ्त अस्पताल में भर्ती होने के प्रावधान के जरिए एबी - पीएमएजेवाई ने लोगों को ओओपीई में 1,35,000 करोड़ रुपये की संचयी बचत प्रदान की है। लाभार्थियों को कैंसर सहित गंभीर बीमारियों के लिए शल्य चिकित्सा और चिकित्सीय उपचार का लाभ हासिल करने के लिए संपत्ति उधार लेने या बेचने की जरूरत नहीं है।

राष्ट्रीय नमूना सर्वेक्षण (2017-18) के अनुसार, विशेष रूप से आंतरिक रोगी देखभाल और संस्थागत प्रसव के लिए सरकारी सुविधाओं के उपयोग में बढ़ोतरी हुई है। मुफ्त एम्बुलेंस सेवाओं, मजबूत सरकारी माध्यमिक व तृतीयक स्तर की सेवाओं और प्रधानमंत्री राष्ट्रीय डायलिसिस कार्यक्रम (जिसके तहत 2016 से 2.59 करोड़ से अधिक मुफ्त डायलिसिस सत्र आयोजित किए गए हैं) ने ओओपीई के बोझ को रोकने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है।

दवाएं और डायग्नोस्टिक्स जेब से होने वाले फुटकर खर्चों के प्रमुख कारक होते हैं। कुल 1,69,000 से अधिक आयुष्मान आरोग्य मंदिरों (एएएम; स्वास्थ्य एवं कल्याण केन्द्रों) सहित विभिन्न स्वास्थ्य केन्द्रों में मुफ्त दवाओं एवं निदान संबंधी सेवाओं में लगातार सुधार से आम परिवारों को बड़ी वित्तीय बचत हुई है। उपकेन्द्र एएएम 105 दवाएं और 14 नैदानिक परीक्षण नि:शुल्क प्रदान करते हैं। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र एएएम को 172 दवाएं और 63 नैदानिक परीक्षण मुफ्त प्रदान करने का आदेश दिया गया है। जैसा कि एएएम में अनिवार्य है, गैर-संचारी रोगों (जैसे उच्च रक्तचाप और मधुमेह) की प्रारंभिक जांच एवं मुफ्त उपचार, लोगों के स्वस्थ जीवन को लंबा करेगा और भविष्य में होने वाली जीवन के लिए घातक गंभीर जटिलताओं के इलाज पर होने वाले विनाशकारी खर्चों से बचाएगा।

आज, व्यावहारिक रूप से सभी जिलों में 10,000 से अधिक जन औषधि केन्द्रों के जरिए 1,900 से अधिक गुणवत्तापूर्ण जेनेरिक दवाएं और लगभग 300 सर्जिकल आइटम कम कीमत पर बेचे जा रहे हैं। अनुमान बताते हैं कि 2014 से अब तक इस योजना से उपभोक्ताओं को 28,000 करोड़ रुपये की बचत हुई है। इसी तरह, कोरोनरी स्टेंट, आर्थोपेडिक घुटने के प्रत्यारोपण, कैंसर की दवाओं और अन्य आवश्यक दवाओं के मूल्य विनियमन से लोगों को प्रति वर्ष 27,000 करोड़ रुपये की बचत होती है।

क्रमबद्ध तरीके से प्राय: सभी आर्थिक सर्वेक्षणों में सरकार द्वारा स्वास्थ्य संबंधी व्यय में वृद्धि की प्रवृत्ति की भी रिपोर्ट की गई है। सकल घरेलू उत्पाद के हिस्से के रूप में, यह वित्त वर्ष 2020-21 में 1.6 प्रतिशत और वित्त वर्ष 2021-22 (संशोधित अनुमान) में 2.2 प्रतिशत था। स्वास्थ्य सेवाओं और वस्तुओं पर व्यय के अलावा, आर्थिक सर्वेक्षणों के अनुमानों में स्वास्थ्य के महत्वपूर्ण सामाजिक निर्धारकों, अर्थात जल आपूर्ति और स्वच्छता पर खर्च को भी शामिल किया गया है।

सुरक्षित पेयजल और स्वच्छता का स्वास्थ्य पर महत्वपूर्ण सकारात्मक प्रभाव पड़ता है। 2019 में जल जीवन मिशन के शुभारंभ के समय केवल 3.23 करोड़ (कुल 19.4 करोड़ में से) ग्रामीण परिवारों (यानी 17 प्रतिशत) के पास नल के पानी की पहुंच थी। अब तक, 14.7 करोड़ से अधिक ग्रामीण परिवारों (यानी 76 प्रतिशत) के पास घरेलू नल कनेक्शन की सुविधा उपलब्ध है। विश्व स्वास्थ्य संगठन की एक रिपोर्ट के अनुसार, एक बार जब हर ग्रामीण घर में नल का पानी उपलब्ध हो जाता है, तो इससे 5 साल की अवधि में कुल 4 लाख लोगों की जान बच जाएगी। इसी तरह, विश्व स्वास्थ्य संगठन ने अनुमान लगाया है कि स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम) - ग्रामीण के के तहत ग्रामीण भारत खुले में शौच से मुक्त (ओडीएफ) होने से, 2014 और अक्टूबर 2019 के बीच 3,00,000 से अधिक मौतों (दस्त और प्रोटीन-ऊर्जा कुपोषण के कारण) से बचाव संभव हुआ है।

सार्वजनिक स्वास्थ्य व्यय में वृद्धि के रुझान और आम लोगों पर स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर व्यय के बोझ में लगातार कमी के साथ-साथ स्वास्थ्य सुविधाओं पर सरकारी व्यय और स्वास्थ्य सेवा पर सामाजिक सुरक्षा योजनाओं की बढ़ती हिस्सेदारी, एक अधिक प्रगतिशील स्वास्थ्य प्रणाली की ओर सकारात्मक कदम का संकेत देती है। प्रधानमंत्री स्वास्थ्य सुरक्षा योजना (जिसका उद्देश्य मेडिकल कॉलेज और नए एम्स बनाना है), प्रधानमंत्री आयुष्मान भारत इंफ्रास्ट्रक्चर मिशन (गंभीर देखभाल इकाइयां आदि बनाने के लिए) और आपातकालीन प्रत्युत्तर तथा स्वास्थ्य प्रणाली तैयारी पैकेज (जिसका उद्देश्य बाल चिकित्सा और वयस्क आईसीयू आदि विकसित करना है) जैसी विभिन्न योजनाओं के तहत इंफ्रास्ट्रक्चर के समर्थन को लेकर मिलने वाली धनराशि से देश के स्वास्थ्य संबंधी इंफ्रास्ट्रक्चर को मजबूती मिल रही है। इसके अलावा, 15वें वित्त आयोग के तहत स्थानीय निकायों को स्वास्थ्य अनुदान (70,000 करोड़ रुपये की राशि) भी प्राथमिक स्वास्थ्य प्रणाली में डाला जा रहा है। इन पूंजीगत व्यय के बल पर न केवल देश में स्वास्थ्य सेवाओं से संबंधित परिसंपत्तियों का निर्माण संभव हो रहा है, बल्कि सरकार द्वारा दीर्घावधि में राजस्व व्यय में भी वृद्धि होगी। साथ ही, केंद्र और राज्यों द्वारा समग्र सरकारी स्वास्थ्य व्यय में और वृद्धि होगी।

भारत की स्वास्थ्य प्रणाली निकट भविष्य में व्यापक स्वास्थ्य कवरेज को वास्तविकता बनाने के लिए सुधार-निष्पादन-परिवर्तन के पथ पर अग्रसर है। इस प्रयास में, स्वास्थ्य सुविधाओं को लेकर सरकारी वित्तपोषण में वृद्धि और आम लोगों द्वारा स्वास्थ्य सुविधाओं पर खर्च के बोझ में कमी के हालिया रुझान सही दिशा में हैं। **विनोद के पॉल**

अमन की फिजा में कश्मीर घाटी की अवाम भी करेगी मतदान

श्रीनगर के जिस लाल चौक पर कुछ साल पहले तक सिर्फ सुरक्षा बलों के जवानों के ही झुंड के झुंड दिखाई दिया करते थे, वहां आजकल लोकसभा चुनाव को लेकर स्थानीय लोग खुलकर राजनीतिक चर्चाएं कर रहे हैं। कश्मीर घाटी में अनुच्छेद 370 को हटाये जाने के बाद पहली बार कोई चुनाव हो रहे हैं। तब से घाटी की स्थिति में भी अभूतपूर्व बदलाव आया है। घाटी में आतंकवाद जब चरम पर चल रहा था, तब बड़ी संख्या में कश्मीरी पंडितों और अन्य लोग वहां से भागकर दिल्ली और दूसरे राज्यों में शरण ली थी। तब इनके सामने विस्थापन का संकट झेलने से लेकर अनिश्चित भविष्य की मुश्किलों का सामना करने के अलावा कोई दिशा या रास्ता भी तो नहीं था।

साल 2019 में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में गृहमंत्री अमित शाह ने अनुच्छेद 370 को समाप्त करने की घोषणा की थी। तबसे कश्मीरी हिन्दुओं में एक उम्मीद जगी है। तब से उन्हें यही महसूस हो रहा है कि अब वे किस तरह अपने कश्मीर जाकर फिर से अपनी जड़ों की ओर लौट सकेंगे। कश्मीर घाटी में आतंकवाद के दौर के बाद लाखों पंडितों ने अपमान और अत्याचार के दौर में घाटी को छोड़ा था। वे आगामी 13 मई को अपना वोट राजधानी के पृथ्वीराज रोड पर स्थित जम्मू-कश्मीर हाउस में जाकर डालेंगे। उस दिन श्रीनगर सीट के लिए वोटिंग होनी है। यहां कश्मीरी पंडितों को लोकसभा चुनाव के लिए मतदान करने की सुविधा दी गई है। इसके बाद 20 मई (बारामूला) और 25 मई को (अनंतनाग- राजौरी) में मतदान होगा। तब भी राजधानी और इसके आसपास रहने वाले कश्मीरी पंडित यहां आकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकेंगे । सरकार का कहना है कि जम्मू-कश्मीर में जल्द ही विधानसभा चुनाव भी कराकर वहां की जनता की चुनी हुई सरकार को लाने और विकास कार्य में तेजी लाकर देश की मुख्यधारा से राज्य को जोड़ने के लिए प्रयास शुरू हो चुके हैं।

लोकसभा चुनाव के लिए प्रचार अभियान में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने हाल ही में राज्य के अपने दौरे में इस बात को साफ तौर पर कहा भी था। साल 2019 में अनुच्छेद 370 हटाए जाने के बाद प्रधानमंत्री मोदी का राज्य का यह पहला दौरा था। श्रीनगर के बख्शी स्टेडियम में प्रधानमंत्री मोदी को सुनने के लिए करीब दो लाख लोग पहुंचे। इस मौके पर प्रधानमंत्री मोदी ने विस्तार से बताया था कि कैसे उनकी सरकार जम्मू-कश्मीर के हालात को बदलने और वहां के युवाओं के लिए भविष्य को संवारने के लिए काम कर रही है। राजधानी और एनसीआर में आज भी हजारों कश्मीरी पंडित रहते हैं।

ये अधिकतर दक्षिण दिल्ली में ही रहते हैं। दिल्ली में रहने वाले कश्मीरी प्रवासियों को सरकार की ओर से हर महीने मासिक राहत पैकेज दिया जाता है। पहले यह 10,000 रुपये था, लेकिन पिछले साल 2023 में दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने इसको 10,000 रुपये से बढ़ाकर 27,000 रुपये प्रति माह कर दिया था। उप राज्यपाल ने दिल्ली सरकार के कश्मीरी प्रवासी कार्डों में नाम जोड़ने को भी मंजूरी दे दी थी। इससे प्रवासियों के बड़े और विवाहित बच्चों को अपने स्वयं के कश्मीरी प्रवासी कार्ड प्राप्त करने और एएमआर के लिए पात्र बनने की अनुमति मिल गई।

उग्रवाद के दौरान विस्थापित हुए कश्मीरी परिवारों के राहत और पुनर्वास के लिए सरकार 1989-90 में एडहॉक मंथली रीलिफ (एएमआर) शुरू की थी। 16 साल बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने दिल्ली में रह रहे कश्मीर लोगों के लिए इसको बढ़ाकर कश्मीरियों के लिए एक बड़ी राहत दी है। इससे पहले 2007 में सरकार ने एएमआर को 5,000 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये कर दिया था। राहत पाने वालों की संख्या भी इस बीच काफी बढ़ी है। शुरू में जितने कश्मीरी परिवार दिल्ली में थे, अब तो उसमें काफी इजाफा हो गया है।

राजधानी के जामिया मिल्लिया इस्लामिया समेत राजधानी के तमाम विश्वविद्यालयों और कालेजों में बड़ी संख्या में कश्मीरी छात्र-छात्राएं पढ़ते हैं। काफी लोग विभिन्न सरकारी सेवाओं की प्रतियोगिताओं की तैयारी में जुटे हैं। सिविल सर्विस से लेकर सरकारी और गैर-सरकारी संस्थानों में काफी कश्मीरी युवक-युवतियां नौकरी भी कर रहे हैं। बड़ी संख्या में घाटी के युवक और युवतियां यहां अपना खुद का व्यवसाय कर रहे है। दिल्ली के अलावा राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र और दिल्ली से सटे दूसरे शहरों में भी कश्मीर से विस्थापित बड़ी संख्या में लोग रह रहे हैं। राजधानी में रह रहे कश्मीरी समुदाय का मानना है कि वर्षों बाद उनमें एक उम्मीद की किरण जगी है। घाटी से विस्थापन के बाद कश्मीरी दंपतियों के दिल्ली में जन्म लेने वाले बच्चे भी अब बड़े हो गए हैं। वे भी अब अपने पूर्वजों की जगह कश्मीर को जाकर देखना चाहते हैं।

(शख्सियत)

81 साल की उम्र में बने थे प्रधानमंत्री, मोरारजी ऐसे एकलौते राजनेता थे जिन्हें दो देशों ने सर्वोच्च सम्मान से नवाजा

भारतीय राजनीति में उम्मीदवार और दावेदार शब्द के अर्थ बहुत अलग होते हैं। जैसे अगर हम पीएम पद के उम्मीदवार और दावेदारों की बात करें तो इसके लिए कई नाम आगे आएंगे। लेकिन भारतीय राजनीति में एक नाम ऐसा था जो सबसे ज्यादा लंबे समय तक पीएम पद का उम्मीदवार नहीं बल्कि दावेदार रहा। आज भी उनका रिकॉर्ड नहीं टूटा है और शायद ही कभी टूट सके। हम उन्हें पूर्व प्रधानमंत्री के तौर पर भी जानते हैं। आपको बता दें कि यहां पर बात हो रही है। भारत के पूर्व पीएम मोरारजी देसाई की। आज ही के दिन यानी की 10 अप्रैल को उनका निधन हो गया था। आइए जानते हैं उनकी जिंदगी से जुड़ी कुछ खास बातों के बारे में...

जन्म और शिक्षा

बॉम्बे प्रांत (आज के गुजरात) भलसार जिले के भदेली गांव में 29 फरवरी 1896 को मोरारजी रणछोड़जी देसाई का जन्म हुआ था। यह अत्याधिक रूढ़िवादी ब्राह्मण परिवार में जन्मे थे। देसाई के पिता रणछोड़जी देसाई भावनगर में एक स्कूल टीचर थे और उनकी मां वीजाबाई थीं। देसाई ने अपनी शुरुआती शिक्षा संत भुसार सिंह हाई स्कूल से पूरी की। इसके बाद आगे की पढ़ाई के लिए देसाई जी ने मुंबई के विल्सन कॉलेज में एडमिशन लिया। लेकिन आर्थिक परेशानियों के कारण इनके पिता ने सुसाइड कर लिया। जिसके बाद देसाई के घर के हालात और अधिक बिगड़ गए। लेकिन उन्होंने कभी भी मुश्किल समय में हार नहीं मानी।

ग्रेजुएशन पूरा होने के बाद मोरारजी ने सिविल की परीक्षा पास की और साल 1981 में सिविल सर्विस शुरू कर दी। वह 12 सालों तक डिप्टी कलेक्टर के पद पर कार्यरत रहे। डिप्टी कलेक्टर के पद में कार्य के दौरान गुजरात में देसाई जी महात्मा गांधी और बाल गंगाधर तिलक के संपर्क में आये। देसाई तिलक और गांधी जी से काफी प्रभावित हुए। बता दें कि घर की विषम परिस्थितियों ने मोरारजी को काफी कठोर बना दिया था। जिस कारण उन्हें कांग्रेस का अड़ियल नेता भी कहा जाता था।

स्वतंत्रता सेनानी

मोरारजी ने साल 1929 में सरकारी नौकरी छोड़ दी और भारत की आजादी की लड़ाई में हिस्सा ले लिया। इस दौरान उन्होंने सविनय-अवज्ञा आन्दोलन में भाग लिया। स्वतंत्रता की लड़ाई के दौरान साल 1930 में वह 3 बार जेल गए। 1930 में ही देसाई कांग्रेस पार्टी से भी जुड़ गए थे। कार्य के प्रति लग्न को देख कर साल 1937 में देसाई जी को गुजरात प्रदेश कांग्रेस का अध्यक्ष बना दिया गया। इसके बाद गांधी जी द्वारा सत्याग्रह आंदोलन में भाग लेने के कारण मोरारजी को जेल भेज दिया गया था। जहां से यह साल 1941 में मुक्त हुए और 1942 में भारत छोड़ो आंदोलन के लिए फिर से जेल गए। इस दौरान वह साल 1945 में बाहर आए।

राजनैतिक सफर

साल 1946 में देसाई जी को करमंत्री एवं गृहमंत्री बनाया गया और साल 1952 में बम्बई का मुख्यमंत्री बनाया गया। इस दौरान महाराष्ट्र और गुजरात को राज्य बनाने की मांग को लेकर हुए आंदोलनों का उन्होंने विरोध किया। इसके बाद उन्होंने दिल्ली की राजनीति में प्रवेश किया। यहां वह नेहरू के कैबिनेट में वित्त मंत्री के तौर पर शामिल हुए। हालांकि पार्टी के विचारों और मोरारजी के विचारों में कई बार मतभेद और टकराव होते रहे।

साल 1964 में जवाहरलाल नेहरु के निधन के बाद मोरारजी देसाई अगले पीएम बनना चाहते थे। सिर्फ मोरारजी ही नहीं बल्कि अन्य नेता भी उन्हें प्रधानमंत्री पद का सबसे मजबूत दावेदार मान रहे थे। लेकिन इस दौरान सत्ता संभाली इंदिरा गांधी ने और मोरारजी को उप-मुख्यमंत्री बनाया गया। हालांकि मोरारजी इससे खुश नहीं थे। क्योंकि उन्हें लगता था कि वह इंदिरा गांधी से ज्यादा योग्य हैं। इसीलिए उनके और पूर्व पीएम इंदिरा गांधी के बीच संबंध अच्छे नहीं थे। मोरारजी पार्टी के लिए नई मुश्किलें पैदा करने लगे थे। वहीं इंदिरा गांधी और मोरारजी के बीच काफी विवाद भी हुआ था। साल 1969 में वैचारिक मतभेद अधिक बढ़ने के कारण कांग्रेस पार्टी के दो टुकड़े हो गये।

दैनिक पंचांग

04 मई 2024 को सूर्योदय के समय की ग्रह स्थिति

मशरूम उगायें

आयस्टर मशरूम की उत्पादन तकनीक को निम्न 4 भागों में बांट सकते हैं।

- मशरूम स्पान (बीज) उत्पादन
- माध्यम का उपचार
- माध्यम में स्पान मिश्रण
- मशरूम फसल प्रबंध

मशरूम स्पान (बीज) उत्पादन

आयस्टर मशरूम स्पान प्रमाणित प्रयोगशालाओं से ही प्राप्त करें स्पान बीज देखने में एकदम सफेद रेशेदार फफूंद से घिरा हो। यदि थैली के अंदर काले मटमैले या गहरे पीले धब्बे बनते हैं तो ऐसे बीज संक्रमित बीज होता है। इस प्रकार के बीज का चयन नहीं करना चाहिए. स्पान संभवत: ताजा हो, अधिक पुराना (1.5–2 माह) स्पान प्रयोग नहीं करना चाहिए.

माध्यम का उपचार

उपयुक्त माध्यम के रूप में धान की पैरा कुट्टी, गेहूं का भूसा या गेहूं+सोयाबीन का भूसा प्रयोग किया जा सकता है. इन माध्यमों को फसल कटाई के पश्चात अच्छे से सुखाना चाहिए माध्यम को डेढ़ से दो इंच लम्बाई का काट ले फिर इस पैरे या गेहूं के भूसे को 14 घंटे के लिये स्वच्छ जल में भिगोकर रख दें। भूसे को निथारते हुए साफ-सुथरी ढलान वाली पक्की फर्स पर बिछाकर रखें।

माध्यम का निर्जीवीकरण

गर्म पानी द्वारा – उबले पानी में तैयार माध्यम को आधा घंटे तक भिगोकर रखें।

रसायन द्वारा– 10 किलो सूखा पैरा या गेहूं के भूसे को 100 लीटर पानी जिसमें 7.5 ग्रा. बाविस्टीन एवं 135 मि.ली. फार्मेलिन मिला हो इस पानी में 18–20 घंटे तक भिगोकर रखें.

माध्यम से स्पान मिश्रण

माध्यम में स्पान मिश्रण की अनेक विधियां हैं। जिसमें सम्पूर्ण मिश्रण विधि, तह विधि एवं समूह में दाने मिश्रण विधि प्रमुख हैं। इन तीनों विधियों में प्रथम दो विधि से स्पान मिश्रण प्राय: किया जाता है। स्पान को विभिन्न प्रकार की पारदर्शी थैलियों में भरा जाता है एवं इसे मशरूम उत्पादन कक्ष में स्थानान्तरित किया जाता है।

मशरूम फसल प्रबंधन

मशरूम फसल प्रबंधन मशरूम उत्पादन का सबसे महत्वपूर्ण पहलू है. स्पान मिश्रित थैलियों को 15-20 दिन के लिये ऐसे कक्ष में रखा जाता है जहां मशरूम फफूंद की वानस्पतिक वृद्धि के लिये थोड़ा अधिक तापक्रम (28-30 डिग्री से.ग्रे.)होता है। 12 से 15 दिनों में मशरूम स्पान संपूर्ण माध्यम में फैल जाता है जिससे माध्यम सफेद दूधिया रंग का दिखाई देने लगता है। इस अवस्था में थैलियों से पालीथिन फाड़कर अलग कर दें। पॉलीथिन हटाने के पश्चात मशरूम के कवकजाल से सम्पूर्ण माध्यम एक पिंडनुमा संरचना बन जाता है। पॉलीथिन हटाने 3-4 दिन पश्चात फफूंद की पिन हेड अवस्था दिखाई देने लगती है जिसमें छोटे-छोटे सफेद दाने माध्यम में दिखाई देते है। ये दाने 7 दिन में बढ़कर संपूर्ण छत्तानुमा संरचना बना लेते हैं।

तुड़ाई

जब ये छत्तानुमा संरचना के किनारे अंदर की ओर मुड़ने लगे तब हल्का सा मोड़कर इसकी तुड़ाई कर लेते हैं। पहली फसल 22-25 दिन में प्राप्त हो जाती है। दूसरी और तीसरी फसल क्रमशः 5-7 दिन के अंतराल से प्राप्त हो जाती है इस तरह एक फसल चक्र में 45-50 दिन लग जाते हैं एवं 4-5 फसलें जुलाई से मार्च माह तक ली जा सकती है। मशरूम की एक फसल में 1 कि.ग्रा. सूखा माध्यम से 600 से 800 ग्राम ताजा मशरूम मिल जाता है।

आयस्टर मशरूम उत्पादन तकनीक

- 10 कि.ग्रा. सूखा पैरा कुट्टी या गेहूं का भूसा लें।
- 100 लीटर पानी जिसमें 7.5 ग्राम बाविस्टीन (75 पीपीएम)+125 मि.ली. फार्मेलिन (500 पीपीएम), 10-16 घंटे भिगायें।
- भूसे से पानी निकालकर इतना सुखाना है ताकि गीला भूसा का वजन सूखे भूसे की तुलना में 2.5 से 3 फीसदी बढ़ जाये (68-70 प्रतिशत नमी)।
- स्वच्छ जगह में गीले भूसे में 30 ग्राम प्रति किलो कुट्टी के हिसाब से मशरूम स्पान मिलायें।
- स्पान मिश्रित पैरा कुट्टी को प्लास्टिक थैली में 4 किलो कुट्टी प्रति थैली के हिसाब से दबाकर भरें।
- थैली भरते समय थैली का एक चौथाई भाग खाली रखना है एवं थैली के निचले दोनों किनारों पर 5-7 छिद्र करें।
- थैली को ठंडे स्थान में लककियों की रेकों में रखें या सुतली के माध्यम से लटकन विधि में एक के ऊपर एक 4-5 थैली लटका दें।
- 15-20 दिन बाद संपूर्ण थैली सफेद दूधिया रंग की दिखने पर पॉलीथिन थैली को हटाकर पिंडनुमा संरचना को सुतली से लटका दें।
- प्रथम तुड़ाई थैली काटने के 5-7 दिन बाद, दूसरी तुड़ाई प्रथम तुड़ाई के 5-7 दिन बाद तथा तीसरी तुड़ाई दूसरी तुड़ाई के 5-7 दिन बाद लें।
- एक फसल में 45-50 दिन तथा उपज 500-800 ग्राम ताजा मशरूम/किलो सूखा भूसा प्राप्त हो जाता है।

ध्यान देने योग्य बिन्दु

1. मशरूम स्पान का माध्यम में पूर्ण फैलाव होने तक थैलियों में अतिरिक्त पानी देने की आवश्यकता नहीं होती है परंतु थैली के काटने के पश्चात पिंडनुमा संरचना सदैव नम होना चाहिये। इसको नम रखने के लिय ठंड के मौसम में 2-3 बार एवं गर्म मौसम होने पर दिन में 4-5 बार स्प्रेयर से पानी की सिंचाई करना चाहिए. आयस्टर मशरूम के अधिक उत्पादन हेतु ठंडा एवं नम वातावरण की आवश्यकता होती है। सीधा सूर्य का प्रकाश उत्पादन कक्ष में प्रवेश नहीं करना चाहिए। कक्ष में शुद्ध हवा का आवागमन अति आवश्यक हैं। इन मौसमीय परिस्थितियों के समुचित प्रबंधन से आयस्टर मशरूम की अच्छी उपज प्राप्त की जा सकती है।

पशुओं का स्वास्थ्य प्रबंधन

गलघोंटू

यह बीमारी पाश्चुरेल्ला मल्टोसिडा नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होती हैं।

लक्षण

इस बीमारी से ग्रसित पशु को तेज बुखार (106 से 108 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं मुंह से बहुतायत में लार बहती हैं, सिर में तथा अगले दोनों पैरों के बीच दुखदायी सूजन, पेटशूल तथा भूख न लगना, साँस लेने में तकलीफ, खून भरे दस्त, आंखों में सूजन, जीभ बड़ी तथा लाल होना, गिटकने में कठिनाई आदि लक्षण दिखाई देते हैं।

बचाव

बरसात से पूर्व गलघोंटू रोग विरोधी टीका ऑईल ॲडज्युव्हंट-वैक्सीन जिस पशु का शरीर भार 150 कि.ग्रा. तक हैं उन्हें लगवायें। जिन पशुओं का शरीर भार 150 किलो से ज्यादा हैं उन्हें ॲलम प्रेसिपिटेटेड वॅक्सीन 5 से 10 मिली त्वचा के नीचे लगवायें। टीकाकरण करने से पशु के शरीर में एक वर्ष तक इस रोग विरोधी शक्ति बनी रहती हैं। टीकाकरण न करने पर पशु की मृत्यु हो सकती हैं।

जहरी बुखार

इसे अंग्रेजी भाषा में ॲथ्रेक्स कहते हैं तथा ये बॅसिलस ॲथ्रॅसिस नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं।

लक्षण

पशु को तेज बुखार होता है, पेट फूल जाता हैं, सभी प्राकृतिक छिद्रो से यानि नॉक, मुंह, योनी द्वार, गुद्वार, कान से गहरे काले रंग का खून

बहता हैं जो जमता नहीं हैं यह इस बीमारी का प्रमुख लक्षण हैं। बीमारी बढ़ने पर पशु की मृत्यु हो जाती हैं।

बचाव

बरसात से पहले इस रोग विरोधी टीका ऑरी अंथ्रंक्स सीरम और साथ ही ब्रॉड स्पेक्ट्रम प्रति जैविक अंटीसीरम 100 से 350 मि.ली नस में लगवायें।

लंगड़ा रोग

अंग्रेजी में इस रोग को ब्लॅक क्वार्टर नाम से जाना जाता हैं तथा यह क्लोस्ट्रीडियम शोव्हाय नामक जीवाणुओं के प्रकोप से होता हैं.

लक्षण : पशु को तेज बुखार होता हैं, पुट्ठों पर विशेषकर पिछले पुट्ठे पर तथा शरीर में सूजन पैदा हो जाती है। पुट्ठों पर जो सूजन पैदा होती हैं उसे दबाने पर करकर जैसी आवाज आती हैं क्योंकि उसमें जीवाणु गैस (वायु) पैदा करते हैं।

बचाव : बरसात से पूर्व इस रोग विरोधी टीका (अंटीसीरम) 200 से 400 मिली नस में लगवायें।

उपाय : पेनीसिलीन, सिप्रोफ्लोक्सासीन तथा नॉर फ्लोक्सासीन जैसे प्रति जैविक इस रोग को नियंत्रण करने में काफी प्रभावशाली पाये गये हैं। लेकिन पशुओं को इस रोग की बाधा होती ही नहीं चाहिए इसलिये इस रोग विरोधी टीका बरसात से पहले अवश्य लगवा लें.

खुरपका-मुंहपका रोग

इसे अंग्रेजी भाषा मे फूट अंड माउथ डिसीज कहते हैं क्योंकि इस रोग से ग्रसित पशु के पैर तथा मुंह दोनों ज्यादा प्रभावित होते हैं.

लक्षण

इस रोग से ग्रसित पशु को तेज बुखार (104 से 106 डिग्री सेल्सियस तक) हो जाता हैं। पशु के मुंह में छाले हो जाते हैं जो बाद में फूट जाते हैं और वहाँ जख्म बन जाते हैं। इससे पशु के मुंह से लगातार चिपचिपी लार टपकती रहती हैं जो गाढ़ी होती हैं और मुंह से जमीन तक तार के माफिक टपकती रहती हैं। पशु के मुंह में दर्द होने से वह कुछ भी खा नहीं सकता अतः कमजोर हो जाता हैं। इसी प्रकार उसके खुरों के बीच भी फोड़े बन जाते हैं जो बाद में फूटकर वहां भी जख्म बन जाते हैं। पशु को काफी दर्द होने से वह चल-फिर नहीं सकता। अतः चराई नहीं कर सकता। जिससे वह और भी कमजोर हो जाता हैं। रोग के बढ़ने पर मुंह तथा खुर पैर टेढ़े हो जाते हैं. देशी जातियों की गायों की इस रोग-विरोधी शक्ति संकर तथा विदेशी पशुओं की अपेक्षा ज्यादा होने से वह मरती नहीं हैं लेकिन शरीर में विकृतियाँ जैसे मुंह तथा खुर टेढे होना मुंह के भीतर के दाँत गिर जाना आदि नुकसान तो निश्चित होते ही हैं.

उपाय

बचाव: यह रोग विषाणु जन्य होने के कारण इस रोग का कोई उपाय नहीं हैं। रोग होने पर प्रति जैविक देना चाहिए लेकिन पशुओं को यह रोग होना ही नहीं चाहिए इसलिये बरसात से पूर्व इस रोग-विरोधी टीका क्वाड्री -व्हॅलंट फील्ड,वॅक्सीन चमड़ी के नीचे लगवाना चाहिए। यह वर्ष में दो बार लगवायें। यह करवाने से हम अपने अमूल्य पशुधन को इस बीमारी से बचाये रख सकते हैं। अतः टीकाकरण अवश्य करवायें।

फोन या मिलकर कर सकते है प्रेक्षक से चुनाव संबंधित शिकायत

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। लोकसभा चुनाव को सकुशल, निर्विघ्न एवं शांतिपूर्ण संपन्न कराए जाने हेतु सामान्य प्रेक्षक, व्यय एवं पुलिस प्रेक्षक जनपद आ चुके हैं। उप जिला निर्वाचन अधिकारी अरूण कुमार गोंड ने बताया कि सामान्य प्रेक्षक डा. विशाल आर का मोबाइल नं0 8739029415 एवं लाइजनिंग ऑफिसर जिला खनन अधिकारी अजीत कुमार पाण्डेय का मोबाइल नं0 8887534779 है।

पुलिस प्रेक्षक एसआर ओडेडरा का मोबाइल नम्बर 7991569415 एवं लाइजनिंग ऑफिसर सब रजिस्टार शरदेन्दु मिश्रा का मोबाइल नं0 9415878750 हैं। व्यय प्रेक्षक विनय कुमार थामी का मोबाइल नं0 8931079415 एवं लाइजनिंग आफिसर असिस्टेन्ट इंजीनियर सौरभ चतुर्वेदी का मोबाइल नं0 8287425322 हैं। निर्वाचन से संबंधित कोईभी जानकारी, सुझाव या शिकायत प्रत्याशी अथवा अन्य कोई व्यक्ति प्रत्येक दिन सुबह 10 से 11 बजे तक कांशीराम गेस्ट हाउस, ओसा में संपर्क कर तथा मोबाइल नम्बरों पर जानकारी या शिकायत कर सकतें हैं।

प्रेक्षक ने कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर किया अवलोकन

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। सामान्य प्रेक्षक डा. विशाल आर ने शुक्रवार को निर्वाचन कंट्रोल रुम का निरीक्षण कर सी-विजिल पोर्टल पर प्राप्त शिकायतों, एफएसटी एवं एसएसटी द्वारा की गई कार्यवाही, सोशल मीडिया अंतर्गत मतदाता जागरूकता संबंधित पोस्ट एवं डीसीसी मतदाता हेल्पलाइन-1950 नंबर पर प्राप्त शिकायतों का अवलोकन किया। निरीक्षण के दौरान जिला निर्वाचन अधिकारी राजेश कुमार राय, उप जिला निर्वाचन अधिकारी अरुण कुमार गोंड, अपर जिलाधिकारी प्रबुद्ध सिंह, प्रभारी कंट्रोल रूम जगदीश लाल एवं ई-डिस्टिक मैनेजर कीर्त कुमार उपस्थित रहें।

कंट्रोल रूम का निरीक्षण कर अवलोकन करते सामान्य प्रेक्षक डा. विशाल आर

पिकअप की टक्कर से जख्मी किशोर की इलाज के दौरान मौत

स्वतंत्र चेतना

मंझनपुर, कौशांबी। महेवाघाट कोतवाली के बैरागीपुर गांव के समीप सोमवार की शाम पिकअप की टक्कर से जख्मी किशोर की गुरुवार की रात इलाज के दौरान मौत हो गई। किशोर की मौत से स्वजनों में कोहराम मच गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने कानूनी औपचारिकता पूरी की।

महेवाघाट के घोघ का पुरवा निवासी राहुल (15) पुत्र जगदीश प्रसाद गत सोमवार की शाम साईकिल से घर लौट रहा था। बैरागीपुर गांव के समीप पश्चिमशरीरा की ओर से आ रही तेज रफ्तार पिकअप ने उसे जोरदार टक्कर मारते हुए जख्मी कर दिया। हादसे में घायल किशोर को नजदीकी अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती कराया गया। हालत गंभीर देख डॉक्टरों ने एसआरएन के लिए रेफर कर दिया। गुरूवार की शाम किशोर की उपचार के दौरान मौत हो गई।

परीक्षाफल में सुधार को बेस्ट प्रैक्टिस साझा करेंगे सर्वश्रेष्ठ कॉलेज

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। नए शैक्षिक सत्र 2024-25 को लेकर माध्यमिक शिक्षा विभाग ने 50 फीसदी से कम परिणाम लाने वाले कॉलेजों में सुधार का जिम्मा अच्छा रिजल्ट लाने वाले विद्यालयों को सौंपा है। यह

अच्छा परिणाम लाने वाले कॉलेज बनेंगे मार्गदर्शक

विद्यालय आपस में संवाद कर अपनी बेस्ट प्रैक्टिस साझा करेंगे।

परीक्षाफल में सुधार के लिए जिले से एक राजकीय, एक सहायता प्राप्त व एक वित्तविहीन विद्यालय, जिनका परीक्षाफल सर्वश्रेष्ठ रहा है, उनका चयन होगा। चयनित विद्यालयों के प्रधानाचार्यो का कम परीक्षाफल वाले राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों से संवाद कराया जाएगा। साथ ही अगले साल के परीक्षाफल को बेहतर करने की एक कार्ययोजना तैयार होगी। पठन-पाठन से जुड़ी प्रक्रिया, उनकी बेस्ट प्रैक्टिस, शैक्षिक कैलेंडर भी साझा किया जाएगा। नामित नोडल अधिकारी मंडलीय उप शिक्षा निदेशक के समन्वय से आगामी 20 मई तक विस्तृत कार्यक्रम बनाकर डीआईओएस इसका अनुपालन कराएंगे।

> कालेजों में परीक्षाफल सुधार का यह जिम्मा सराहनीय है। इससे कम परीक्षाफल वाले राजकीय व सहायता प्राप्त माध्यमिक विद्यालयों को सीख मिलेगी और भविष्य में बच्चों के बेहतर परिणाम आएंगे।
> सच्चिदानंद यादव
> डीआईओएस, कौशांबी।

अंतिम दिन पांच निर्दलियों ने किया नामांकन

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। संसदीय क्षेत्र कौशांबी से लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए शुक्रवार को नामांकन के अंतिम दिन पांच निर्दलीय प्रत्याशियों ने अपना नामांकन पत्र दाखिल किया। इनमें शैलेंद्र, पुष्पेंद्र सिंह, भैरव प्रसाद, श्यामजी, पुष्पेंद्र कुमार शामिल रहे। इसी के साथ अब तक मुख्य दलों समेत कुल 19 प्रत्याशी अपना नामांकन पत्र दाखिल कर चुके है। चार मई शनिवार (आज) को सभी नामांकन पत्रों की जांच होगी और छह मई को नामांकन पत्रों की वापसी होगी।

जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान को मिलेंगे पांच टैबलेट

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। प्राथमिक एवं उच्च प्राथमिक विद्यालयों में टैबलेट वितरण के बाद अब जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान (डायट) को भी टैबलेट दिए जाने की विभाग ने तैयारी शुरू की है। इससे डायट में प्रशिक्षण ले रहे भावी शिक्षकों को भी ऑनलाइन पठन-पाठन की सुविधा दी जाएगी। पहले चरण में डायट को पांच-पांच टैबलेट देने की योजना है।

सूबे के प्रत्येक विभाग में डिजिटल कामकाज पर शासन द्वारा विशेष ध्यान दिया जा रहा है। पिछले दिनों परिषदीय विद्यालयों को दो-दो टैबलेट दिए गए थे। अब इसे आगे बढ़ाते हुए सभी डायट को भी टैबलेट देने का काम तेज हो गया है। इससे हाल ही में डायट में तैयार आईसीटी लैब का काम भी आसान हो जाएगा। जिला शिक्षा एवं प्रशिक्षण संस्थान मंझनपुर की प्राचार्य भारती त्रिपाठी ने कहा कि टैबलेट से डायट का कामकाज भी ऑनलाइन होगा। प्रथम चरण में पांच टैबलेट मिलने से कार्यालय के ऑनलाइन कामों में सहूलियत मिलेगी।

सपा को एक और झटका, पूर्व प्रत्याशी ने समर्थकों संग छोडा.साथ

जल्द ही थाम सकते हैं भाजपा का दामन

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। दोआबा में प्रमुख विपक्षी दल सपा को एक और झटका लगा है। पूर्व मंत्री मतेशचंद्र सोनकर केबाद अब चायल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी रामचंद्र पासी ने भी तमाम समर्थकों के साथ साइकिल की सवारी से किनारा कर लिया है। माना जा रहा है कि वह जल्द ही भाजपा का दामन थामेंगे। उन्होंने इस बात के संकेत भी दिए हैं।

कौशांबी संसदीय सीट से सपा ने पार्टी के राष्ट्रीय महासचिव इंद्रजीत सरोज के बेटे पुष्पेंद्र सरोज को मैदान में उतारा है। इससे नाराज खांटी सपाईयों ने पुष्पेंद्र का विरोध शुरू कर दिया हैं। गुरुवार को पुष्पेंद्र के नामांकन में इसकी झलक भी तब देखने को मिली थी, जब पुराने समाजवादी वहां नजर नहीं आए थे। पुष्पेंद्र का विरोध इस कदर है की पार्टी में इस्तीफे का दौर चल पड़ा है। पूर्व मंत्री मतेश चंद्र सोनकर ने भी इससे पहले इस्तीफा दिया था। जिसके कुछ दिन बाद चायल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी चंद्रबली पटेल ने अपने दर्जनों समर्थकों के साथ मंझनपुर कस्बे के एक गेस्ट हाउस में पार्टी छोड़ने का एलान किया था। अब चायल विधानसभा के पूर्व प्रत्याशी और सपा नेता रामचंद्र पासी ने भी पार्टी को बाय कह दिया है। चायल क्षेत्र के तिल्हापुर गांव निवासी रामचंद्र पिछले 30 सालों से सपा में थे। वह लोकसभा का चुनाव लड़ चुके पूर्व ब्लॉक प्रमुख गिरीश पासी के भाई हैं। ऐसे में कयास ये भी लगाए जा रहे हैं कि पूर्व ब्लॉक प्रमुख गिरीश पासी भी जल्दी ही सपा का दामन छोड़ सकते है।

इन्होंने भी कहा सपा को अलविदा

कौशांबी। रामचंद्र पासी ने बताया कि उनके साथ ही रामपुर प्रधान विजय कुमार पासी, बिरनेर के पूर्व प्रधान भोला पाल, उमरवल प्रधान अर्जुन पासी, पूर्व प्रधान पिपरहटा राजेश पासी, गौरा प्रधान राजेंद्र पासी, पूर्व प्रधान तिलगोड़ी रामनाथ पासी, पूर्व प्रधान बूंदा शिवलाल पासी, फूलचंद्र पासी आदि ने भी सपा को छोड़ दिया है।

चलो मिलकर हाथ बढ़ाएं दिव्यांगजनों को बूथ पर लाएं

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। चायल विकास खण्ड के प्राथमिक विद्यालय चायल में शिक्षिका रीतिका मिश्रा की अगुआई में दिव्यांग मतदाताओं को बूथ तक लाने व उन्हें प्रेरित

मतदाताओं को प्रेरित करने के लिए छात्रों ने प्रस्तुत की लघु नाटिका

करने को छात्रों ने एक लघु नाटिकाओं की प्रस्तुति दी। नाटिका के जरिये दिव्यांग मतदाताओं को मतदान करने व उनका मनोबल बढ़ाने का बेहतरीन वीडियो सोशल मीडिया पर भी खूब प्रसारित भी हो रहा है।

नाटिका के माध्यम से जहां एक तरफ चुनावों को समावेशी, सुगम और सहभागी बनने के लिए जागरूक किया गया। वहीं, दूसरी तरफ युवा, बुजुर्ग व दिव्यांग मतदाताओं को बूथ पर लाकर सम्मानित करने की अपील की गई। इस दौरान सारे काम छोड़ देना, सबसे पहले वोट देना। लोकतंत्र का आधार, मतदान का अधिकार। सही बनें, योग्य चुनें आदि नारों से प्राथमिक विद्यालय चायल गूंज उठा। शिक्षिका रीतिका मिश्रा ने बताया कि जागरूकता की अगली कड़ी में मतदाताओं को स्वतंत्र, निष्पक्ष एवं शांतिपूर्ण ढंग से मतदान के लिए शपथ दिलाई जाएगी।

लघु नाटिका प्रस्तुत करते प्राथमिक विद्यालय चायल के छात्र

चार दीवारी फांदकर परिषदीय विद्यालय में तोड़फोड़

विद्यालय में अराजक तत्वों द्वारा तोड़ी गई समरसेबल की पाइप

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। विकास खंड कौशांबी के उच्च प्राथमिक विद्यालय बैगवां में आए दिन अराजक तत्वों द्वारा चारदीवारी फांद कर तोड़फोड़ करना तथा विद्यालय की परिसंपत्ति को क्षतिग्रस्त करना आम बात सी हो गई है। प्रधानाध्यापक ने बताया कि गुरुवार की रात्रि अराजक तत्वों ने विद्यालय की चारदीवारी फांद कर विद्यालय में प्रवेश किया और समरसेबल की पाइप व मल्टीपल हैंड वॉश की 10 टोंटियां तोड़कर चूर कर दिया। इसके पहले भी तीन से चार बार बिद्यालय में तोड़फोड़ हो चुकी है। कहा कि विद्यालय से महज तीन सौ मीटर की दूरी पर देशी शराब का ठेका है। आए दिन अराजक तत्व चारदीवारी फांदकर विद्यालय में तोड़ फोड़ करने के साथ शराब की बोतले फेंककर चले जाते है। जिसकी सूचना कौशाम्बी थाना में कई बार दी जा चुकी है। फिर भी अराजक तत्वों के कारनामों में किसी प्रकार की कमी नही हो पा रही है। शुक्रवार को प्रधानाध्यापक ने घटना की सूचना विभागीय अधिकारियों सहित कौशाम्बी थाना पुलिस को देकर कार्रवाई की मांग की है।

खिलाड़ी सुनीता को बेसिक शिक्षक परिवार कौशांबी की कोर टीम ने पुष्पगुच्छ देकर दी बधाई

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। बेसिक शिक्षक परिवार कौशांबी की कोर टीम ने शुक्रवार को खिलाड़ी सुनीता के घर जाकर शिष्टाचार मुलाकात की और उन्हें देश, प्रदेश और जनपद का नाम रौशन करने के लिए पुष्पगुच्छ देकर हार्दिक बधाई दिया।

जनपद के बरई बंधवा गांव के साधारण किसान चुन्नीलाल की बेटी सुनीता कुमारी ने जूनियर एथलेटिक्स एशियाई अंडर 20 प्रतियोगिता दुबई में भारत का प्रतिनिधित्व करते हुए कांस्य पदक जीता। इससे पहले सुनीता अंडर-18 प्रतियोगिता में देश के लिए रजत पदक जीत चुकी हैं। खिलाड़ी सुनीता ने कहा कि देश के लिए प्रदर्शन करने पर गर्व होता है। अभी अंडर 20 में कांस्य लिया है। एक वर्ष का समय अभी शेष है। पूरा प्रयास होगा कि अपना सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन करके देश को गोल्ड दिला सकूं। इस मौके पर बेसिक शिक्षक परिवार कौशांबी की ओर से नागेश सिंह, अवनीश यादव, रितिक कुमार और अतमम अली मौजूद रहे।

खिलाड़ी सुनीता को पुष्पगुच्छ देकर बधाई देती बेसिक शिक्षक परिवार कौशांबी की कोर टीम

रुपये लेकर भाग रहे युवक को लोगों ने दबोचा

स्वतंत्र चेतना

सिराथू, कौशांबी। सैनी कोतवाली के सिराथू में बाइक की डिग्गी से रूपया लेकर भाग रहे एक युवक को

दूसरा भागने में रहा सफल, हिरासत में लेकर जांच में जुटी पुलिस

लोगों ने दौड़ाकर धर दबोचा। जबकि दूसरा वाहन समेत फरार हो गया। पिटाई के बाद युवक को लोगों ने पुलिस के हवाले कर दिया। युवक को हिरासत में लेकर पुलिस पूछतांछ में जुट गई है।

फतेहपुर जनपद के खागा कोतवाली अन्तर्गत डडीयापुर निवासी दिनेश कुमार पुत्र त्रिभुवन प्रसाद एसएवी इंटर कॉलेज सैनी में बाबू हैं। बेटी की शादी का कर्ज देने के लिए वह सिराथू स्थित एक बैंक से शुक्रवार को डेढ़ लाख रुपये निकाल कर बाइक की डिग्गी में रखने के बाद उसे खड़ी कर सामान खरीदने लगे। बाइक से आए दो लोग डिग्गी में रखा डेढ लाख रुपया लेकर भागने लगे। मौजूद लोगों ने दौड़ाकर एक आरोपी को धर दबोचा, जबकि दूसरा बाइक लेकर चंपत हो गया। पकड़ा गया आरोपी गोंडा जिले के बनगई गांव का रामनन्दन सिंह बताया जा रहा है। सैनी पुलिस युवक को हिरासत में लेकर पूछतांछ शुरू कर दी है।

सुलह न होने पर मिली जानलेवा धमकी

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। दहेज उत्पीड़न के मुकदमें में सुलह न होने पर ससुरालियों ने फोन पर जानलेवा धमकी दी। महिला के मामा ने शुक्रवार को मामले की शिकायत एसपी से कर कार्रवाई की मांग किया है। एसपी बृजेश कुमार श्रीवास्तव ने मामले की जांच कराकर कार्रवाई का भरोसा दिया है।

गोराजू निवासी शाबान पुत्र शमशेर अली ने बताया कि भांजी सबानाज का ससुराली दहेज को लेकर उत्पीड़न कर रहे थे। मामले में मुकदमा दर्ज है। गुरुवार को सुबह एसपी कौशांबी के नाम से फोन आया और गिरफ्तारी के लिए 3250 रुपया ऑनलाइन जमा करने की बात कही गई। मना करने पर गाली गलौच के साथ सुलह नहीं होने पर परिजनों को जान से मार देने की धमकी दी गई।

आधा दर्जन गांवों में नुक्कड़ सभा कर सांसद ने मांगा जनसमर्थन

स्वतंत्र चेतना

कौशांबी। पिछले 10 वर्षों में देश की दशा और दिशा पूरी तरह से बदल गई है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश विश्व गुरु बनने की ओर अग्रसर है। चाहे आर्थिक व्यवस्था हो या विकास की बात हर कठिन चुनौतियों को पीएम ने अपने कुशल नेतृत्व में सफल साबित किया है। यह बातें भाजपा प्रत्याशी सांसद विनोद सोनकर ने शुक्रवार को लोधौर, दानपुर महावा, रक्सौली, डक शरीरा, हटवा व मंझनपुर कस्बे में नुक्कड़ सभा के दौरान कही।

उन्होने पार्टी के पक्ष में जनता से समर्थन मांगा और पुनः केंद्र में नरेंद्र मोदी को प्रधानमंत्री बनाने में सहयोग की अपील करते हुए कहा कि देश के गांव गरीब, किसान, मजदूर, युवा, छात्र, महिलाओं के विकास के लिए अनेक कल्याणकारी योजनाओं को संचालित कर देश को विकसित राष्ट्र की ओर ले जाने को अग्रसर हैं। इस मौके पर पूर्व विधायक लाल बहादुर, मंझनपुर नगर पालिका अध्यक्ष वीरेंद्र सरोज फौजी, संगीता सरोज, अजय पांडेय, दिनेश पांडेय, हुबलाल दिवाकर, जितेंद्र सोनकर, अरुण पटेल, दीप नारायण पांडेय, कल्लू करवरिया, प्रवीण सिंह पटेल, भूपेंद्र सिंह पटेल आदि मौजूद रहे।

दर्शन को आई महिला की जंजीर गायब

स्वतंत्र चेतना

देवीगंज, कौशांबी। शक्तिपीठ कड़ाधाम में मां शीतला के दर्शन को आई महिला की सोने की चैन गायब हो गई। महिला ने मामले की शिकायत कड़ाधाम पुलिस से कर कार्रवाई की मांग किया है।

जौनपुर जनपद के कोटगांव रामपुर निवासी लालती देवी पत्नी कैलाश नाथ यादव शुक्रवार को परिवार के साथ मां शीतला के दर्शन को आई थी। वह पंडा गिरजा शंकर के यहां माता शीतला को प्रसाद चढ़ाने के लिए हलवा, पूड़ी परिवार सहित बना रही थी। इसी दौरान वह पास के नास्ते की दुकान पर अपने नाती के लिए कुछ खाने पीने का सामान लेने गई थी। महिला के मुताबिक इसी दौरान उसकी एक तोले सोने की जंजीर किसी ने पार कर दिया। जंजीर चोरी होने की जानकारी पर स्वजन गमजदा हो गए। सूचना पर पहुंची कड़ाधाम पुलिस दुकान के सामने लगे सीसीटीवी कैमरे से जांच कर कार्रवाई का आश्वासन दिया है।

संक्षिप्त समाचार

स्लोन इंफोसिस्टम्स लिमिटेड का आईपीओ 3 मई 2024 को खुलेगा

मुंबई, एजेंसी। स्लोन इंफोसिस्टम्स लिमिटेड आईटी हार्डवेयर उपकरणों और सॉल्यूशंस की एक प्रमुख प्रदाता, कंपनी ने 3 मई 2024 को इनिशियल पब्लिक आफरिंग (आईपीओ) के साथ पब्लिक में जाने की अपनी योजना की घोषणा की है. कंपनी का इरादा इस आईपीओ के मार्फत 79 प्रति शेयर मूल्य पर 11.06 करोड एकत्र करना है. कंपनी के शेयर्स सेट एनएसई इमर्ज प्लेटफार्म पर लिस्ट होंगे. आईपीओ से प्राप्त होने वाली शुद्ध धनराशि का उपयोग उसके रेंटल बिजनेस के लिए लैपटॉप्स, डेस्कटॉप्स, एसएसडी और अन्य उपकरण जैसे आईटी उपकरणों की खरीदी के पूंजी खर्च का वित्त पोषण करने,कंपनी द्वारा लिए गए कुछ कर्ज का रीपेमेंट करने और आम कॉरपोरेट खर्चों को पूरा करने के लिए किया जाएगा. इश्यू 3 मई, 2024 को खुलेगा और 7 मई, 2024 को बंद होगा. इश्यू की लीड मैनेजर जावा कैपिटल सर्विसेज प्राइवेट लिमिटेड के पास अनेक वर्षों का अनुभव होने के साथ उद्योग की एक्सपर्टीज का व्यापक रेंज है. उनका अनुभव ज्ञान और व्यापक पृष्ठभूमि इश्यू की जटिलताओं का समाधान करने में निपुण मार्गदर्शक के रूप में उन्हें स्थापित करती है. इश्यू की रजिस्ट्रार कैफिन टेक्नोलॉजिस लिमिटेड है. हमारे वर्षों के व्यापक अनुभव और विभिन्न पोर्टफोलियो के साथ हमने हमारे ग्राहकों के साथ मजबूत संबंध बनाया है. इस आईपीओ की धनराशि से ना सिर्फ हमारी प्रोडक्ट आफरिंग बढ़ेगी और समृद्ध होगी बल्कि ग्राहक आधार में भी इजाफा होगा. हम इस सुअवसर के बारे में रोमांचित है और हमारी कंपनी को नई ऊंचाइयों पर ले जाने की प्रतीक्षा कर रहे हैं.

एसके फाइनेंस लिमिटेड ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के लिए सेबी के समक्ष दाखिल किया डीआरएचपी

मुंबई, एजेंसी। वर्ष 1994 में स्थापित एसके फाइनेंस लिमिटेड ('कंपनी') वाहन फाइनेंसिंग सेगमेंट और एमएसएमई फाइनेंसिंग सेगमेंट में अपनी समकक्ष कंपनियों के मुकाबले सबसे तेजी से बढ़ने वाली कंपनी है, जिसका विश्लेषण वित्तीय वर्ष 2021 और वित्तीय वर्ष 2023 के बीच की अवधि के लिए संबंधित सेगमेंट में प्रबंधन के तहत परिसंपत्तियों ('एयूएम') सीएजीआर के आधार पर किया गया है (स्रोत- क्रिसिल रिपोर्ट)। कंपनी ने आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) के लिए सेबी के पास ड्राफ्ट रेड हेरिंग प्रॉस्पेक्टस (डीआरएचपी) दाखिल किया है। कंपनी की योजना 2,200 करोड़ तक के इक्विटी शेयरों (प्रत्येक का अंकित मूल्य 1 रुपये) के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम के जरिए धन जुटाने की है। कंपनी के प्रमोटर राजेंद्र कुमार सेतिया, यश सेतिया और राजेंद्र कुमार सेतिया एचयूएफ हैं। आरंभिक सार्वजनिक निर्गम में 1 रुपये प्रत्येक इक्विटी शेयर के अंकित मूल्य के साथ 500 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयरों का नया निर्गम और विक्रेता शेयरधारक की ओर से 1700 करोड़ रुपये तक के शेयरों का 'ऑफर फॉर सेल' (ओएफएस) शामिल है। बिक्री के लिए प्रस्ताव में राजेंद्र कुमार सेतिया द्वारा 180 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर, राजेंद्र कुमार सेतिया एचयूएफ (प्रमोटर सेलिंग शेयरहोल्डर) द्वारा 20 करोड़ रुपये तक, इवॉल्वेंस कोइन्वेस्ट फर्स्ट द्वारा 75 करोड़ रुपये तक, इवॉल्वेंस इंडिया फंड थ्री लिमिटेड द्वारा 25 करोड़ रुपये तक, नॉरवेस्ट वेंचर पार्टनर्स एक्स - मॉरीशस द्वारा 700 करोड़ रुपये तक और टीपीजी ग्रोथ फोर्थ एसएफ पीटीई लिमिटेड द्वारा 700 करोड़ रुपये तक के इक्विटी शेयर शामिल हैं ('निवेशक विक्रय शेयरधारक')। कंपनी एक नॉन-डिपॉजिट लेने वाली गैर-बैंकिंग वित्त कंपनी मिडिल लेयर ('एनबीएफसी एमएल') है, जो भारतीय रिजर्व बैंक ('आरबीआई') के साथ भारतीय रिजर्व बैंक अधिनियम, 1934 की धारा 45आईए के तहत पंजीकृत है।

सस्ते कर्ज के लिए अक्टूबर तक करना होगा इंतजार

तीसरी तिमाही तक रेपो दर में कटौती की उम्मीद

नई दिल्ली, एजेंसी। सस्ता कर्ज पाने के लिए लोगों को अक्तूबर तक इंतजार करना पड़ सकता है। महंगाई के जोखिम और अमेरिकी केंद्रीय बैंक के दरों में कोई बदलाव नहीं करने के कारण आरबीआई तीसरी तिमाही तक रेपो दर में कटौती का फैसला टाल सकता है। अर्थशास्त्रियों का पहले

मानना था कि जून की बैठक में आरबीआई दरों में कटौती कर सकता है। अब महंगाई के जोखिम को देखते हुए यह फैसला अक्तूबर से दिसंबर के बीच हो सकता है। अर्थशास्त्रियों का कहना है कि इस पूरे साल में रेपो दर में 0.50 फीसदी की कटौती की उम्मीद है।फिलहाल रेपो दर 6.5 फीसदी पर बनी हुई है। आरबीआई ने सात बार से दरों को यथावत रखा है। महंगाई आरबीआई के दायरे से अब भी ऊपर है।

गर्मी बढ़ा सकती है आरबीआई की चिंता

अर्थशास्त्रियों ने दिसंबर तक के लिए अपने तिमाही महंगाई पूर्वानुमान को थोड़ा कम कर दिया है। आरबीएल बैंक की अर्थशास्त्री अचला जेठमलानी ने कहा, भारत की विकास दर अच्छी है। महंगाई नियंत्रण में है। लेकिन, गर्मी में खाद्य पदार्थों की कीमतें बढ़ीं तो महंगाई आरबीआई की चिंता बढ़ा सकती है। इसके साथही, वैश्विक विकास पर नजर रखना महत्वपूर्ण है। अमेरिका समेत दुनियाभर के केंद्रीय बैंक ब्याज दर के मामले में जिस तरह के फैसले लेंगे, आरबीआई भी उसी आधार पर रणनीति बनाएगा।

कई देश ब्याज दर घटाने में कर सकते हैं विलंब

मॉर्गन स्टेनली का कहना कि एशिया के अधिकांश केंद्रीय बैंक दरों में कटौती में देरी करेंगे। भारत में भी इस साल कटौती की उम्मीद नहीं है। डीबीएस ग्रुप होल्डिंग्स की अर्थशास्त्री राधिका राव ने कहा, भारत दर में कटौती को अप्रैल, 2025 में शुरू होने वाले वित्त वर्ष तक टाल सकता है। अमेरिकी केंद्रीय बैंक भी इस साल के अंत तक कटौती कर सकता है या टाल भी सकता है। भारत जैसे उभरते बाजारों में केंद्रीय बैंक दरों में कटौती कर अपनी मुद्राओं को और कमजोर करने से सावधान रहेंगे।

इंडिगो ने कर्मचारियों को दिया बड़ा तोहफा, स्पेशल बोनस का किया ऐलान

मुंबई एजेंसी। इंडिगो ने अपने कर्मचारियों को बड़ा तोहफा दिया है। एयरलाइन ने घोषणा की है कि वह अपने कर्मचारियों को विशेष बोनस देगी। यह फैसला चौथी तिमाही और पूरे साल के वित्तीय परिणामों की घोषणा से पहले आया है। यह कर्मचारियों के लिए खुशी की बात है, खासकर जब कुछ दिनों पहले ही इंडिगो ने 30 चौड़े आकार के 350 विमानों का बड़ा ऑर्डर दिया था।

सूत्रों के मुताबिक, कर्मचारियों को एक संदेश भेजा गया है। इसमें एयरलाइन ने कहा कि वह 'डेढ़ महीने के मूल वेतन' के बराबर एकमुश्त विशेष बोनस देगी। बोनस राशि कर्मचारियों के मई के वेतन के साथ अनुग्रह राशि के रूप में दी जाएगी।

घरेलू विमानन बाजार में 60 फीसदी हिस्सेदारी रखने वाली इंडिगो कंपनी के वास्तविक परिचालन और वित्तीय परिणामों के आधार पर सालाना बोनस देती है। एयरलाइन लगातार पांच तिमाहियों से लाभ कमा रही है। अक्टूबर-दिसंबर 2023 तिमाही में इसका शुद्ध लाभ दोगुने से अधिक होकर 2,998.1 करोड़ रुपए रहा था।

इसकी वार्षिक रिपोर्ट के अनुसार, मार्च 2023 के अंत में एयरलाइन के 33,045 कर्मचारी थे। इंडिगो को अपनी किफायती कीमतों, सुविधाजनक उड़ानों और बेहतरीन ग्राहक सेवा के लिए जाना जाता है। एयरलाइन ने कई पुरस्कार जीते हैं। इनमें स्काईट्रैक्स की ओर से वर्ल्ड्स बेस्ट लो-कॉस्ट एयरलाइन का पुरस्कार भी शामिल है। इंडिगो का मुख्यालय हरियाणा के गुरुग्राम में है। यह स्पष्ट है कि इंडिगो आने वाले वर्षों में बड़ी योजनाएं बना रहा है।

पोको ने मई सेल के लिए अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोंस पर आकर्षक डील्स पेश कीं

मुंबई, एजेंसी। भारत में सबसे तेजी से विकसित होते हुए कंज़्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, पोको ने मई सेल के लिए अपने सबसे ज्यादा बिकने वाले स्मार्टफोंस पर आकर्षक डील्स पेश की हैं, जो 1 मई से 10 मई तक केवल फ्लिपकार्ट और एमेज़ॉन पर उपलब्ध होंगी। इस सेल में ग्राहक अपने पसंदीदा उत्पाद आकर्षक ऑफरों के साथ शानदार मूल्य में खरीद सकेंगे।

पोको एक्स6 प्रो

पोको एक्स6 प्रो मीडियाटेक डायमेंसिटी 8300 - अल्ट्रा एसओसी द्वारा पॉवर्ड है, जिसका मूल्य 22,999 रुपये है। इसमें 5000 वर्ग मिमी. का वीसी कूलिंग सिस्टम और वाईल्डबूस्ट 2.0 दिया गया है, ताकि गेमिंग के दौरान बेहतरीन परफॉर्मेंस मिले। इसमें 6.67 इंच का एमोलेड डिस्प्ले है, जो 120 हर्ट्ज के रिफ्रेश रेट के साथ डॉल्बी विज़न को सपोर्ट करता है, जो बेहतर कलर एवं कॉन्ट्रैस्ट के साथ व्यूईंग का शानदार अनुभव प्रदान करता है। इसमें 64 मेगापिक्सल का ओआईएस ट्रिपल रियर कैमरा और एचडीआर वीडियो रिकॉर्डिंग सपोर्ट है, जिसकी मदद से यह प्रेसिज़न के साथ शानदार विज़्युअल्स कैप्चर कर सकता है।

पोको एक्स6- यह 17,999 रुपये में उपलब्ध है। पोको एक्स6 अपने 6.67'' के एमोलेड डिस्प्ले और 1.5च रिज़ॉल्यूशन के साथ बहुत शानदार विज़्युल्स एवं बेहतरीन व्यूईंग अनुभव प्रदान करता है। यह 20,000 रुपये से कम मूल्य में ये विशेषताएं प्रदान करने वाली एकमात्र डिवाईस है। इस स्मार्टफोन में स्नैपड्रैगन 7एस जेन 2 मोबाईल प्लेटफॉर्म है और यह कोर्निंग गोरिल्ला ग्लास विक्टस द्वारा सुरक्षित है, जो इसे टिकाऊपन और खरोंच से सुरक्षा प्रदान करता है।

एक्सिस म्यूचुअल फंड ने लॉन्च किया 'एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड'

मुंबई, एजेंसी। भारतीय बैंकिंग क्षेत्र में नजर आने वाली गतिशील वृद्धि का लाभ उठाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एक्सिस म्यूचुअल फंड ने एक न्यू फंड ऑफर (एनएफओ)- 'एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड' की घोषणा की है। निफ्टी बैंक टीआरआई को ट्रैक करने वाला यह फंड एक ओपन-एंडेड इंडेक्स फंड है। इस फंड का उद्देश्य निफ्टी बैंक टीआरआई को ट्रैक करना है, जिससे निवेशकों को अग्रणी भारतीय बैंकों की विकास यात्रा में सीधे भाग लेने के लिए एक मैकेनिज्म प्रदान किया जा सके।

एक्सिस एएमसी के एमडी और सीईओ बी. गोपकुमार ने इस बारे में विस्तार से जानकारी देते हुए कहा, ''हमारे देश की आर्थिक प्रगति के पीछे अनेक कारण सक्रिय हैं और अगर प्रभावी ढंग से प्रगति की इस रफ्तार को समझा जाए, तो हमारी विकास कहानी में देश को एक प्रमुख वैश्विक आर्थिक शक्ति बनने की दिशा में आगे बढ़ाने की क्षमता है। इस पृष्ठभूमि में ही देश का बैंकिंग क्षेत्र विकास और लचीलापन प्रदर्शित करना जारी रखता है। एक मजबूत नियामक ढांचे और डिजिटल बैंकिंग को तेजी से अपनाने से प्रेरित होकर, यह क्षेत्र निरंतर विस्तार के लिए अच्छी स्थिति में है। एक्सिस निफ्टी बैंक इंडेक्स फंड निवेशकों को इस विकास अवसर का लाभ उठाने का एक महत्वपूर्ण अवसर प्रदान करता है।

ओईसीडी ने बढ़ाया भारत की एफवा24 जीडीपी ग्रोथ का अनुमान, कहा ग्लोबल मार्केट में बढ़ेगी हिस्सेदारी

नई दिल्ली, एजेंसी। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन ने वित्त वर्ष 2025 के लिए भारत का वृद्धि अनुमान 40 आधार अंक बढ़ाकर 6.6 प्रतिशत कर दिया है। सार्वजनिक निवेश तेज बने रहने और कारोबारी विश्वास में सुधार की वजह से ओईसीडी ने भारत के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि में तेजी का अनुमान लगाया है।

उच्च आय वाली 38 अर्थव्यवस्थाओं के अंतर सरकारी समूह ने अपने ताजा आर्थिक परिदृश्य में कहा है, 'घरेलू मांग सकल पूंजी सृजन, खासकर सार्वजनिक क्षेत्र के निवेश से संचालित होगी। वहीं निजी खपत में वृद्धि की रफ्तार सुस्त बनी हुई है। निर्यात में वृद्धि जारी रहेगी। खासकर सेवाओं और सूचना तकनीक व परामर्श क्षेत्र में तेजी रहेगी और भारत की वैश्विक बाजार में हिस्सेदारी में वृद्धि जारी रहेगी और इसे विदेशी निवेश से समर्थन मिलेगा।'

हालांकि एजेंसी ने यह भी कहा है कि निजी खपत कमजोर रहा है, जो ताजा घरेलू उपभोग व्यय सर्वे के शुरुआती निष्कर्षों की पुष्टि करता है। इसमें कहा गया है, 'ईवे बिल, टोल संग्रह और नए वाहन व स्कूटर की बिक्री जैसे कुछ

उच्च आवर्ती संकेतकों से गतिविधियों में तेजी के संकेत मिल रहे हैं। अन्य संकेतकों जैसे डिजिटल भुगतान संबंधी लेनदेन और सीमेंट का उत्पादन पूर्ववत बने हुए हैं।'

ओईसीडी ने कहा है कि राजस्व बढ़ाने में ऋण पर निर्भरता कम करने, व्यय दक्षता में सुधार और मजबूत राजकोषीय नियम जैसे क्षेत्रों में और ज्यादा काम किए जाने की जरूरत है। परिदृश्य में यह भी कहा गया है कि बहुत उच्च स्तर के सार्वजनिक ऋण को देखते हुए मौजूदा हिसाब से वित्तीय समेकन उचित है, जिससे निजी निवेश में रुकावट है।

परिदृश्य में कहा गया है, 'राजकोषीय समेकन जरूरी है, जिसका असर सार्वजनिक निवेश पर पड़ेगा। इसका निजी निवेश की मजबूती पर सिर्फ आंशिक असर पड़ेगा क्योंकि कारोबारी विश्वास सुधरा है। परिवारों के व्यय (खासकर ग्राहकों की विवेकाधीन मांग) में तेजी आने की उम्मीद नहीं है क्योंकि नौकरियों का सृजन निराशाजनक है और ग्रामीण इलाकों में प्रदर्शन सुस्त है और अभी भी वित्तीय स्थिति कमजोर है।'

ऐपल ने बनाया कमाई का रेकॉर्ड, एक दिन में मुकेश अंबानी की नेटवर्थ से ज्यादा बढ़ गया मार्केट कैप

नई दिल्ली, एजेंसी। आईफोन बनाने वाली अमेरिका की दिग्गज कंपनी ऐपल ने अपना पहली तिमाही का रिजल्ट जारी कर दिया है। मार्च तिमाही में कंपनी का रेवेन्यू पिछले साल के मुकाबले चार फीसदी गिरावट के साथ 90.8 अरब डॉलर रहा। कंपनी को खासकर चीन में कड़े मुकाबले का सामना करना पड़ रहा है। इस दौरान आईफोन की बिक्री में 10 फीसदी गिरावट आई है। रिजल्ट जारी करने के साथ ही कंपनी ने 110 अरब डॉलर के शेयर बायबैक प्रोग्राम की घोषणा की है। ऐपल के इतिहास में यह सबसे बड़ा शेयर बायबैक है। इस घोषणा के साथ ही कंपनी के शेयरों में करीब सात फीसदी तेजी देखने को मिली और उसका मार्केट कैप 180 अरब डॉलर बढ़ गया। यह भारत और एशिया के सबसे बड़े रईस मुकेश अंबानी की नेटवर्थ से कहीं ज्यादा है। ब्लूमबर्ग बिलिनेयर इंडेक्स के मुताबिक अंबानी की नेटवर्थ 113 अरब डॉलर है।

शेयरों में तेजी के साथ ही ऐपल का मार्केट कैप 2.671 ट्रिलियन डॉलर पहुंच गया। माइक्रोसॉफ्ट (2.956 ट्रिलियन डॉलर) के बाद ऐपल दुनिया की दूसरे सबसे वैल्यूएबल कंपनी है। मार्च तिमाही में आईफोन की बिक्री 45.96 अरब डॉलर रही जो अनुमानों से कम है। इस दौरान कंपनी की नेट इनकम भी एक साल पहले की तुलना में गिरकर 23.6 अरब डॉलर रही। कंपनी का कहना है कि मार्च तिमाही में बिक्री चार फीसदी बढ़कर 7.5 अरब डॉलर रही जबकि सर्विसेज का रेवेन्यू 23.9 अरब डॉलर रहा। ऐपल का आइपेड रेवेन्यू एक साल पहले की तुलना में 17 फीसदी गिरकर 5.6 अरब डॉलर रहा।

चीन में समस्या, भारत से गुडन्यूज

चीन में बढ़ते राष्ट्रवाद, इकॉनमी की चुनौतियों और बढ़ती प्रतिस्पर्धा से कंपनी की मुश्किलें बढ़ गई हैं। चीन की कंपनियां हेवई और शायोमी तेजी से ऐपल के बाजार पर कब्जा कर रही हैं। मार्केट रिसर्च फर्म आइडीसी के मुताबिक पहली तिमाही में ऐपल के शिपमेंट में 10 फीसदी गिरावट आई है। हालांकि कंपनी के सीईओ टिम कुक ने कहा कि कंपनी ने एक दर्जन से अधिक इलाकों में रेवेन्यू का रेकॉर्ड बनाया है। इनमें भारत भी शामिल है। भारत में ऐपल का मार्केट तेजी से बढ़ रहा है।

अडानी ग्रुप की छह कंपनियों को सेबी ने भेजा कारण बताओ नोटिस

नई दिल्ली, एजेंसी। अडानी ग्रुप की छह कंपनियों को भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड ने कारण बताओ नोटिस जारी किए हैं। इन कंपनियों पर संबंधित पक्ष लेनदेन के कथित उल्लंघन, लिस्टिंग नियमों का पालन न करने और ऑडिटर सर्टिफिकेट्स की वैधता के संबंध में आरोप हैं। इन कंपनियों ने स्टॉक एक्सचेंजे को दी गई रेगुलेटरी फाइलिंग में यह जानकारी दी है। भारत और एशिया के दूसरे सबसे बड़े रईस गौतम अडानी की अगुवाई वाले इस ग्रुप की फ्लैगशिप कंपनी अडानी एंटरप्राइजेज ने गुरुवार को कहा कि उसे 31 मार्च को समाप्त तिमाही में दो कारण बताओ नोटिस मिले हैं। साथ ही ग्रुप की अन्य कंपनियों अडानी पोर्ट्स एंड स्पेशल इकोनॉमिक जोन, अडानी पावर, अडानी एनर्जी सॉल्यूशंस, अडानी विल्मर और अडानी टोटल गैस को भी कारण बताओ नोटिस मिले हैं।

इन कंपनियों का कहना है कि उन्हें जो कानूनी राय मिली है, उसके मुताबिक सेबी

क्या है आरोप

अडानी पोर्ट्स एंड एसईजेड ने बताया कि आरोप है कि कंपनी ने अपेक्षित मंजूरी नहीं ली है और वित्तीय विवरणों/वार्षिक रिपोर्ट में अपेक्षित खुलासा नहीं किया है। समाप्त किए गए अनुबंधों के लिए सुरक्षा जमा को वापस नहीं लेने के कारण कंपनी के मुख्य व्यावसायिक उद्देश्यों के लिए धन का उपयोग नहीं किया गया और इस प्रकार कंपनी की आचार संहिता का अनुपालन नहीं किया गया। अडानी पावर ने कहा कि उसने सेबी के नोटिस का जवाब दे दिया है। सेबी ने कंपनी पर आरोप लगाया है कि कुछ लेन-देन को संबंधित वर्षों के वित्तीय विवरणों में रिपोर्ट नहीं किया गया था और ऐसे लेन-देन के लिए अपेक्षित मंजूरी नहीं ली गई थी। सेबी ने अगस्त में सुप्रीम कोर्ट को सौंपी अपनी रिपोर्ट में कहा था कि उसने 13 रिलेटेड पार्टी ट्रांजैक्शन की पहचान की है, जिसकी जांच की जा रही है। जनवरी 2023 की हिंडनबर्ग रिपोर्ट में 6,000 से अधिक संबंधित पक्ष लेनदेन पर सवाल उठाए थे।

अमेरिका दो दशक का रेकॉर्ड तोड़ने के करीब, चीन की हालत हुई खस्ता, भारत बन रहा दुनिया की फैक्ट्री!

नई दिल्ली, एजेंसी। अमेरिका दुनिया की सबसे बड़ी इकॉनमी है। ग्लोबल इकॉनमी में उसकी हिस्सेदारी दो दशक के उच्चतम स्तर पर पहुंचने की राह पर है। आईएमएफ के मुताबिक ग्लोबल इकॉनमी में अमेरिका की हिस्सेदारी 26 फीसदी पहुंचने का अनुमान है। यह दो दशक में सबसे ज्यादा है। एक दशक पहले देश की हिस्सेदारी यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से ऊपर पहुंची थी। आज वर्ल्ड इकॉनमी में अमेरिका का योगदान यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन के कंबाइंड कंट्रीब्यूशन से पांच फीसदी अधिक हो चुका है। इस बीच ग्लोबल इकॉनमी में चीन की हिस्सेदारी 2021 से लगातार घट रही है। 2024 में इसके 17 फीसदी रहने का अनुमान है।

भारत का हिस्सा

साल 2006 में ग्लोबल इकॉनमी में यूरोपियन यूनियन और ब्रिटेन की हिस्सेदारी 30 फीसदी थी जो अब करीब 21 फीसदी रह गई है। चीन की हिस्सेदारी 2006 में पांच फीसदी थी जो 2020 में 19 फीसदी के करीब पहुंच गई थी। लेकिन 2021 से इसमें लगातार गिरावट आई है और इस साल उसके 17 फीसदी रहने का अनुमान है। इस दौरान जापान की हिस्सेदारी भी घटकर चार फीसदी रहने का अनुमान है। साल 2006 में ग्लोबल इकॉनमी में जापान की हिस्सेदारी करीब आठ फीसदी थी।

टीम प्रबंधन द्वारा दिया गया मौका बर्बाद नहीं करना चाहता था :रेड्डी

हैदराबाद, एजेंसी। नीतीश कुमार रेड्डी, जिन्होंने आईपीएल 2024 में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) पर एक रन से रोमांचक जीत हासिल करने में सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) के लिए 42 गेंदों में नाबाद 76 रन की शानदार पारी खेली, ने कहा कि टीम प्रबंधन ने उन्हें अंतिम एकादश में शामिल होने का मौका दिया, एक ऐसा मौका जिसे वह कभी गंवाना नहीं चाहते थे। गुरुवार शाम को राजीव गांधी अंतर्राष्ट्रीय स्टेडियम में, रेड्डी ने तीन चौके और आठ छक्के लगाकर सबको चकित कर दिया, जो कि उनकी सर्वोच्च टी20 पारी भी है, जिसमें उनके कुछ छक्के मैदान पर सीधे

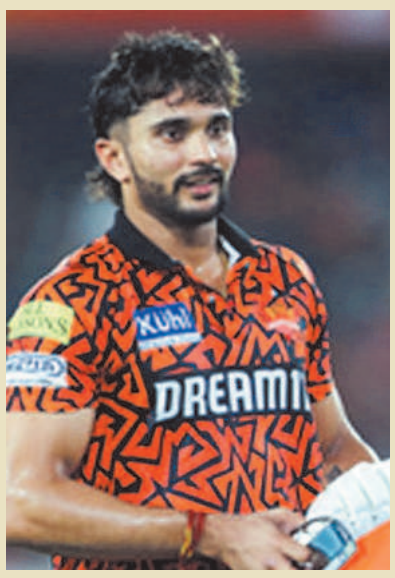

और कवर के ऊपर से लगे, जिससे घरेलू प्रशंसक रोमांचित हो गए। उन्होंने मैच के बाद प्रेस कॉन्फ्रेंस में कहा, मैं कहूंगा कि मैं एक वास्तविक ऑलराउंडर हूं जो गेंदबाजी कर सकता है, जो बल्लेबाजी कर सकता है, जो क्षेत्ररक्षण भी कर सकता है। इसलिए, मैं हरफनमौला प्रदर्शन की उम्मीद कर रहा था। मैं वास्तव में पिछले कुछ समय से इस बल्लेबाजी अवसर का इंतजार कर रहा था। इस साल टीम प्रबंधन ने मुझे मौका दिया और मैं इसे गंवाना नहीं चाहता था। हैदराबाद के मध्यक्रम में अपनी भूमिका पर विचार करते हुए, रेड्डी ने कहा, पिछले दो मैचों से, यह ऐसा ही रहा है। मेरी भूमिका हेनरिक क्लासेन को धमाका करने का लाइसेंस देने के लिए 14वें या 13वें ओवर तक खेलने की थी।अगर क्लासेन और समद को शुरुआती ओवरों

आरआर पर एक रन से जीत के बाद कमिंस ने कहा, मैं सुपर ओवर के बारे में सोच रहा था

हैदराबाद, एजेंसी। सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) ने गुरुवार को आईपीएल 2024 में राजस्?थान रॉयल्?स (आरआर) को सांस रोक देने वाले मुकाबले में 1 रन से मात दी। मैच के बाद एसआरएच के कप्?तान पैट कमिंस ने कहा कि उनकी टीम सुपर ओवर के लिए मानसिक रूप से तैयार हो गई थी। एसआरएच को अंतिम ओवर में 12 रनों का बचाव करना था, राजस्थान को आखिरी गेंद पर दो रन चाहिए थे। इसके अलावा, वो धीमी ओवर गति के दंड के कारण केवल चार फील्डर को 30-यार्ड सर्कल के बाहर रख सकते थे।

आईपीएल 2024 : अंक तालिका

टीम	मैच	जीते	हारे	अंक
राजस्थान	10	8	2	16
कोलकाता	8	5	3	10
हैदराबाद	10	6	4	12
लखनऊ	10	6	4	12
दिल्ली	10	5	5	10
चेन्नई	10	5	5	10
गुजरात	10	4	6	8
पंजाब	10	4	6	8
मुंबई	10	3	7	6
बेंगलुरु	10	3	7	4

बॉक्सिंग चैंपियनशिप: युवा मुक्केबाजों का शानदार प्रदर्शन जारी

चार भारतीय सेमीफाइनल में पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय मुक्केबाजों मांदेंगबाम जादुमणि सिंह, निखिल, अजय कुमार और अंकुश ने गुरुवार को अपने-अपने मुकाबले जीतकर एएसबीसी एशियाई अंडर-22 और युवा मुक्केबाजी चैंपियनशिप के पुरुष अंडर-22 सेमीफाइनल में जगह बनाई। जादुमणि ने 51 किग्रा के क्वार्टर फाइनल में भूटान के फुंटशो किनले को 5-0 से हराकर भारत को अच्छी शुरुआत दिलाई। निखिल (57 किग्रा) ने भी इसी तरह का दबदबा बनाया और उज्बेकिस्तान के बख्तियोरोव अयूबखोन को 4-0 से शिकस्त दी। अजय (63.5 किग्रा) और अंकुश (71 किग्रा) ने रेफरी के मुकाबले रोकने (आरएससी) पर अपने-अपने मुकाबले जीते। अजय ने मंगोलिया के दमदिंडोरज पी के खिलाफ पहले दौर में ही मुकाबला जीता, जबकि अंकुश ने कोरिया के ली जू सांग के खिलाफ तीसरे दौरे में जीत दर्ज की। आशीष हालांकि पुरुषों के 54 किग्रा क्वार्टर फाइनल में मंगोलिया के ओयुन एर्डेन ई के खिलाफ 2-3 से हार गए। बुधवार देर रात आर्यन (92 किग्रा), निशा (52 किग्रा), आकांक्षा फलसवाल (70 किग्रा) और रुद्रिका (75 किग्रा) ने युवा वर्ग में अपने-अपने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में जीत दर्ज की थी।

जसप्रीत बुमराह को पछाड़कर टी नटराजन ने आईपीएल में कब्जाई पर्पल कैप

हैदराबाद, एजेंसी। मैदान में बेहद शांत दिखने वाले सनराइजर्स हैदराबाद के तेज गेंदबाज टी नटराजन ने इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में पर्पल कैप पर कब्जा कर लिया है. दरअसल, नटराजन ने पर्पल कैप होल्डर की रेस में दिग्गज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह को पछाड़ा है.

मौजूदा आईपीएल का 50वां मैच हैदराबाद में 2 मई को खेला गया. इस मैच में सनराइजर्स हैदराबाद ने आखिरी गेंद पर राजस्थान रॉयल्स को 1 रन से मात दी. हैदराबाद की जीत के हीरो भुवनेश्नर कुमार रहे,

जिन्होंने आखिरी गेंद पर रोवमैन पॉवेल को आउट कर राजसथान को जीत दिलाई. सनराइजर्स हैदराबाद के लिए टी नटराजन ने भी शानदार गेंदबाजी करते हुए 4 ओवरों में 35 रन देते हुए 2 विकेट हासिल किए. इसके साथ ही नटराजन इस आईपीएल में फिलहाल सबसे ज्यादा 15 विकेट लेने वाले गेंदबाज बन गए हैं. नटराजन ने 8 मैचों में 19.13 के एवरेज और 8.96 की इकोनॉमी रेट से ये विकेट लिए हैं. नटराजन के बाद जसप्रीत बुमराह (14 विकेट), मुस्ताफिजुर रहमान (14 विकेट) हैं. वहीं, हर्षल पटेल, मथीशा , युजवेंद्र चहल, अर्शदीप सिंह, गेराल्ड कोएत्जे, मुकेश कुमार हैं, जिनके संयुक्त रूप से 13 विकेट हैं.

क्या चिन्नास्वामी में आएगा बल्लेबाजों का तूफान या बॉलिंग में होगा कमाल

बेंगलुरु : रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु का इंडियन प्रीमियर लीग 2024 में अब गुजरात टाइटंस से टक्कर होने वाली है। आईपीएल के 17 वें सीजन में आरसीबी की हालत बहुत ही खराब है। टीम के लिए प्ले ऑफ में पहुंचना काफी मुश्किल हो गया है। ऐसे में अब उसका सामना पिछली बार की डिफेंडिंग चैंपियन गुजरात टाइटंस से होने वाली है। दोनों टीमों के बीच यह मुकाबला आरसीबी के घर एम चिन्नास्वामी क्रिकेट स्टेडियम में खेला जाएगा। ऐसे में आइए जानते हैं कैसी होगी आरसीबी और गुजरात के बीच होने वाले मैच के लिए पिच।

बेंगलुरु की एम चिन्नास्वामी की पिच हमेशा से बल्लेबाजी के लिए जानी जाती रही है। इस मैदान पर खूब चौके और छक्के लगते हैं। मैदान छोटा होने के कारण यहां मिस हिट में भी बाउंड्री की संभावना बनी रहती है। इसके अलावा यहां की आउटफील्ड बल्लेबाजों के लिए जन्नत साबित होती है। आईपीएल के 17 वें सीजन में इस मैदान पर अब तक कुल चार मैच खेले जा चुके हैं।

हालांकि, हैरानी की बात ये है कि सिर्फ एक ही मैच में 200 रन का आंकड़ा पार हुआ है। ऐसे में यह कहना गलत नहीं होगा कि गेंदबाज भी इस मैदान पर अपना कमाल दिखा सकते हैं। वहीं इस मैदान पर टॉस की बात करें तो पहले बैटिंग और बॉलिंग दोनों में कुछ अधिक अंतर नहीं होने वाला है। ओस नहीं होने के कारण दूसरी पारी में बैटिंग करना काफी रहता है। ऐसे में मुकाबला काफी रोमांचक होने की उम्मीद है।

दोनों टीमों का स्क्वाड-

आरसीबी- फाफ डु प्लेसिस (कप्तान), विराट कोहली, दिनेश कार्तिक, सौरव चौहान, अनुज रावत, यश दयाल, विजयकुमार वैश्य, रीस टॉपले, स्वप्निल सिंह, कर्ण शर्मा, हिमांशु शर्मा, राजन कुमार, मोहम्मद सिराज, अल्जारी जोसेफ, लॉकी फर्ग्यूसन, मयंक डागर, सुयश प्रभुदेसाई, ग्लेन मैक्सवेल, महिपाल लोमरोर, विल जैक, कैमरून ग्रीन, टॉम कुरेन , मनोज भंडागे, आकाश दीप, रजत पाटीदार।

गुजरात टाइटंस- शुबमन गिल (कप्तान), डेविड मिलर, रिद्धिमान साहा, साई सुदर्शन, शाहरुख खान, मैथ्यू वेड, केन विलियमसन, अजमतुल्लाह उमरजई, अभिनव मनोहर, राशिद खान, विजय शंकर, राहुल तेवतिया, स्पेंसर जॉनसन, कार्तिक त्यागी, जोशुआ लिटिल, दर्शन नालकंडे , नूर अहमद, रविश्रीनिवासन साई किशोर, मोहित शर्मा, जयंत यादव, उमेश यादव, सुशांत मिश्रा, संदीप वारियर, शरथ बीआर, मानव सुथार

भारत ने बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया

- 5 मैचों की टी-20 सीरीज में 3-0 की बढ़त, शेफाली - स्मृति के बीच 91 रन की पार्टनरशिप
- भारत-बांग्लादेश के बीच 6 मई को सीरीज का चौथा टी-20 मैच सिलहट में ही खेला जाएगा।

नईदिल्ली, एजेंसी। भारतीय विमेंस टीम ने शेफाली वर्मा तथा स्मृति मंधाना की 91 रन की साझेदारी की बदौलत सिलहट में तीसरे टी-20 मैच में बांग्लादेश को 7 विकेट से हराया। इसके साथ ही भारत ने 3-0 की बढ़त बना ली है और सीरीज पर भी कब्जा जमा लिया है। शेफाली ने 51 और स्मृति ने 47 रन की पारी खेली। बांग्लादेश ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 118 रन का लक्ष्य दिया था। भारत ने 121 रन बनाकर मैच जीता।

टॉस जीत कर भारत ने फील्डिंग चुनी

भारतीय महिला टीम की कप्तान हरमनप्रीत कौर ने टॉस जीतकर पहले फील्डिंग का फैसला किया। भारतीय गेंदबाजों ने कप्तान के फैसले को सही साबित करते हुए 6.3 ओवर में बांग्लादेश को 46 रन के स्कोर पर पहला झटका दिया। इसके बाद भारतीय गेंदबाजों ने 55 रन पर दूसरा और 85 के स्कोर पर तीसरा और चौथा विकेट लेकर बांग्लादेश के को बड़ा स्कोर करने से रोक दिया। बांग्लादेश की पूरी टीम निर्धारित 20 ओवर में 8 विकेट खोकर 117 रन ही बना सकी। बांग्लादेश के लिए सलामी बल्लेबाज दिलारा अख्तर ने 27 गेंदों पर 39 रन और कप्तान निगार सुल्ताना ने 28 रनों की पारी खेली। भारत के लिए राधा यादव ने 22 रन देकर दो विकेट चटकाए, जबकि रेणुका सिंह, पूजा वस्त्राकर और श्रेयांका पाटिल ने एक-एक विकेट लिए।

क्रिकेटर डेवोन थॉमस पर लगा 5 साल का बैन

- फिक्सिंग के चलते आईसीसी ने सजा दी, वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट खेल चुके

नईदिल्ली, एजेंसी। इंटरनेशनल क्रिकेट काउंसिल ने वेस्टइंडीज के डेवोन थॉमस को 5 साल के लिए क्रिकेट से बैन कर दिया है। उन पर श्रीलंका, यूएई और वेस्टइंडीज की क्रिकेट लीग में फिक्सिंग के आरोप लगे थे। जिसे उन्होंने कबूल कर लिया, जिस कारण आईसीसी ने उन्हें सजा दी।

जुर्म कबूल करने के कारण 18 महीने कम हुई सजा- आईसीसी ने बताया कि 34 साल के थॉमस पर श्रीलंका क्रिकेट एमिरेट्स क्रिकेट बोर्ड और कैरेबियन प्रीमियर लीग ने करप्शन के 7 आरोप लगाए थे। थॉमस ने अपने ऊपर लगे आरोपों को कबूल किया, जिस कारण उनकी सजा को 18 महीने कम किया गया। उनकी सजा 23 मई 2023 को शुरू हुई, यहां से 22 मई 2028 तक वह इंटरनेशनल और घरेलू क्रिकेट नहीं खेल सकेंगे।

वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं थॉमस- विकेटकीपर डेवोन थॉमस वेस्टइंडीज के लिए तीनों फॉर्मेट में डेब्यू कर चुके हैं। उन्होंने एक टेस्ट, 21 वनडे और 12 टी-20 खेले हैं। उनके नाम 300 से ज्यादा रन हैं।

न थॉमस बैडमिंटन और न ही उबेर कप में भारत को मिला कोई पदक

महिलाओं के बाद पुरुष टीम भी हारी

चेंगदू (चीन), एजेंसी। दो साल पहले थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के एच एस प्रणय को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ 66 मिनट के मुकाबले में 21-15, 11-21, 14-21 से हार मिली। भारतीय पुरुष बैडमिंटन टीम थॉमस कप बैडमिंटन टीम अपने खिताब का बचाव नहीं कर पाई और क्वार्टर फाइनल में चीन से 1-3 से हार के साथ बाहर हो गई। महिला टीम का अभियान उबेर कप में जापान के हाथों 0-3 से हार के साथ समाप्त हो गया। दो साल पहले थॉमस कप जीतकर इतिहास रचने वाली भारतीय टीम के एच एस प्रणय को दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी शी यू की के खिलाफ 66 मिनट के मुकाबले में 21-15, 11-21, 14-21 से हार मिली। सात्विक-चिराग की जोड़ी को दुनिया की नंबर जोड़ी लियांग वेई केंग और वांग चांग के हाथों 15-21, 21-11, 12-21 से हार मिली। युगल में जीत से चीन को 2-0 से बढ़त मिल गई। उसके बाद निगाह लक्ष्य पर थी, जिन्होंने निराश नहीं किया। अल्मोढ़ा के 22 साल के सेन ने दुनिया के छठे नंबर के ली शी फेंग को 13-21, 21-8, 21-14 से हराकर स्कोर 1-2 कर दिया लेकिन युगल में ध्रुव और साई की दुनिया की 11वें नंबर की रेन जियांग यू और ही जी टिंग से 10-21, 10-21 की हार के साथ भारत की उम्मीदें खत्म हो गईं।

जन्मदिन से पहले इंग्लैंड के घातक स्पिनर ने तोड़ा दम, 20 की उम्र में हुई मौत, जानें कैसा रहा करियर

नई दिल्ली, एजेंसी। इंग्लैंड के घातक स्पिनर जोश बेकर का निधन हो गया। उन्होंने 20 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। बेकर की मौत की पुष्टि वॉर्सेस्टरशायर की तरफ से की गई। इंग्लैंड के घातक स्पिनर जोश बेकर का निधन हो गया। उन्होंने 20 साल की उम्र में आखिरी सांस ली। बेकर की मौत की पुष्टि वॉर्सेस्टरशायर की तरफ से की गई। हालांकि, अब तक उनकी मौत का कारण सामने नहीं आया है। इस घटना से क्रिकेट जगत में शोक की लहर दौड़ गई है। हैरानी की बात यह है कि बेकर का निधन उनके जन्मदिन से ठीक 14 दिन पहले हुआ है। 16 मई को वह अपना 21वां जन्मदिन मनाने वाले थे।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने जताया दुख- वॉर्सेस्टरशायर काउंटी क्रिकेट क्लब की तरफ से कहा गया कि जोश बेकर के असामयिक निधन ने सभी को हैरान कर दिया है। क्लब के मुख्य कार्यकारी अधिकारी एशले जाइल्स ने दुख व्यक्त करते हुए कहा, जोश के निधन की खबर ने हम सभी को दुखी कर दिया है। जोश एक टीम के साथी से कहीं अधिक थे, वह हमारे क्रिकेट परिवार के अभिन्न अंग थे। हम सभी उसे बहुत याद करेंगे।

एक नजर

तभी मानूंगा नतीजे जब... अमेरिका में राष्ट्रपति चुनाव के बाद हो सकती है उथल-पुथल, डोनाल्ड ट्रंप ने दिए संकेत

वॉशिंगटन अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति पद के लिए चुनाव होना है। इस दौड़ में राष्ट्रपति जो बाइडन और डोनाल्ड ट्रंप एक दूसरे को कड़ी टक्कर दे रहे हैं। एक दूसरे पर आरोप लगाने का दौर जारी है। इस बीच पूर्व राष्ट्रपति ट्रंप ने कुछ ऐसा कह दिया है, जिससे चुनाव के बाद उथल-पुथल होने का संकेत मिला है। उन्होंने दावा किया कि शायद वह (बाइडन) विस्कॉन्सिन में इस साल के चुनाव परिणामों को स्वीकार नहीं कर सकें।

डोनाल्ड ट्रंप ने एक इंटरव्यू में कहा कि अगर वह नवंबर में होने वाले चुनाव के नतीजों को सही नहीं मानते हैं तो आपको देश के अधिकार के लिए लड़ना होगा। उन्होंने आगे कहा, अगर सब कुछ ईमानदार रहा तो मैं परिणामों को पूरी तरह स्वीकार करूंगा।

असम की पूर्णिमा देवी बर्मन ने जीता ब्रिटेन वन्यजीव धर्मार्थ का गोल्ड अवॉर्ड

लंदन । असम राज्य की वन्यजीव जीवविज्ञानी डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन को लुप्तप्राय ग्रेटर एडजुटेंट स्टॉर्क और उसके आर्द्रभूमि निवास स्थान के संरक्षण प्रयासों के लिए अग्रणी ब्रिटिश वन्यजीव धर्मार्थ पुरस्कार से सम्मानित किया गया है।

लंदन में रॉयल जियोग्राफिकल सोसाइटी में बुधवार शाम को एक सम्मान समारोह में डॉ. पूर्णिमा देवी बर्मन को व्हिटली फंड फॉर नेचर (डब्ल्यूएफएन) द्वारा व्हिटली गोल्ड अवॉर्ड से सम्मानित किया गया। डॉ. पूर्णिमा देवी को इसके लिए एक लाख ब्रिटिश पाउंड की राशि प्रदान की गई। यह पुरस्कार दुनियाभर में जमीनी स्तर पर संरक्षण करने वालों को प्रदान किया जाता है।

र्मन को असमिया में स्थानीय रूप से हरगिला के रूप में पहचाने जाने वाले सारस के संरक्षण के लिए यह सम्मान दिया गया। उन्हें यह पुरस्कार ब्रिटेन के महाराज चार्ल्स तृतीय की बहन, धर्मार्थ संस्था की संरक्षक राजकुमारी ऐनी ने प्रदान किया।

बर्मन के प्रयासों के लिए उन्हें 2017 में व्हिटली पुरस्कार से सम्मानित किया गया था। उन्होंने कहा, उनके पंख, उनकी गहरी नीली आंखें, उनकी चोंच की आवाज मेरे बचपन के साथी रहे हैं। मुझे उनके बारे में सब कुछ पसंद है, वे बेहद प्रेरणादायक हैं।

सत्तारूढ़ गठबन्धन में असंतोष, शीर्ष नेताओं के बीच बढ़ी दूरी

काठमांडू। नेपाल में वाम दलों के बीच बने नए सत्तारूढ़ गठबन्धन में एक महीने बाद ही खटपट होने की जो सूचनाएं पहले सियासी गलियारे में तैर रही थीं, उनका असर अब सार्वजनिक मंचों पर भी दिखने लगा है। सत्ता घटक दल के शीर्ष नेताओं के बीच अविश्वास का वातावरण बनने से उनके बीच दूरी बढ़ती जा रही है।

मार्च 2024 के पहले हफ्ते में नेपाली कांग्रेस के साथ गठबंधन तोड़ कर वाम दलों का गठबन्धन बनाने वाले प्रधानमंत्री पुष्पकमल दाहाल प्रचण्ड दो महीने के बाद ही अपने फैसले पर पछताने लगे हैं। माओवादी नेताओं के शीर्ष नेताओं से अनौपचारिक बातचीत में उन्होंने बताया है कि ठीक से काम करने के लिए केपी शर्मा ओली के साथ गठबन्धन किया था लेकिन यहां कांग्रेस से भी अधिक समस्या है। माओवादी पार्टी के एक नेता ने बताया कि प्रचण्ड फिर से नेपाली कांग्रेस के साथ गठबन्धन करने की बात करने लगे हैं। वैसे प्रचण्ड ने नया गठबन्धन बनने के एक महीने के बाद ही एक सार्वजनिक मंच से कहा था कि अगर उन्हें ठीक से काम नहीं करने दिया गया तो वो फिर से देश की राजनीति में उथलपुथल मचा सकते हैं।

गाजा के पुनर्निर्माण में आएगी करीब 30 से 40 अरब डॉलर की लागत, संयुक्त राष्ट्र की एजेंसी का दावा

अम्मान संयुक्त राष्ट्र (यूएन) की एक एजेंसी ने गुरुवार को कहा कि युद्ध से तबाह गाजा को फिर से खड़ा करने में अनुमानित 30 से 40 अरब डॉलर की लागत आएगी। एजेंसी ने कहा कि द्वितीय विश्व युद्ध के बाद यह पहली बार होगा जब इतने बड़े पैमाने पर कोशिश होगी।

यूएन के सहायक महासचिव अब्दुल्ला अल-दरदारी ने कहा, संयुक्त राष्ट्र विकास कार्यक्रम का शुरूआती अनुमान है कि गाजा पट्टी के पुनर्निर्माण के लिए लागत 30 से 40 अरब डॉलर को पार कर सकती है। जॉर्डन की राजधानी अम्मान में एक प्रेस कॉन्फ्रेंस को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा, विनाश का पैमाना बहुत बड़ा और अभूतपूर्व है। यह एक ऐसा मिशन है जिसे द्वितीय विश्व युद्ध के बाद से वैश्विक समुदाय ने नहीं निपटाया है।

कोविड-19, हृदय रोग और कैंसर, पुरुषों में इन बीमारियों-मृत्यु का खतरा अधिक, पर क्यों?

नई दिल्ली। पिछले चार साल से अधिक समय से दुनियाभर में कोविड-19, हृदय रोग और कैंसर के कारण मौत के मामलों में काफी उछाल देखा गया है। इससे संबंधित द लैंसेट जर्नल में प्रकाशित अध्ययन में शोधकर्ताओं ने चेताया है कि वैश्विक स्तर पर महिलाओं की तुलना में पुरुषों में इन बीमारियों का बोझ अधिक होता है। इतना ही नहीं इन बीमारियों से पुरुषों की मृत्युदर भी अधिक देखी जा रही है। साल 2021 के आंकड़े पेश करते हुए शोधकर्ताओं ने बताया कि शीर्ष स्तर पर घातक मानी जाने वाली 20 में से 13 से अधिक बीमारियों के पुरुष अधिक शिकार हो रहे हैं।

कोरोनावायरस महामारी के दौर में किए गए इस अध्ययन में वैज्ञानिकों ने पाया कि पुरुष न केवल बीमारियों के शिकार ज्यादा होते हैं साथ ही समय के साथ उनकी जीवन प्रत्याशा भी कम होती जा रही है। साल 2021 में कोविड-19 को स्वास्थ्य के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण स्थिति बताया गया। महिलाओं की तुलना में पुरुषों को कोविड-19 से 45 प्रतिशत अधिक स्वास्थ्य हानि का अनुभव हुआ।

पर पुरुषों में स्वास्थ्य जोखिमों के बढ़ने का क्या कारण है और ये बीमारियां महिलाओं की सेहत को किस प्रकार से प्रभावित करती हैं, आइए समझते हैं।

पुरुषों में शीर्ष 20 में से 13 बीमारियों का खतरा

लैंसेट विशेषज्ञों ने बताया, नए विश्लेषण का अनुमान है कि साल 2021 में शीर्ष 20 में से 13 बीमारियों के कारण पुरुष अधिक प्रभावित रहे हैं। इन बीमारियों में कोरोनावायरस के संक्रमण और इसके कारण होने वाली स्वास्थ्य जटिलताएं, हृदय, श्वसन और यकृत से सबंधित बीमारियां प्रमुख रूप से शामिल हैं।

इसके विपरीत विश्व स्तर पर, महिलाओं ने मस्कुलोस्केलेटल समस्याओं (जैसे हड्डियों-मांसपेशियों से संबंधित रोग), मानसिक स्वास्थ्य समस्या और सिरदर्द जैसी गैर-खतरनाक जीवन विकारों (जिनसे जीवन को खतरा कम होता है) का अनुभव किया।

क्या कहते हैं विशेषज्ञ?

इस मॉडलिंग अनुसंधान के लिए ग्लोबल बर्डन ऑफ डिजीज स्टडी 2021 के डेटा का उपयोग किया गया। इसमें साल 1990 से 2021 के बीच 20 प्रमुख बीमारियों के शिकार और इसके कारण होने वाली मौत के डेटा का अध्ययन किया गया। इसमें उम्र के आधार पर निर्धारित आयु और विकलांगता-समायोजित जीवन वर्ष (डीएएलवाई) के डेटा पर भी ध्यान दिया गया।

डेटा अध्ययन के निष्कर्ष में वाशिंगटन यूनिवर्सिटी में वरिष्ठ लेखक डॉ. लुइसा सोरियो फ्लोर कहते हैं, महिलाओं में बीमारी और विकलांगता का स्तर अधिक देखा गया क्योंकि वे पुरुषों से अधिक जीवित रहती हैं।

महिला-पुरुषों में होने वाली बीमारियां

हृदय रोग दुनियाभर में मृत्यु के प्रमुख कारणों में से एक रहे हैं, हालांकि अध्ययन में लैंगिक आधार पर इनमें भी बड़ा अंतर देखा गया है। इस्केमिक हृदय रोगों में भी पुरुषों और महिलाओं के बीच स्वास्थ्य हानि में बड़ा अंतर रिपोर्ट किया गया है।

राहुल रायबरेली से लड़ने वाले नेहरू-गांधी परिवार के आठवें सदस्य

ये राज्य की इकलौती सीट है जहां 2019 में कांग्रेस को जीत मिली थी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की जिन सीटों की सबसे ज्यादा चर्चा होती है, उनमें से एक रायबरेली लोकसभा सीट भी है। ये राज्य की इकलौती सीट है जहां 2019 में कांग्रेस को जीत मिली थी। तब सोनिया गांधी यहां से जीतकर लोकसभा पहुंची थीं। सोनिया अब राज्यसभा के लिए निर्वाचित हो चुकी हैं। ऐसे में सबसे बड़ा सवाल था कि अब पार्टी यहां से किसे मौका देगी, जिस पर कांग्रेस का गढ़ बचाने की चुनौती होगी।

कांग्रेस ने काफी इंतजार के बाद आखिर रायबरेली लोकसभा सीट पर प्रत्याशी के नाम की घोषणा कर दी है। इस बार रायबरेली से राहुल गांधी चुनाव मैदान में उतारे गए हैं। कांग्रेस ने अंतिम समय में यहां प्रत्याशी घोषित किया है। इससे पहले भाजपा यहां दिनेश प्रताप सिंह को अपना प्रत्याशी घोषित कर चुकी है।

हमारे खास पेशकश सीट का समीकरण में आज हम इसी रायबरेली सीट की बात करेंगे। इसके चुनावी इतिहास की बात करेंगे। बात करेंगे यहां से जीते उम्मीदवारों की, इनमें से कितने गांधी परिवार के थे? यह भी हम आपको बताएंगे। पिछले चुनाव में इस सीट पर क्या हुआ था? इस बार कैसे समीकरण बन रहे हैं? ये भी जानेंगेङ्ग.

रायबरेली सीट का अस्तित्व

सबसे पहले बात पहले लोकसभा चुनाव की कर लेते हैं। साल 1951-52 में हुए पहले लोकसभा चुनाव में रायबरेली और प्रतापगढ़ जिलों को मिलाकर एक लोकसभा सीट थी। उस चुनाव में यहां से इंदिरा गांधी के पति फिरोज गांधी कांग्रेस के टिकट पर लड़े और जीते थे। 1957 में रायबरेली सीट अस्तित्व में आई तो यहां से एक बार फिर फिरोज गांधी सांसद बने। इंदिरा और फिरोज गांधी का विवाह 26 मार्च 1942 को हुआ था। पत्रकार से नेता बने फिरोज गांधी अक्सर संसद में अपने

ससुर और तत्कालीन प्रधानमंत्री जवाहर लाल नेहरू सराकर की आलोचना के लिए जाने जाते थे।

फिरोज गांधी के निधन के बाद इंदिरा ने रायबरेली से लड़े चार चुनाव

1960 में फिरोज गांधी का निधन हो गया। इसके बाद हुए उप-चुनाव और 1962 के चुनाव में यहां से गांधी परिवार का कोई सदस्य चुनाव नहीं लड़ा। 1962 में कांग्रेस की तरफ से उतरे बैजनाथ कुरील ने जनसंघ प्रत्याशी तारावती को हराया था।

फिरोज गांधी ने निधन के चार साल बाद 1964 में इंदिरा गांधी राज्यसभा पहुंचीं। इंदिरा 1967 तक राज्यसभा सांसद रहीं। 1966 जब इंदिरा देश की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं तब भी वह राज्यसभा सदस्य थीं। 1967 इंदिरा ने रायबरेली सीट से ही चुनावी राजनीति में कदम रखा।

कांग्रेस उम्मीदवार के तौर पर उतरीं इंदिरा ने इस चुनाव में उन्होंने निर्दलीय प्रत्याशी बीसी सेठ को 91,703 वोट से हरा दिया था।

इसके बाद आया 1971 का लोकसभा चुनाव। इस चुनाव में कांग्रेस की तरफ से एक बार फिर इंदिरा गांधी मैदान में थीं। उनके सामने संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी से राज नारायण थे। जब नतीजे आए तो कांग्रेस से इंदिरा को 1,11,810 वोटों से विजयी घोषित किया गया।

भारत के खिलाफ ऐसा क्या बोल गए बाइडेन, व्हाइट हाउस को बचाव में उतरना पड़ गया

व्हाइट हाउस ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की जेनोफोबिक टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया है कि उन्होंने एक व्यापक बिंदु पर टिप्पणी की थी कि देश में अप्रवासियों का होना कितना जरूरी है और कैसे इनके कारण हमारा देश मजबूत बनता है।

अमेरिकन राष्ट्रपति जो बाइडेन एक बार फिर भारत विरोधी बयान देने की वजह से सुर्खियों में हैं। अक्सर दूसरे देशों के मामले में दखल देने वाले बाइडेन ने इस बार भारत को एक जेनोफोबिक देश कहा है। आपको बता दें कि जेनोफोबिया से ग्रसित उन्हें कहा जाता है जो अजनबियों से डरते हैं या बाहरी अपचरित व्यक्तियों से नफरत करते हैं। यानी बाइडेन ने भारत को एक ऐसा देश कहा है जो दूसरे देशों के लोगों से नफरत करता है। मामले के तूल पकड़ने के बाद अब इस पर व्हाइट हाउस की तरफ से बयान भी सामने आ गया है। व्हाइट हाउस ने अमेरिकी राष्ट्रपति जो

बाइडेन की जेनोफोबिक टिप्पणी पर प्रतिक्रिया देते हुए स्पष्ट किया है कि उन्होंने एक व्यापक बिंदु पर टिप्पणी की थी कि देश में अप्रवासियों का होना कितना जरूरी है और कैसे इनके कारण हमारा देश मजबूत बनता है। वह इस बारे में बात कर रहे थे। व्हाइट हाउस की प्रेस सचिव कैरिन जीन-पियरे ने जोर देकर कहा कि अमेरिका के सहयोगी और साझेदार अच्छी तरह से जानते हैं कि बिडेन उनका कितना सम्मान करते हैं।

बाइडेन ने भारत के साथ साथ चीन, रूस और जापान को भी जेनोफोबिक देश बताया था। 2024 में फिर से सत्ता

राजीव गांधी के साथ पंजाब से आए थे, संभालते थे सोनिया का क्षेत्र, जाने कौन हैं किशोरी लाल शर्मा जिन्हें कांग्रेस ने अमेठी से बनाया उम्मीदवार

नई दिल्ली। मूल रूप से पंजाब के लुधियाना के रहने वाले किशोरी लाल शर्मा ने 1983 में राजीव गांधी के साथ रायबरेली और अमेठी में कदम रखा। मई 1991 में राजीव गांधी की मृत्यु के बाद गांधी परिवार के साथ उनके संबंध और अधिक पारिवारिक हो गए।

कांग्रेस ने शुक्रवार को किशोरी लाल शर्मा को अमेठी से मैदान में उतारा है, जो इस सीट पर बीजेपी की स्मृति ईरानी से लड़ेंगे। शर्मा गांधी परिवार के करीबी सहयोगी हैं और चार दशकों से अधिक समय से पार्टी से जुड़े हुए हैं। मूल रूप से

पंजाब के लुधियाना के रहने वाले किशोरी लाल शर्मा ने 1983 में राजीव गांधी के साथ रायबरेली और अमेठी में कदम रखा। मई 1991 में राजीव गांधी की मृत्यु के बाद गांधी परिवार के साथ उनके संबंध और अधिक पारिवारिक हो गए।

र्मा वह प्रमुख व्यक्ति थे जो गांधी परिवार की अनुपस्थिति में दो प्रमुख निर्वाचन क्षेत्रों की देखभाल करते थे। उन्होंने दोनों निर्वाचन क्षेत्रों का लगातार दौरा किया और यहां तक ??कि जब सोनिया गांधी ने राजनीति में प्रवेश किया और पहली बार इस निर्वाचन क्षेत्र का दौरा किया तो वे उनके साथ अमेठी भी गए। ऐसा माना जाता था कि 2004 में सोनिया गांधी द्वारा बेटे राहुल गांधी के लिए अपनी सीट खाली करने और रायबरेली चले जाने के बाद, शर्मा ने उत्तर प्रदेश के दोनों निर्वाचन क्षेत्रों अमेठी और रायबरेली में पार्टी के मामलों का प्रबंधन करना शुरू कर दिया।

2019 तक अमेठी गांधी परिवार का गढ़ था, जब कांग्रेस के दिग्गज राहुल गांधी भाजपा नेता स्मृति ईरानी से आम चुनाव हार गए। कांग्रेस नेता ने 2004 से 2019 तक संसद के निचले सदन में अमेठी का प्रतिनिधित्व किया।

भारत उम्रदराज आबादी को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराने में एशिया-प्रशांत में सबसे पीछे; रिपोर्ट में दावा

नई दिल्ली। भारत बुजुर्गों को स्वास्थ्य बीमा मुहैया कराने के मामले में एशिया-प्रशांत देशों में सबसे पीछे है। भारत को अपनी आर्थिक वृद्धि दर कायम रखने और तेजी से बढ़ती आबादी की जरूरतें पूरी करने के लिए सबको स्वास्थ्य बीमा के दायरे में लाने की जरूरत है।

एशियाई विकास बैंक (एडीबी) ने बृहस्पतिवार को जारी रिपोर्ट एजिंग वेल इन एशिया में कहा, यूनिवर्सल स्वास्थ्य कवरेज हासिल करने में भारत समेत कई देश पीछे हैं। इन देशों में बुजुर्गों के बीच स्वास्थ्य बीमा की पहुंच सबसे कम 21 फीसदी है। हालांकि, दक्षिण कोरिया और थाईलैंड ने यूनिवर्सल स्वास्थ्य कवरेज हासिल कर लिया है। एडीबी की वरिष्ठ अर्थशास्त्री एइको किकावा ने कहा, स्वास्थ्य बीमा का दायरा बढ़ाने से स्थिति सुधरेगी और 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोग अर्थव्यवस्था के लिए अधिक उत्पादक बन पाएंगे।

साथ ही, भारत जैसे देशों को बुजुर्गों की मौजूदगी से मिलने वाला लाभांश अधिक हो सकता है। उन्होंने कहा, बुजुर्गों की शारीरिक व कार्यात्मक क्षमता बढ़ाने वाली जरूरी सेवाओं और गतिविधियों का विस्तार भी अहम है। एडीबी की वरिष्ठ अर्थशास्त्री एइको किकावा ने कहा कि भारत ने अपनी गरीब आबादी को बेहतर स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए कई उपाय किए हैं।

गरीबों को कैशलेस स्वास्थ्य बीमा देने वाली आयुष्मान भारत जैसी योजनाएं आने से बुजुर्गों का स्वास्थ्य कवरेज बेहतर हुआ है।जीडीपी में योगदान बढ़ा सकते हैं बुजुर्गरिपोर्ट के मुताबिक, विकासशील एशिया-प्रशांत देशों में 60 वर्ष से अधिक उम्र के लोगों की संख्या 2050 तक करीब दोगुनी होकर 1.2 अरब पहुंच जाएगी। यह कुल आबादी का करीब एक चौथाई होगा।

अमृतसर के विकास के लिए भारतीय अमेरिकियों ने 10 करोड़ डॉलर देने का वादा किया

नई दिल्ली। अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय की ओर से किसी भारतीय शहर के लिए इस तरह की घोषणा अपने आप में एक नयी पहल है। प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकियों और अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के एक समूह यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम ने फेडरेशन ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री के साथ वाशिंगटन के मैरीलैंड में अपनी बैठक की, जहां विकसित अमृतसर पहल की घोषणा की गयी।

वाशिंगटन। प्रसिद्ध भारतीय अमेरिकियों के एक समूह ने अमृतसर के सामाजिक-आर्थिक विकास के लिए स्टार्टअप्स को 10 करोड़ डॉलर देने की घोषणा की है। अमेरिका में रहने वाले भारतीय समुदाय की ओर से किसी भारतीय शहर के लिए इस तरह की घोषणा अपने आप में एक नयी पहल है। प्रसिद्ध भारतीय-अमेरिकियों और अमेरिका में रहने वाले भारतीयों के एक समूह यूएस-इंडिया स्ट्रैटेजिक पार्टनरशिप फोरम (यूएसआईएसपीएफ) ने फेडरेशन

ऑफ इंडियन चैंबर्स ऑफ कॉमर्स एंड इंडस्ट्री (फिक्की) के साथ वाशिंगटन के मैरीलैंड में अपनी बैठक की, जहां विकसित अमृतसर पहल की घोषणा की गयी। इस पहल के संस्थापक सदस्यों ने बताया कि अमेरिका में पूर्व भारतीय राजदूत तरनजीत सिंह संधू इस विशाल योजना के प्रेरणास्त्रोत हैं, जो वाशिंगटन में पिछले चार वर्षों की राजनयिक सेवा के बाद मिशन से मदद मिलने का वादा लेकर अपने गृह नगर लौट गये। इस पहल का लक्ष्य अमृतसर को सिर्फ आर्थिक व औद्योगिक विकास के मामले में दुनिया के सर्वश्रेष्ठ शहरों में से एक के रूप में विकसित करने का ही नहीं है बल्कि इस शहर को दुनिया के एक आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में विकसित बनाना है।

लोहिया यहां से सांसद रहे, पिछली बार हारीं डिंपल कभी जीती थीं निर्विरोध, ऐसी है कन्नौज की कहानी

नई दिल्ली। उत्तर प्रदेश की कन्नौज सीट इन दिनों सुर्खियों में है। इस सीट से समाजवादी पार्टी के मुखिया अखिलेश यादव मैदान में हैं। अखिलेश ने यहां अपना नामांकन दाखिल कर दिया है। सपा ने पहले यहां से तेज प्रताप यादव को उम्मीदवार बनाया था। हालांकि, नामांकन से ठीक पहले तेज प्रताप का नाम कट गया। इस सीट भाजपा ने मौजूदा सांसद सुब्रत पाठक को टिकट दिया है। बसपा के इमरान बिन जाफर भी यहां से ताल ठोंक रहे हैं। हमारी खास पेशकश सीट का समीकरण में आज इसी कन्नौज सीट की बात करेंगे। इसके चुनावी इतिहास की बात करेंगे। बात करेंगे यहां से जीते उम्मीदवारों की, पिछले चुनाव में इस सीट पर क्या हुआ था? इस बार कैसे समीकरण बन रहे हैं? ये भी जानेंगेङ्ग

पहले कन्नौज सीट के बारे में

उत्तर प्रदेश की 80 लोकसभा सीटों में से एक कन्नौज भी है। कन्नौज नाम से

लोकसभा सीट शुरूआतों तीन लोकसभा चुनावों में नहीं थी। यह सीट 1967 में अस्तित्व में आई। साल 1967 में हुए आम चुनाव में कन्नौज सीट पर राम मनोहर लोहिया को जीत मिली थी। संयुक्त सोशलिस्ट पार्टी के उम्मीदवार के रूप में उतरे लोहिया ने कांग्रेस के एसएन मिश्रा को मात्र 472 वोटों से हराया था।

1971 में लोकसभा चुनाव में कन्नौज सीट पर बाजी पलट गई। इस चुनाव में कांग्रेस के उम्मीदवार एसएन मिश्रा ने जीत दर्ज की। मिश्रा 1967 में यहां राम मनोहर लोहिया से हारे थे। 1971 के चुनाव में मिश्रा ने भारतीय जन संघ की तरफ से उतरे राम प्रकाश त्रिपाठी को 43,115 वोटों से हराया।

साल 1977, आपातकाल के बाद देश में चुनाव होते हैं। कन्नौज से भारतीय लोकदल के टिकट पर मैदान में उतरे राम प्रकाश त्रिपाठी ने जीत दर्ज की। उन्होंने कांग्रेस उम्मीदवार बलराम सिंह यादव को 1,71,042 वोट से बड़ी शिकस्त दी।

तीन साल बाद 1980 में मध्यावधि चुनाव हुए। 1980 के चुनाव में जनता पार्टी (सेकुलर) के उम्मीदवार छोटे सिंह यादव ने सफलता हासिल की। छोटे सिंह ने जनता पार्टी के टिकट पर उतरे राम प्रकाश त्रिपाठी को 39,137 वोटों से हराकर यह सफलता अर्जित की।

कन्नौज सीट पर शीला दीक्षित की एंट्री

अब आती है 1984 के लोकसभा चुनाव की बारी।

स्वतंत्र चेतना

प्रकाशक, मुद्रक आर.सी.गुप्त द्वारा डी.ए.चेतना प्रकाशन प्रा.लि. के लिए 8-ए हेस्टिंग्स रोड, इलाहाबाद से मुद्रित तथा प्रकाशित फोन नं. 0532-2423438

आर.एन.आई. संख्या 54328/91

सम्पादक : आर.सी.गुप्त

दिल्ली कार्यालय : ए-29, द्वितीय तल, विक्रम नगर, फिरोजशाह कोटला/फोन नं. 011-23724374

गोरखपुर कार्यालय
शाहमारूफ, हिन्दी बाजार, गोरखपुर
फोन-0551-2341010

लखनऊ कार्यालय
15, ए.पी.सेन रोड, चारबाग, लखनऊ
फोन-0522-4101353

कानपुर कार्यालय
16/17 सिविल लाइन्स कानपुर
फोन-0512-2304107

आजमगढ़ कार्यालय
चेतना भवन, एलवल (निकट आर्य समाज मन्दिर) फोन-05462-223430 फैक्स-05462-223431

फैजाबाद कार्यालय
2/1/51/ए-4 बड़ा डाकखाना के बगल में सिविल लाइन्स, फैजाबाद
फोन : 05278-223035

वाराणसी कार्यालयः
18/2ए,बी,1/11 इमलॉक कालोनी प्रथत तल चेतना भवन अनन्ता कालोनी, नदेसर, वाराणसी। फोनः 0542-2502011

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट के अंतर्गत उत्तरदायी तथा इनसे उत्पन्न समस्त विवाद गोरखपुर न्यायालय के अधीन ही होंगे।

Email-anandchetnanews@gmail.com

गजकेसरी योग का शुभ संयोग,मीन समेत इन राशियों की चमकेगी किस्मत और होगा लाभ

शनिवार को चंद्रमा कुंभ उपरांत मीन राशि पर संचार करने वाला है। साथ ही कल वैशाख मास के कृष्ण पक्ष की एकादशी तिथि है और इस तिथि को वरूथिनी एकादशी का व्रत किया जाता है। वरूथिनी एकादशी के दिन गजकेसरी योग, ऐन्द्र योग और पूवार्भाद्रपद नक्षत्र का शुभ संयोग भी बन रहा है, जिससे कल के दिन का महत्व और भी बढ़ गया है। वैदिक ज्योतिष के अनुसार, वरूथिनी एकादशी के दिन बन रहे शुभ योग का फायदा राशियों को मिलेगा। इन राशियों का अप्रत्याशित लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। राशियों के साथ ज्योतिषीय उपाय भी बताए गए हैं, इन उपायों के करने से कुंडली में शनि ग्रह की स्थिति मजबूत होगी और शनिदेव के आशीर्वाद से साढ़ेसाती व ढैय्या के अशुभ प्रभाव में भी कमी आएगी। आइए जानते हैं कल यानी 4 मई का दिन किन किन राशियों के लिए लकी रहने वाला है।

मेष राशि वालों के लिए कैसा रहेगा 4 मई का दिन

कल यानी 4 मई का दिन मेष राशि वालों के लिए महत्वपूर्ण रहने वाला है। मेष राशि वालों की कल धर्मार्थ कार्यों में रुचि बढ़ेगी और काम की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। पारिवारिक बिजनस करने वाले लोगों को अपनी पुरानी योजनाओं से अच्छा मुनाफा मिल सकता है और रचनात्मक कार्यों में पूरी रुचि दिखाएंगे। नौकरी पेशा जातकों के आकर्षण देखकर सहकर्मी आश्चर्यचकित रह जाएंगे और वरिष्ठ सदस्यों की उम्मीदों पर खरे उतरेंगे। दोस्तों के साथ कल कहीं बाहर घूमने जा सकते हैं, जिससे आपका दिमाग रिलैक्स रहेगा या फिर किसी एडवेंचर ट्रिप पर जाने की प्लानिंग करेंग। पारिवारिक जीवन की बात करें तो परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी और परिवार के सभी सदस्यों की जरूरतों का पूरा ध्यान रखेंगे। दांपत्य जीवन में प्रेम भाव बना रहेगा और जीवनसाथी के साथ भविष्य की

योजनाएं भी बनाएंगे।

मेष राशि वालों के लिए शनिवार का उपाय : बाधाओं से मुक्ति के लिए पीपल के वृक्ष में जल दें और चार मुख का दीपक जलाएं। साथ ही शनिदेव पर काले तिल अर्पित करें और सुबह-शाम ॐ शं शनैश्चराय नमः मंत्र का जप करते रहें।

सिंह राशि वालों के लिए कैसा रहेगा 4 मई का दिन

सिंह राशि वालों के लिए कल यानी 4 मई का दिन बेहद स्पेशल रहने वाला है। सिंह राशि वाले कल सरकारी सत्ता का भरपूर लाभ उठाएंगे और निवेश के मामले में काफी अच्छे परिणाम प्राप्त कर सकेंगे। कार्यक्षेत्र में कुछ नए स्रोतों से अच्छा लाभ मिलेगा, जिससे आपकी आमदनी में बढ़ोतरी होगी। अगर घरेलू जीवन में कुछ परेशानियां लंबे समय से आपको परेशान कर रही थीं तो कल वह शनिदेव की कृपा से दूर हो जाएंगी और स्थिरता की भावना मजबूत होगी। नौकरी पेशा जातकों को कल करियर में अच्छे परिणाम प्राप्त होंगे और वरिष्ठों के साथ संबंध बेहतर होने से प्रमोशन की संभावनाएं मजबूत होंगी। वैवाहिक जीवन की बात करें तो सब कुछ अच्छा रहेगा और जीवनसाथी के साथ किसी संपत्ति की खरीदारी कर सकते हैं। घर के बच्चों के साथ आपका मन लगेगा और आपकी सेहत भी अच्छी बनी रहेगी।

सिंह राशि वालों के लिए शनिवार का उपाय : शनिदेव पर सरसों का तेल अर्पित करें और सुबह-शाम एक माला ॐ ऐं ह्लीं श्रीशनैश्चराय नमः मंत्र का जप करें।

वृश्चिक राशि वालों के लिए कैसा रहेगा 4 मई का दिन

कल यानी 4 मई का दिन वृश्चिक राशि वालों के लिए शुभ रहने वाला है। वृश्चिक राशि वालों को कल भाग्य का साथ मिलने से इच्छाओं की पूर्ति होगी और आप प्रसन्न महसूस करेंगे। अगर आप कोई नया काम शुरू करने की योजना बना रहे हैं तो कल का दिन शुभ रहेगा, शनिदेव की कृपा से आपके काम में मजबूती आएगी। जो छात्र उच्च शिक्षा के लिए विदेश जाना चाहते हैं तो कल उनकी इच्छा पूरी होने की संभावना बन रही है। नौकरी पेशा जातकों की कल सहकर्मियों की सहयोग से स्थितियां और अच्छी हो सकेंगी, जिससे आप समय पर कार्यों को पूरा कर सकेंगे। आप अपनी सकारात्मक सोच का अच्छा फायदा उठाएंगे और आपको ननिहाल पक्ष से आर्थिक लाभ मिलता दिख रहा है। घरवालों और दोस्तों को समय देंगे और उनसे अपने मन की बातों को कह सकेंगे, जिससे आपके मन का बोझ भी हल्का हो जाएगा।

वृश्चिक राशि वालों के लिए शनिवार का उपाय : भाग्य वृद्धि के लिए शमी के पेड़ के नीचे शाम को सरसों के तेल का दीपक जलाएं।

मकर राशि वालों के लिए कैसा रहेगा 4 मई का दिन

मकर राशि वालों के लिए कल यानी 4 मई का दिन विशेष फलदायी रहने वाला है। मकर राशि वालों का कल समाज में अच्छा सम्मान बढ़ेगा और आपकी प्रतिष्ठा में अच्छी वृद्धि होगी। नौकरी पेशा जातकों के कार्यस्थल पर काम में कुछ बाधाएं आ सकती हैं, जिन्हें आप अपने वरिष्ठों की मदद से दूर करने में सक्षम होंगे और आपकी छवि में सुधार होगा। आध्यात्मिक कार्यों में आपकी रुचि बढ़ेगी और धार्मिक गतिविधियों में शामिल होने का मौका मिलेगा। अगर आपका कोई कानूनी मामला काफी समय से विवाद में है तो उसमें आपको कल शनिदेव की कृपा से कोई अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। पारिवारिक जीवन में अगर कोई परेशानी चल रही थी, तो कल वह बातचीत के माध्यम से दूर हो जाएगी और घरेलू समस्याओं का अंत होगा। वैवाहिक जीवन में पति-पत्नी के बीच ?यार और आपसी समझ बढ़ेगी, जिससे आप दोनों काफी खुश रहेंगे।

मकर राशि वालों के लिए शनिवार का उपाय : मानसिक शांति के लिए हर शनिवार को आटा, काले तिल और चीनी मिलाकर चीटियों को खिलाएं। साथ ही सरसों के तेल की बनी चीजों को गरीब व जरूरतमंदों को खिलाएं और उनकी सेवा करें।

मीन राशि वालों के लिए कैसा रहेगा 4 मई का दिन

कल यानी 4 मई का दिन मीन राशि वालों के लिए पराक्रम में वृद्धि लेकर आएगा। मीन राशि वालों को कल शनिदेव की कृपा से अप्रत्याशित लाभ मिलने से मन प्रसन्न रहेगा और आपके अंदर नेतृत्व क्षमता मजबूत होगी। परिवार के सदस्यों की सलाह मानकर अच्छा नाम कमाएंगे और संतान पक्ष से कोई शुभ समाचार सुनने को मिल सकता है। नौकरी पेशा जातकों को कल कार्यक्षेत्र में कोई बड़ी उपलब्धि मिलने से प्रसन्न रहेंगे और आपके करियर में मजबूती भी आएगी। व्यापारियों को कल अच्छा मुनाफा होगा और व्यापार विस्तार की योजना भी बनाएंगे। पर्सनल और प्रफेशनल लाइफ में अपनी वाणी और व्यवहार से सभी को एकजुट रखेंगे, जिसका आपका सम्मान बढ़ेगा।

जनादेश 2024

स्वतंत्र चेतना
www.swatantrachetnanews.com
प्रयागराज, शनिवार 04 मई 2024

चुनाव खत्म होने पर इटली भाग जाते हैं राहुलः योगी

पाकिस्तान से तारीफ पाने वाले श्री गांधी चुनाव शुरू होते ही स्वार्थ का गठबंधन करते हैं और चुनाव खत्म होते ही इटली का रुख कर लेते हैं

संभल,वार्ता। रायबरेली से चुनाव रण में उतरे कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी पर तंज कसते हुये उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पाकिस्तान से तारीफ पाने वाले श्री गांधी चुनाव शुरू होते ही स्वार्थ का गठबंधन करते हैं और चुनाव खत्म होते ही इटली का रुख कर लेते हैं।

लोकसभा प्रत्याशी परमेश्वर लाल सैनी के पक्ष में वोट की अपील करते हुये श्री योगी ने कहा इंडी गठबंधन देश के हित का नहीं बल्कि स्वार्थ का गठबंधन है। देश में राहुल गांधी की कोई तारीफ नहीं करता है, लेकिन पाकिस्तान के पूर्व मंत्री फवाद चौधरी कर रहे हैं। यह इनका

असली चेहरा है। यही नहीं देश में जब भी संकट आएगा तो सबसे पहले राहुल इटली भाग जाएंगे। इस दौरान उन्हे भारत और यहां की जनता को याद नहीं आएगी।ह्व

उन्होने कहा कि जब चुनाव आते हैं तो इन्हे रामलला याद आते हैं और उत्तर प्रदेश आ धमकते हैं। राहुल चुनाव शुरू होते ही चुनावी गठबंधन करते हैं और चुनाव खत्म होते ही भाग जाते हैं। यह इनकी फितरत है। यह पांच वर्ष दिखायी नहीं देंगे।

मुख्यमंत्री ने कहा कि भारतीय जनता पार्टी गरीब कल्याण, भारत को आत्मनिर्भर और विकसित भारत का संकल्प लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चुनावी समर में आपके बीच है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पिछले दस वर्षों में देश का विकास हुआ है। यह सभी जानते हैं। ऐसे में निर्णय आपको लेना है।

योगी आदित्यनाथ ने कहा कि कांग्रेस और सपा का इंडी गठबंधन पिछड़ी जाति के आरक्षण को काट करके अल्पसंख्यकों को देनी की बात कहता है जबकि बाबा साहब भीमराव अंबेडकर धर्म के आधार पर आरक्षण के खिलाफ थे क्योंकि धर्म के आधार पर आरक्षण भारत के विभाजन का आधार बनेगा। यह स्वतंत्र भारत धर्म के आधार पर आरक्षण स्वीकार नहीं कर सकता। वहीं कांग्रेस और सपा देश का फिर से विभाजन चाहती है। वह यह जातीय जनगणना कराकर जातीय समूह में बांटकर और लड़ाकर करना चाहती है। हम आरक्षण में सेंध लगाकर किसी भी दल को ऐसा होने नहीं देंगे।

उन्होने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देश में हर नागरिक, परिवार के लोगों को जाति-मजहब और भाषा से ऊपर योजनाओं का लाभ दिया जा रहा है। यही वजह है कि पूरा देश एक स्वर में एक बार फिर से मोदी सरकार का नारा लगा रही है। वह प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को तीसरी बार प्रधानमंत्री के रूप में देखना चाहती है। आज वाराणसी में काशी विश्वनाथ धाम और अयोध्या में भगवान राम का भव्य मंदिर बनाकर तैयार है। ऐसे ही संभल में मां केला देवी के मंदिर और धाम के विकास के लिए सरकार काम कर रही है।

लोकसभा चुनाव 2024

चुनाव खत्म होने तक काम करेंगे: शाह

अमित शाह ने की वोट फॉर जिहाद की बजाए वोट फॉर विकास वालों को चुनने की अपील

कोल्हापुर/सांगली। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने शुक्रवार को महायुति नेताओं और गठबंधन सहयोगियों के पदाधिकारियों को सतर्क रहने तथा चुनाव खत्म होने तक कोई कसर नहीं छोड़ने का सुझाव दिया।

पड़ोसी राज्य कर्नाटक के हुक्केरी में एक चुनावी रैली को संबोधित करने के लिए जा रहे श्री शाह कुछ घंटों के लिए यहां रुके तथा चुनाव अभियान का जायजा लेने के लिए कोल्हापुर और हटकनंगले लोकसभा क्षेत्रों के महायुति उम्मीदवारों, नेताओं और पदाधिकारियों के साथ बैठक की।

बैठक में शिवसेना (शिंदे) के उम्मीदवार के रूप में चुनाव लड़ रहे दोनों उम्मीदवार संजय मांडलिक और धैर्यशील माने के अलावा सांसद धनंजय महाडिक, समरजीत घाटगे और अन्य भी मौजूद थे। बाद में श्री शाह ने श्री महालक्ष्मी मंदिर का दौरा किया, पूजा-अर्चना की और हुक्केरी के लिए रवाना हो गये, जहां से वह प्रवास के लिए फिर यहीं लौटेंगे।

श्री शाह ने सांगली में जनसभा को संबोधित करते हुए कहा कि यह चुनाव दो खेमों में है। एक ओर ह्यवोट फॉर जिहादह्ल वाले लोग हैं तो दूसरी ओर ह्यवोट फॉर विकासह्ल वाले लोग हैं। एक ओर राहुल बाबा की चाइनीज गारंटी है तो दूसरी ओर पीएम मोदी की भारतीय गारंटी है। यह चुनाव इन दो खेमों के बीच होना है। दो चरण का चुनाव हो चुका है और मोदी जी सेंचुरी लगाकर आगे निकल चुके हैं। अब तीसरा फेज 400 पार करने की मजबूत नींव डालने का फेज है। कांग्रेस की सरकार में सोनिया-मनमोहन की सरकार में पहले आए दिन पाकिस्तान से आलिया-मालिया-जमालिया आते थे और बम धमाके करके चले जाते थे। कोई कुछ नहीं बोलता था। 2014 में जब मोदी जी पीएम बने तो पाकिस्तान ने उरी और पुलवामा में हमला किया, लेकिन वो भूल गए कि अब मनमोहन सिंह प्रधानमंत्री नहीं हैं, अब मोदी जी प्रधानमंत्री हैं। 10 ही दिन में मोदी जी के नेतृत्व में हमारी सेना ने पाकिस्तान के घर में घुस कर बदला लिया।

भाजपा प्रत्याशी दिनेश सिंह ने दाखिल किया नामांकन, बोले- जनता मोदी को फिर से पीएम बनाएगी

स्वतंत्र चेतना

रायबरेली। रायबरेली लोकसभा सीट से भाजपा प्रत्याशी दिनेश प्रताप सिंह ने शुक्रवार दोपहर को नामांकन दाखिल कर दिया है। नामांकन के पहले उन्होंने रोड शो निकाला जिसमें बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता व पदाधिकारी शामिल हुए। भाजपा प्रत्याशी ने कहा कि रायबरेली में इस बार इतिहास बदलेगा। रायबरेली की जनता नरेंद्र मोदी को फिर से प्रधानमंत्री बनाने के लिए तैयार है।

मोदी और योगी जो कहते हैं, करके दिखाते हैं : यादव

संभल (उत्तरप्रदेश),वार्ता। मध्यप्रदेश के मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने आज कहा कि 2024 का वोट गोपाल कृष्ण के धाम को मुस्कुराने के लिए मिलना चाहिए और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एवं उत्तरप्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ जो कहते हैं, वो करके दिखाते हैं। डॉ यादव उत्तरप्रदेश के संभल लोकसभा के असमोली में भारतीय जनता पार्टी प्रत्याशी के समर्थन में चुनावी सभा को संबोधित कर रहे थे। इस दौरान श्री योगी आदित्यनाथ भी मौजूद रहे। डॉ यादव ने कहा कि श्री मोदी और योगी आदित्यनाथ जी, जो कहते हैं वो करके दिखाते हैं। हाल ही के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने छत्तीसगढ़ में आदिवासी वर्ग से श्री विष्णुदेव साय को मुख्यमंत्री बनाया। ओबीसी वर्ग से मध्यप्रदेश से उन्हें स्वयं को मौका मिला और राजस्थान में ब्राह्मण वर्ग से श्री भजनलाल शर्मा को मुख्यमंत्री बनाया।

स्मृति इरानी ने राहुल गांधी पर जोरदार हमला बोला

राहुल गांधी ने चुनाव से पहले ही मान ली हार, मेहमानों का अमेठी में स्वागत...

राहुल गांधी को थोड़ी भी गुंजाइश लगती तो वह खुद अमेठी से चुनाव लड़ते

स्वतंत्र चेतना

अमेठी। आखिरकार राहुल गांधी ने रायबरेली लोकसभा सीट से अपना नामांकन फाइल कर दिया है। चर्चा थी कि वह एक बार फिर अमेठी से चुनाव लड़ेंगे पर उनकी जगह सोनिया गांधी के करीबी केएल शर्मा को टिकट दे दिया गया। केंद्रीय मंत्री और अमेठी से सांसद स्मृति ईरानी ने इसको लेकर राहुल गांधी पर तंज कसा है। उन्होंने कहा कि अमेठी में कांग्रेस ने चुनाव के पहले ही हार मान लिया है। गांधी परिवार का अमेठी से नामांकन ना करना इस बात का संकेत कर रहा है। यदि उन्हें जीत की कोई गुंजाइश लगती तो राहुल गांधी स्वयं यहां से चुनाव लड़ते। स्मृति इरानी ने शुकवार को मीडिया से बातचीत में कहा कि मेहमानों का अमेठी में स्वागत है। हम मेहमानों के स्वागत में कोई कमी नही रखेंगे। यह तो पहले से देश के पीएम नरेंद्र मोदी ने कहा था कि वायनाड में चुनाव हो जाने के बाद गांधी परिवार कोई नई सीट चुनेगा वही हुआ। पिछले पांच सालों में दो साल कोरोना में बीत गए। बचे तीन सालों में हमने जो विकास किया, उससे अमेठी की जनता लाभान्वित हुई है।

राहुल के चुनाव मैदान में उतरने से रायबरेली सीट सुर्खियों में

नयी दिल्ली। कांग्रेस द्वारा उत्तर प्रदेश की रायबरेली लोकसभा सीट पर अचानक राहुल गांधी को उम्मीदवार बनाये जाने से सुर्खियों में रहने वाला यह निर्वाचन क्षेत्र एक बार फिर चर्चा का विषय बन गया है। रायबरेली सीट को ह्यवीवीआईपीह्ल सीट भी कहा जाता है, जहां से पहले दो आम चुनाव में राहुल के दादा फिरोज गांधी विजयी हुए थे। रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र में फिरोज गांधी द्वारा रखी गयी मजबूत नींव को उनकी पत्नी व पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने और मजबूती प्रदान की तथा 1967, 1971 और 1980 के चुनाव में इस सीट पर जीत हासिल की।

इंदिरा गांधी ने 1980 में दो सीट से चुनाव लड़ा, जिनमें रायबरेली और मेडक (तेलंगाना) लोकसभा सीट शामिल हैं हालांकि उन्होंने बाद में मेडक सीट अपने

पास रखने का फैसला किया। उसके बाद अरुण नेहरू ने 1980 के उपचुनाव और 1984 के आम चुनाव में रायबरेली पर कांग्रेस का परचम लहराये रखा। पूर्व प्रधानमंत्री राजीव गांधी के करीबी माने जाने वाले अरुण नेहरू से लेकर शीला कौल तक रायबरेली सीट गांधी परिवार के सदस्यों और उनके करीबियों के पास ही रही। फिरोज गांधी के निधन के बाद 1960 में हुए उपचुनाव में कांग्रेस के आर.पी. सिंह ने रायबरेली सीट पर जीत हासिल की थी वहीं 1962 के चुनाव में कांग्रेस नेता बैजनाथ कुरील ने इस सीट पर कब्जा जमाया था।

इंदिरा गांधी की रिश्तेदार शीला कौल ने 1989 और 1991 में रायबरेली का प्रतिनिधित्व संसद में किया था। गांधी परिवार के एक अन्य मित्र सतीश शर्मा ने 1999 में रायबरेली निर्वाचन क्षेत्र का प्रतिनिधित्व किया और उसके बाद सोनिया गांधी का राजनीति में प्रवेश हुआ। वर्ष 1977 में आपातकाल के बाद जनता पार्टी के राज नारायण ने इंदिरा गांधी को हराया था, जो उस समय प्रधानमंत्री थीं। वहीं 1996 और 1998 में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) के अशोक सिंह ने कांग्रेस के उम्मीदवारों को शिकस्त दी थी। सोनिया गांधी ने चुनावी राजनीति में प्रवेश करने के लिए 1999 में अमेठी सीट चुनी थी, लेकिन 2004 में उन्होंने अमेठी सीट राहुल के लिए छोड़ दी।

सोनिया गांधी ने 2004 से 2019 तक चार बार रायबरेली सीट पर जीत हासिल की हालांकि उनकी जीत का अंतर कम होने लगा था। राहुल को अमेठी के बदले रायबरेली से चुनाव मैदान में उतारने के पीछे पार्टी का आकलन है कि पूर्व कांग्रेस अध्यक्ष के लिए रायबरेली, अमेठी से बेहतर और सुरक्षित सीट है। उन्हें 2019 के लोकसभा चुनाव में अमेठी में भाजपा की स्मृति ईरानी से लगभग 50 हजार मतों से हार का सामना करना पड़ा था।

पीएम मोदी को पाकिस्तान, श्मशान, हिन्दू-मुसलमान पसंद सातवें चरण तक इस लिस्ट में दो-चार शब्द और बढ़ेंगेः लालू

पटना। राष्ट्रीय जनता दल के अध्यक्ष लालू प्रसाद यादव ने शुक्रवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर उनके कथित पसंदीदा शब्दों को लेकर तंज कसा है। उन्होंने कटाक्ष करते हुए यह भी कहा कि वे नौकरी-रोजगार, गरीबी-किसानी जैसे शब्द भूल गए हैं। बिहार के पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने सोशल साइट एक्स पर देशवासियों को संबोधित करते हुए लिखा कि हिंदी भाषा में आज लगभग 1.5 लाख शब्द बताये जाते हैं। लालू प्रसाद का कहना है कि अध्ययन की सभी शाखाओं में तकनीकी शब्दों को मिलाकर लगभग 6.5 लाख शब्द हैं। आरजेडी सुप्रीमो लालू प्रसाद ने आगे लिखा, लेकिन, देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के सबसे पसंदीदा शब्द हैं मुख्य रूप से पाकिस्तान, श्मशान, कब्रिस्तान, हिन्दू-मुसलमान, मंदिर-मस्जिद, मछली-मुगल, मंगलसूत्र, गाय-भैंस। ऊपर की लिस्ट पहले दो चरणों के चुनाव होने तक की है। सातवें चरण तक इस लिस्ट में कुछ दो चार नाम और बढ़ सकते हैं। लालू ने आगे कहा कि पीएम मोदी नौकरी-रोजगार, गरीबी-किसानी, महंगाई-बेरोजगारी, विकास-निवेश, छात्र- विज्ञान-नौजवान इत्यादि मुद्दे भूल गए है।

देश की सबसे चर्चित सीटों में से एक, भाजपा के अभेद किले में मामा के सामने दादा

विदिशा,वार्ता। मध्यप्रदेश की सबसे प्रतिष्ठित सीटों में से एक, भारतीय जनता पार्टी के गढ़ के नाम से प्रचलित विदिशा यूं तो इस बार पूर्व मुख्यमंत्री शिवराज सिंह चौहान का नाम भाजपा प्रत्याशी घोषित होने के बाद से ही सबकी नजरों में थी, लेकिन कांग्रेस ने यहां से एक बार फिर पूर्व सांसद प्रताप भानु शर्मा पर दांव खेल कर इसे और चचाओं का केंद्र बना दिया।

चार बार इस संसदीय क्षेत्र से सांसद रह चुके श्री चौहान जहां पूरे राज्य में ह्यमामाह्ल के नाम से पहचाने जाते हैं, वहीं श्री शर्मा ने सांसद रहते हुए पूरे संसदीय क्षेत्र में ह्यदादाह्ल के नाम से पहचान बनाई है। ऐसे में अब ये चुनाव मामा और दादा के बीच की जंग का सामना कर रहा है।

ये संसदीय क्षेत्र इसके पहले भी अपने दिग्गज प्रत्याशियों के चलते देश भर में सुर्खियां बटोर चुका है। पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी और पूर्व विदेश

मंत्री सुषमा स्वराज इस संसदीय क्षेत्र का संसद में प्रतिनिधित्व कर चुके हैं। लगभग तीन दशक से भी ज्यादा समय से भाजपा का अभेद किला बने हुए इस क्षेत्र में पिछले चुनाव में पार्टी प्रत्याशी रमाकांत भार्गव ने लगभग पांच लाख से भी अधिक मतों से कांग्रेस प्रत्याशी शैलेद्र पटेल को पराजित किया था। ऐसे में अब सबकी निगाहें इस बार यहां से जीतने वाले प्रत्याशी और उनकी जीत के अंतर पर टिकी हुई हैं।

विदिशा लोकसभा में आठ विधानसभाएं हैं, जिनमें भोजपुर, सांची, सिलवानी, विदिशा, बासौदा, बुधनी, इछावर और खातेगांव शामिल हैं। इनमें से सिलवानी को छोड़कर अन्य सभी पर वर्तमान में भाजपा का कब्जा है। विदिशा लोकसभा सीट में रायसेन, विदिशा, सीहोर और देवास जिले के हिस्सों को शामिल किया गया है। ये क्षेत्र सांची के स्तूपों के चलते देश-दुनिया में विख्यात है। वहीं भोजपुर का विशाल शिव मंदिर अपने ऐतिहासिक महत्व के चलते देश के चुनिंदा शिव मंदिरों में शामिल है।

पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन और एसआरएम सेंटर फॉर क्लिनिकल ट्रायल्स एंड रिसर्च चेन्नई के बीच एमओयू पर हस्ताक्षर

- आयुर्वेद के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा यह समझौता - आचार्य बालकृष्ण
- एसआरएम सेण्टर फॉर क्लिनिकल ट्रायल्स एंड रिसर्च, चेन्नई और पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन आयुर्वेदिक औषधियों पर मिलकर करेंगे क्लीनिकल ट्रायल स्टडीज

स्वतंत्र चेतना

हरिद्वार। पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन और एसआरएम सेंटर फॉर क्लिनिकल ट्रायल्स एंड रिसर्च चेन्नई के बीच आयुर्वेदिक औषधियों के लिए क्लीनिकल ट्रायल अध्ययन के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर हुए हैं। इस अवसर पर पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन की ओर से पतंजलि योगपीठ के महामंत्री आचार्य बालकृष्ण और पतंजलि अनुसंधान संस्थान के प्रमुख वैज्ञानिक डॉ. अनुराग वार्ष्णेय तथा एसआरएम सेण्टर फॉर क्लिनिकल ट्रायल्स एंड रिसर्च चेन्नई की ओर से डॉ. नितिन एम. नागरकर, डॉ. सत्यजीत महापात्र एवं डॉ. सरस्वती त्रिपाठी उपस्थित रहे।

समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर के अवसर पर आचार्य बालकृष्ण ने कहा कि यह समझौता आयुर्वेद के इतिहास में मील का पत्थर साबित होगा। उन्होंने कहा कि यह संयुक्त प्रयास आयुर्वेद के पुनरुत्थान में अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने कहा कि यह संयुक्त प्रयास भारतीय सनातन ज्ञान पर आधारित आयुर्वेद से निर्मित साक्ष्य आधारित औषधियों को क्लिनिकल ट्रायल्स के माध्यम से विश्वपटल पर लाने में अहम भूमिका निभाएगा। भारत के यह दो प्रमुख संस्थान आयुर्वेदिक औषधियों की ऐफिकैसी को दुनिया के सामने प्रस्तुत करेंगे।

डॉ. नितिन एम. नागरकर ने हर्ष व्यक्त करते हुए कहा कि यह समझौता भारतीय पुरातन चिकित्सकीय विज्ञान, आयुर्वेद को वैश्विक स्तर पर मान्यता दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका अदा करेगा। इस अवसर पर क्लीनिकल अनुसंधान के वरिष्ठ प्रोफेसर डॉ. वाईके गुप्ता एवं डॉ. अनुराग श्रीवास्तव भी उपस्थित रहे। उन्होंने दोनों संस्थानों को साथ मिलकर आगे बढ़ने के लिए मंगलकामनाएं दी। पतंजलि रिसर्च फाउंडेशन के प्रमुख डॉ. अनुराग वार्ष्णेय ने प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि इस समझौता ज्ञापन की मदद से दोनों संस्थान साथ मिलकर आयुर्वेदिक औषधियों की प्रभावशीलता को साक्ष्य आधारित रूप से विश्व के समक्ष प्रस्तुत कर विविध रोगों में उनकी उपयोगिता को सिद्ध करेंगे।

अमेठी में किशोरी लाल ने पर्चा भरा, प्रियंका ने मांगा जीत का आशीर्वाद

स्वतंत्र चेतना

अमेठी। हाईप्रोफाइल अमेठी लोकसभा सीट से कांग्रेस प्रत्याशी किशोरी लाल शर्मा ने शुक्रवार को अपना नामांकन दाखिल किया।

श्री शर्मा ने दोपहर करीब साढ़े 12 बजे अपना नामांकन दाखिल किया। कांग्रेस ने आज सुबह ही श्री शर्मा को प्रत्याशी घोषित किया था हालांकि वह गुरुवार को ही अमेठी आ गये थे और रोड शो की अनुमति भी जिला प्रशासन से ले ली थी मगर कयास लगाये जा रहे थे कि इस सीट से कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) प्रत्याशी और मौजूदा सांसद स्मृति ईरानी का सामना करेंगे।

आज दोपहर अमेठी पहुंची कांग्रेस महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा ने श्री शर्मा की जीत के लिये अमेठी की जनता से अपील की। उन्होने नामांकन से पहले कांग्रेस प्रत्याशी के साथ रोड शो किया। उनके साथ राजस्थान के पूर्व मुख्यमंत्रीअशोक गहलोत भी शामिल हुए। श्रीमती वाड्रा ने नामांकन सभा को संबोधित करते हुये कहा हम यह चुनाव आपके लिए लड़ रहे हैं। हम आपके साथ खड़े हैं। आज तीन मई है और आज से चुनाव तक हम आपके साथ रहेंगे। उन्होने कहा चुनाव तक हम आपके साथ रहकर किशोरी लाल जी को जीत दिलाएंगे। इनको यहां से सांसद बनाएंगे। हमने भ्रष्टाचार के खिलाफ लड़ाई लड़ी है। हमें आपकी आवाज उठानी है।